सेंसेक्स	~	82,253.46
निफ्टी	~	25,082.30
सोना	~	99880
चांदी	~	115000
डॉलर	~	86.01

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
मंगलवार 15 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 290
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

सीजेआई बीआर गवई अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। भारत के सीजेआई बीआर गवई को इन्फेक्शन के चलते दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। अस्पताल के सोर्स के मुताबिक, सीजेआई की हालात सुधार हो रहा है। उन्हें एक-दो दिन में अस्पताल छुट्टी मिल जाएगी। 12 जुलाई को हैदराबाद की यात्रा के दौरान सीजेआई की तबीयत बिगड़ी थी।

आज से आधार ओटीपी से बुक होंगे तत्काल टिकट

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग के नियमों में बड़े बदलाव किए हैं। 15 जुलाई से बुकिंग करने के लिए आईआरसीटीसी की वेबसाइट या एप पर आधार ऑथेंटिकेशन जरूरी होगा। इसके अलावा, ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार नंबर से जुड़ा ओटीपी भी लगेगा। इन बदलावों का मकसद टिकट बुकिंग में पारदर्शिता लाना और दलालों या फर्जी एजेंट्स की मनमानी पर रोक लगाना है। कई बार ऐसा देखा गया कि तत्काल टिकट शुरू होते ही कुछ ही मिनटों में बिक जाते थे, क्योंकि दलाल और फर्जी एजेंट्स सॉफ्टवेयर या गलत तरीकों से टिकट बुक कर लेते थे। इससे आम यात्रियों को टिकट मिलना मुश्किल हो जाता था। नए नियमों का मकसद यही है कि टिकट बुकिंग का मौका सिर्फ असली यात्रियों को मिले और फर्जीवाड़ा रुके। आधार वेरिफिकेशन से ये सुनिश्चित होगा कि टिकट वही बुक कर रहा है, जिसका आधार नंबर रजिस्टर्ड है। पहले 30 मिनट तक एसी और नॉन-एसी दोनों क्लास के लिए एजेंट्स को टिकट बुक करने की इजाजत नहीं होगी।

स्पाइसजेट पर 10 हजार जुर्माना

चंडीगढ़। दिल्ली से अहमदाबाद जा रहे एक यात्री का सामान गलत जगह भेजने पर चंडीगढ़ की कंज्यूमर कोर्ट ने स्पाइसजेट एयरलाइंस को सेवा में कोताही का दोषी ठहराया है। कोर्ट ने एयरलाइंस को 10,000 रुपये हर्जाना देने का आदेश दिया है। शिकायतकर्ता साहब पायल, जो कि सेक्टर-47सी, चंडीगढ़ के निवासी हैं, ने बताया कि वह गुजरात फ्लाइंग स्कूल, वडोदरा में परीक्षा देने जा रहे थे। इसके लिए उन्होंने दिल्ली से अहमदाबाद तक का टिकट स्पाइसजेट से बुक किया था। लेकिन यात्रा के दौरान उनका सामान किसी और जगह भेज दिया गया, जिससे उन्हें काफी परेशानी झेलनी पड़ी।

मशहूर स्टंट कलाकार एसएम राजू का निधन, तमिल फिल्म इंडस्ट्रीज में शोक

मुंबई। मशहूर स्टंट कलाकार एसएम राजू का 52 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे निर्देशक पा. रंजीत की आने वाली फिल्म वेट्टुवन का स्टंट सीन शूट कर रहे थे। फिल्म के हीरो आर्या हैं। तमिल अभिनेता विशाल ने पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने राजू के दुखद निधन के बारे में बताया। उन्होंने लिखा, यह समझना बहुत मुश्किल है कि स्टंट कलाकार राजू सोमवार सुबह आर्या और रंजीत की फिल्म का एक स्टंट (कार पलटने वाला सीन) कर रहे थे, तभी उनकी मौत हो गई।अभिनेता ने कहा कि वह राजू को कई वर्षों से जानते थे। राजू ने उनकी फिल्मों में कई बार बेहद खतरनाक स्टंट किए थे। उन्होंने लिखा, मेरी ओर से गहरी संवेदनाएं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। इस दुख की घड़ी में भगवान उनके परिवार को सहने की ताकत दे।

बिहार में बाढ़-बिजली गिरने से 13 की मौत, राजस्थान में 7 की जान गई, मप्र के कई जिलों में बाढ़; लैंडस्लाइड से चंडीगढ़-मनाली हाईवे बंद

कहीं नहर टूटी, कहीं तालाब फूटा

अटल सागर डैम के 6 गेट खोले गए, श्योपुर-बारां हाईवे बंद, शिवपुरी में घरों में पानी भरा

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। बिहार में बीते 24 घंटे में बाढ़-बिजली गिरने से 13 लोगों की मौत हो गई है। बिजली गिरने से प्रदेश में 9 लोगों की जान चली गई। इनमें सबसे ज्यादा 5 मौतें बांका में हुई। वहीं, बाढ़ से गयाजी में 2, नालंदा और पटना में 1-1 व्यक्ति की मौत हुई है। राजस्थान में भी बीते 1 दिन में बारिश की घटनाओं में 7 लोगों की मौत हो गई है। भीलवाड़ा में दो चचेरे भाइयों की बरसाती नाले में और राजसमंद में तालाब में डूबने से भाई-बहन की मौत हो गई। ब्यावर में कीचड़ में गिरने से बच्चे की जान चली गई। भरतपुर में बिजली गिरने से पाली में बारिश में करंट लगने से 1-1 व्यक्ति की मौत हो गई।

मप्र में पिछले 24 घंटे के दौरान कई जिलों में आंधी और बारिश वाला मौसम रहा। सबसे ज्यादा बारिश रतलाम और गुना जिलों में हुई। श्योपुर में 2.8 इंच और गुना में 2.7 इंच पानी गिर गया। प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में भी बारिश का दौर जारी रहा। यहां 1.2 इंच पानी गिरा। शिवपुरी जिले में अटल सागर मड़ीखेड़ा बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। इसी के चलते सोमवार सुबह साढ़े 6 बजे अटल सागर मड़ीखेड़ा बांध के 6 गेट खोल दिए गए हैं। बांध से करीब 1500 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है। श्योपुर जिले के विजयपुर में क्वारी नदी का जलस्तर बढ़ने से आगरा जाने वाला रास्ता बंद है। वहीं, बड़ौदा में बाढ़ जैसे हालात हैं। दुकानों-मकानों के अलावा अस्पताल में भी पानी भर गया है। शिवपुरी जिले के रन्नौद क्षेत्र में भी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। यहां कई लोगों के घरों में पानी भर गया।

मप्र में सीजन की 45 प्रतिशत बारिश

स्ट्रॉन्ग सिस्टम की बदौलत मप्र में 1 महीने के अंदर ही कोटे की 45 प्रतिशत यानी, औसत 17.4 इंच बारिश हो गई है। निवाड़ी में कोटा फुल हो चुका है। यहां 102 प्रतिशत पानी गिर चुका है। टीकमगढ़ में 90 फीसदी बारिश हुई है। प्रदेश के पूर्वी हिस्से-जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर के साथ नर्मदापुरम ग्वालियर-चंबल संभाग की तस्वीर भी बेहतर है, लेकिन इंदौर-उज्जैन पिछड़े हुए हैं। यहां के 15 जिलों में से 10 में दस इंच से कम पानी गिरा है। प्रदेश में मानसून के एंटर हुए 16 जुलाई को 1 महीना हो जाएगा। हालांकि, मानसूनी सीजन 1 जून से ही शुरू हो गया था।

हेट स्पीच पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र और राज्यों को निर्देश

नफरत फैलाने वाले कंटेंट पर लगे लगाम

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया पर फैल रहे हेट स्पीच (नफरती भाषणों) को लेकर चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने कहा है कि इन दिनों अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर सब कुछ जायज ठहराने की कोशिश कर रही है। ये बिल्कुल खतरनाक है।न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज फ्रांसिस विस्वनाथन की बेंच के द्वारा ये टिप्पणी उस याचिका पर सुनवाई करते हुए आई जो कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ वजाहत खान नाम के शख्स ने दायर की थी। बेंच ने कहा कि नफरती भरे भाषणों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है, लेकिन ये भी सुनिश्चित करने की जरूरत होगी कि किसी की भी बोलने की आजादी को कुचला न जाए। लोगों को भी अभिव्यक्ति की अधिकार का महत्व समझना चाहिए। यह अधिकार बेशकीमती है।

बेंच ने कहा कि लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मूल्य समझना चाहिए। राज्य को हर बार बीच में आकर कार्रवाई करनी पड़े, ये स्थिति नहीं होनी चाहिए। हेट स्पीच जैसे कंटेंट पर कुछ नियंत्रण ज़रूरी है। आम नागरिकों को भी ऐसे कंटेंट को शेयर करने, प्रमोट या लाइक करने से बचना चाहिए।

कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि अब पोस्ट डिलीट करने का कोई मतलब नहीं है, एक बार जो इंटरनेट पर चीजें डल जाती हैं वो हमेशा के लिए रहती हैं। अभिव्यक्ति की आजादी बहुत ही अहम मौलिक अधिकार है। लेकिन इसका दुरुपयोग करने से बस अदालतों में भीड़ बढ़ती है।

केंद्र सरकार ने पांच हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस की नियुक्ति पर मुहर लगाई

जस्टिस सचदेवा होंगे मप्र हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली। देश में पांच हाईकोर्ट को नए चीफ जस्टिस मिले हैं। इनमें मप्र, झारखंड, कर्नाटक, गुवाहाटी और पटना हाईकोर्ट शामिल हैं। केंद्र सरकार ने इनकी नियुक्ति पर मुहर लगाई है। जस्टिस संजीव सचदेवा को मप्र हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है। गौरतलब है कि 23 मई को मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सुरेश कुमार कैत के सेवानिवृत्त होने के बाद 24 मई से जस्टिस सचदेवा ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण किया था। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम की सिफारिशों के आधार पर केंद्र सरकार द्वारा नियुक्तियां की गई हैं।

जिसमें जस्टिस संजीव सचदेवा को मप्र हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस तरलोक सिंह चौहान झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस विभु बखरू कर्नाटक हाईकोर्ट मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस आशुतोष कुमार गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस विपुल मनुभाई पंचोली पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश होंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने विभिन्न हाईकोर्टों में रिक्तियों और प्रशासनिक जरूरतों का आकलन करने के बाद ये सिफारिशें की थीं। इन नियुक्तियों से राज्य स्तर पर न्यायपालिका में नेतृत्व को मजबूती मिलेगी और लंबित मामलों के त्वरित निपटारे में मदद मिलेगी।

कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह की बैठक में सोनिया गांधी बताएंगी सांसदों को रणनीति

मानसून सत्र में मोदी सरकार को घेरेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने वाला है। इसको लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष अपनी-अपनी तैयारियों में जुटी हुए हैं। कांग्रेस की प्लानिंग मोदी सरकार को संसद में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर घेरने की है। अनुमान है कि इस सत्र में सरकार और विपक्ष कई मुद्दों पर आमने सामने आ सकते हैं और टकराव बढ़ भी सकता है। वहीं कांग्रेस की रणनीति बनाने के लिए संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी अहम बैठक करने वाली हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले वोटर लिस्ट के रिवीजन वाले चुनाव आयोग के कदम पर संसद में कड़ा विरोध हो सकता है। इसके अलावा पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की कूटनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की मांग कर सकती है।

सोनिया गांधी के आवास पर होगी बैठक

कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह की बैठक 15 जुलाई को होगी। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इसकी अध्यक्षता सोनिया गांधी अपने 10 जनपथ स्थित आवास पर करेंगी। केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा और 21 अगस्त तक चलेगा, जो कि पूर्व नियोजित अवधि से एक सप्ताह अधिक है, जिससे भारी विधायी एजेंडे का संकेत मिलता है। पहले यह सत्र 12 अगस्त को समाप्त होना था, लेकिन अब इसे एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया है।

अहम विधेयक लाने की प्लानिंग

सत्र का समय इसलिए, बढ़ाया गया है क्योंकि सरकार प्रमुख विधेयक संसद में लाने की प्लानिंग कर रही है। इसमें परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के प्रवेश को सुगम बनाने से संबंधित विधेयक भी शामिल है। परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का प्रस्ताव केंद्रीय बजट में किया था गया था। अब इस घोषणा को क्रियान्वित करने के लिए परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम और परमाणु ऊर्जा अधिनियम में संशोधन करने की योजना बना रही है। दूसरी ओर विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की मांग कर रहा है। इसके अलावा विपक्षी दल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में परमाणु युद्ध को टालने के लिए मध्यस्थता के दावों पर भी सरकार से जवाब मांग रहे हैं। केंद्र सरकार ने ट्रंप के दावों को खारिज कर दिया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने फोन पर ट्रंप से कहा था कि भारत ने कभी भी मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है और भविष्य में भी इसे स्वीकार नहीं करेगा।

अब लड्डू, वड़ा पाव, पकौड़ा, समोसा, जलेबी जैसी चीजों पर ऑयल और शुगर की चेतावनी वाले बॉर्ड लगाए जाएंगे

नई दिल्ली । भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक नई पहल की शुरुआत की है, जिसके तहत अब लड्डू, वड़ा पाव, पकौड़ा, समोसा, जलेबी जैसी चीजों पर ऑयल और शुगर की चेतावनी वाले बॉर्ड लगाए जाएंगे। ये बोर्ड चमकीले पोस्टर में होंगे, जो लोगों को यह याद दिलाने का काम करेंगे कि आप जो स्नैक्स खा रहे हैं, उसमें कितनी फैट और शुगर छिपी है। तो क्या हम अपने बचपन के पसंदीदा स्नैक्स के लिए अपने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं? क्या एक समोसा या एक जलेबी रोज़ खुशी से खा लेना, हमारी सेहत के लिए खतरनाक है?

केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कैंटीन, रेस्टोरेंट्स में ट्रांस फैट्स और चीनी के खिलाफ जागरूकता फैलाने वाले बोर्ड्स लगवाने के निर्देश जारी किए हैं। इस योजना की शुरुआत फिलहाल नागपुर के सरकारी संस्थानों में की जा रही है। नागपुर के एम्स अस्पताल को भी इन निर्देशों का पत्र प्राप्त हुआ है। सरकार का मानना है कि अगर लोगों को पहले से यह जानकारी दी जाए कि किसी खाने की चीज में कितनी शुगर या तेल है, तो वो सोच-समझकर निर्णय ले सकेंगे। अगर ये प्रयोग सफल हुआ तो इसे देश भर में लागू किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने की अहम टिप्पणी, सोशल मीडिया पर चल रही विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश जरुरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अहम मामले की सुनवाई के दौरान सोमवार को कहा कि देश के नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझनी चाहिए और संयम का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर वर्तमान में चल रहे विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाना होगा। कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी की वकालत कर कहा कि किसी भी सूरत में सेंसरशिप की बात नहीं होनी चाहिए बल्कि लोगों को आत्मसंयम और नियमन का पालन करना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संबंधित दिशा-निर्देशों पर विचार कर कहा कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी है लेकिन उनके बीच भाईचारा भी बने रहना चाहिए। अदालत ने कहा कि कोई नहीं चाहता है कि राज्य/सरकार इसतरह के मामलों में दखल दे, लेकिन भाषण की स्वतंत्रता पर तार्किक पाबंदियां उचित हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी के मूल्यों के बारे में लोगों को जागरूक होना चाहिए, क्योंकि कोई भी नहीं चाहता कि संबंधित सरकार नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप करे। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ शिकायतकर्ता वजाहत खान द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर शीर्ष अदालत ने राज्यों और केंद्र से कहा कि वे सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा को कंट्रोल करें। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि सरकार ऐसी कोई भी कोशिश न करे जिससे अभिव्यक्ति की आजादी की पवित्रता का उल्लंघन हो। शीर्ष अदालत की पीठ ने आत्मनियमन और आत्मसंयम पर जोर देकर कहा, लोगों को ऐसा भाषण अप्रिय या अनुचित क्यों नहीं लग रहा? सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले विषय-वस्तु का कुछ नियमन होना चाहिए और नागरिकों को इसतरह के घृणास्पद भाषणों (हेट स्पीच) को शेयर और लाइक करने से खुद को ही रोकना चाहिए।

हरियाणा और गोवा को मिला नया राज्यपाल, गुप्ता को बनाया गया लद्दाख का एलजी

नई दिल्ली। सोमवार को जारी आधिकारिक सूचना के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रोफेसर असीम कुमार घोष को हरियाणा का नया राज्यपाल और पुसापति अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल घोषित किया है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता को लद्दाख का नया उपराज्यपाल बनाया गया है। राष्ट्रपति ने लद्दाख के उपराज्यपाल पद से ब्रिगेडियर (डॉ.) बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त) का इस्तीफा स्वीकार किया है।

ये नियुक्तियाँ उस तिथि से प्रभावी होंगी जिस दिन नए नियुक्त व्यक्ति अपने-अपने कार्यालयों का कार्यभार संभालेंगे। ये नियुक्तियाँ दो राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में प्रमुख संवैधानिक पदों पर फेरबदल का संकेत हैं। घोष, जिन्होंने वरिष्ठ शैक्षणिक पदों पर कार्य किया है और उच्च शिक्षा में अपने प्रशासनिक अनुभव के लिए जाने जाते हैं, हरियाणा के राज्यपाल का पदभार ग्रहण करने वाले हैं।

वरिष्ठ राजनीतिक हस्ती और पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, राजू, गोवा में कार्यभार संभालने वाले हैं। राजू ने अपने दशकों लंबे राजनीतिक जीवन में आंध्र प्रदेश और केंद्र दोनों में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। जम्मू से भाजपा के वरिष्ठ नेता गुप्ता, लद्दाख में नई दिल्ली की प्रशासनिक उपस्थिति का नया चेहरा बन गए हैं। गुप्ता इससे पहले जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष रह चुके हैं और पीडीपी-भाजपा गठबंधन काल के दौरान उन्हें उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया था।

तलाक मामले में पत्नी की कॉल रिकॉर्डिंग सबूत

सुप्रीम कोर्ट बोला- ये निजता का उल्लंघन नहीं, रिश्ता जासूसी तक पहुंचा तो पहले ही टूट चुका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि पत्नी की जानकारी के बिना रिकॉर्ड कॉल को वैवाहिक विवादों में सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। कोर्ट ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि ऐसा करना पत्नी के निजता के अधिकार का उल्लंघन है और इसे सबूत के रूप में नहीं माना जा सकता।

कोर्ट ने कहा कि शादीशुदा जीवन में गोपनीयता का अधिकार पूरा नहीं हो सकता। इंडियन एविडेंस की धारा 122 के तहत पति-पत्नी के बीच बातचीत को कोर्ट में उजागर नहीं किया जा सकता, लेकिन तलाक जैसे मामलों में इसे अपवाद मानते हैं।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा, हम नहीं मानते कि इस मामले में निजता के अधिकार का कोई उल्लंघन हुआ है। धारा 122 सिर्फ पति-पत्नी के बीच संवाद की गोपनीयता को मान्यता देती है, लेकिन यह निजता के संवैधानिक अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा नहीं है।

क्या था मामला?

यह केस बठिंडा की एक फैमिली कोर्ट से शुरू हुआ था, जहां पति ने पत्नी से बातचीत की

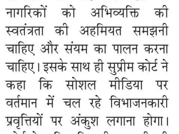

रिकॉर्डिंग के आधार पर तलाक की अर्जी दी थी। कोर्ट ने कॉल रिकॉर्डिंग को सबूत के तौर पर मान लिया। पत्नी ने इस फैसले को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने इसे निजता का उल्लंघन बताया और कहा कि इस रिकॉर्डिंग को सबूत नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट और अन्य फैसलों का हवाला देते हुए कहा था कि पति-पत्नी की निजी बातचीत को चोरी-छिपे रिकॉर्ड करना कानूनन गलत है।

पति की दलील- हमेशा पति-पत्नी के मामले में गवाह नहीं होता

पति के वकील ने कहा कि निजता का अधिकार सीमित हैं और उसे अन्य संवैधानिक अधिकारों के साथ संतुलित करना चाहिए। वैवाहिक विवादों में कई बार ऐसे मामले होते हैं, जो केवल पति-पत्नी के बीच घटते हैं और कोई गवाह नहीं होता। ऐसे में तकनीक की मदद से जुटाए गए सबूत जरूरी हो जाते हैं।

गडकरी ने कहा-अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो सरकार नहीं कर सकती

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोक प्रशासन में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार के खिलाफ अदालती मामले दायर करने की जरूरत पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ ऐसे लोग होने चाहिए, जो सरकार के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर करें। इससे राजनेताओं में अनुशासन आता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकार के मंत्री भी वह काम नहीं कर सकते जो अदालती आदेश से हो सकता है। लोकप्रिय राजनीति राजनेताओं और मंत्रियों के आड़े आती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नागपुर में प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए गडकरी ने कहा कि अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो सरकार भी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में कुशल संगठक के रूप में सम्मानित किए गए लोगों ने सरकार के खिलाफ ऐसी कई कानूनी लड़ाइयाँ लड़ीं। गडकरी ने कहा कि कुशल संगठकों ने शिक्षा क्षेत्र में गलत सरकारी फैसलों के खिलाफ कई मामले दायर किए और कई मौकों पर सरकार को अपने फैसले वापस लेने के लिए मजबूर भी किया।

इससे पहले गडकरी ने रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि महाशक्तियों की तानाशाही और निरंकुशता के कारण समन्वय, आपसी सद्भाव और प्रेम खत्म हो रहा है और दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। भारत को दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश देने वाली बुद्ध की भूमि बताते हुए गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की समीक्षा और विचार-विमर्श के बाद भविष्य की नीति निर्धारित करने की जरुरत पर जोर दिया।

विद्युत समस्या को लेकर कुम्हारी के ग्रामीणों ने 1 घंटे तक किया चक्का जाम

थाना प्रभारी के बलपूर्वक जाम हटाने पर ग्रामीण हुए थाना प्रभारी के खिलाफ लामबंद, थाना प्रभारी को हटाने सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत कुम्हारी में विद्युत समस्या को लेकर ग्रामीणों ने एक घंटे तक चक्का जाम कर दिया। यहां ग्रामीणों की मांग थी कि विद्युत विभाग द्वारा 100 केव्ही का ट्रांसफॉर्म लगाया जा रहा है वह ना लगाया जाए । बल्कि क्षेत्र को देखते हुए 200 केव्ही का ट्रांसफॉर्म लगाया जाए। इसी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सड़क पर चक्का जाम करते हुए टायर जलाए और प्रदर्शन किया। पुलिस द्वारा बलपूर्वक जाम को हटाते हुए रास्ता क्लियर किया गया गया। इस दौरान ग्रामीणों में पुलिस विभाग के खिलाफ आक्रोश भी देखने को मिला । कुछ ग्रामीणों को पुलिस ने कोतवाली थाने में लाकर भी बिठाया है ।

आपको बता दे की बीते कुछ दिनों पूर्व भारी बारिश और आंधी तूफान आया था । जिसके चलते जिले के कई क्षेत्रों में जनजीवन भी प्रभावित हुआ था। इस दौरान बालाघाट - नैनपुर मार्ग पर स्थित ग्राम कुम्हारी में भी ट्रांसफॉर्म जल गया था। जिसके बाद से ग्राम कुम्हारी में विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो गयी थी। जिसे विभाग द्वारा लगातार दुरस्त करने का काम किया जा रहा है। 14 जुलाई को इसी मेंटेनेंस कार्य के चलते ग्राम कुम्हारी में ट्रांसफॉर्म लगाया जा रहा था। जैसे ही ग्रामीणों को जानकारी लगी की विभाग द्वारा महज 200 केव्ही का ट्रांसफॉर्म ना लगाते हुए सिर्फ 100 केव्ही का ही ट्रांसफॉर्म लगाया जा रहा है तो ग्रामीणों ने इसका विरोध कर दिया और ट्रांसफॉर्म बदलकर लगाये जाने की मांग की जाने लगी और अचानक बालाघाट नैनपुर मार्ग को बंद कर दिया गया । सड़कों पर टायर जलाते हुए चक्का जाम कर दिया ।जिसके बाद संबंधित विभाग के अधिकारी और बालाघाट तहसीलदार मौके पर पहुंचे। यहाँ ग्रामीणों को इसकी समझाइश दी गई । ग्रामीणों की मांग थी कि विभाग उनके गांव में 200 केव्ही का ही ट्रांसफॉर्म लगाए और यहां संबंधित विभाग के बड़े अधिकारी आकर उन्हें इसका आश्वासन दे । कुछ देर से चल रहे जाम के कारण यातायात भी बाधित हो गया था । जिसके बाद कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत द्वारा शक्ति से यहां पर लगे हुए चक्काजाम को हटाया गया । कुछ ग्रामीणों को पुलिस वाहन में बिठाकर कोतवाली थाने भी लाया गया। इसके बाद ग्रामीणों का आक्रोश और अधिक बढ़ गया । ग्रामीण पुलिस विभाग के खिलाफ ही लामबंद हो गए और सभी यहां पर पुनः प्रदर्शन करने लगे। ग्रामीणों का कहना था कि वह शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे किंतु पुलिस द्वारा शक्ति दिखाते हुए जो कुछ ग्रामीणों को यहां से थाने ले जाया गया है वह गलत है । ऐसा नहीं होना था । अंत में तहसीलदार और अन्य विभाग की अधिकारियों की समझाइश के बाद यहां मामला शांत हुआ। हमने इस विषय को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारी से दूरभाष पर संपर्क करने की कोशिश की तो उनका नंबर बंद आया

शांतिपूर्वक विरोध किया जा रहा था - मसराम डहारे

ग्रामीण मसराम डहारे बताते हैं कि उनके ग्राम में बीते दिनों से विद्युत समस्या बनी हुई है । इसी समस्या को लेकर उन्होंने इसके पहले संबंधित विभाग को ज्ञापन और आवेदन भी दिया हुआ था । विभाग उनकी समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा था । आज विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा ग्राम में 200 केव्ही के ट्रांसफॉर्म के स्थान पर 100 केव्ही का ही ट्रांसफॉर्म लगाया जा रहा था। जिससे क्षेत्र में विद्युत समस्या पुनः उत्पन्न होती। इसी बात का उनके द्वारा शांतिपूर्वक विरोध किया जा रहा था। कोतवाली पुलिस द्वारा उन्हें जबरदस्ती बलपूर्वक हटाया गया और उनके कुछ साथियों को थाने ले जाया गया है । इस कार्रवाई का वह विरोध करते हैं । कोतवाली थाना प्रभारी द्वारा इस प्रकार की कार्रवाई करने को लेकर वह कोतवाली थाना प्रभारी को कोतवाली से हटाने की मांग कर रहे हैं।

थाना प्रभारी हटाने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

देर शाम कुम्हारी के कुछ ग्रामीणों द्वारा कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत द्वारा बलपूर्वक हटाए गए चक्का जाम के खिलाफ ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया । पुलिस अधीक्षक के गेट पर कोतवाली थाना प्रभारी को हटाने के खिलाफ नारेबाजी की और कोतवाली थाना प्रभारी को हटाए जाने की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन भी सौंपा।

प्रदर्शनकारियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी - विजय राजपूत

चक्का जाम के मामले में पुलिस द्वारा थाने लाये गये प्रदर्शनकारियों पर भी पुलिस कार्रवाई कर रही है। इस पूरे विषय को लेकर कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत द्वारा बताया गया कि अनावश्यक रूप से मार्ग को जाम कर आम जनों को परेशान करने के विषय में प्रदर्शनकारियों को इस प्रकार से नहीं छोड़ा जाएगा। उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी वीडियो फुटेज के आधार पर भी प्रदर्शनकारियों की पुलिस पहचान करेगी ।

5वें दिन भी जारी रहा महाबोधी महाविहार मुक्ति आंदोलन

बालाघाट विधायक और भीम आर्मी ने दिया धरने को समर्थन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर में 10 जुलाई से शुरू महाबोधी महाविहार मुक्ति आंदोलन पांचवे दिन भी जारी रहा जहा सोमवार को चारों तरफ से बौद्ध समाज के सैकड़ो लोगो ने आंदोलन को समर्थन देकर बढ़चढकर भाग लिया। जहां बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे भी इस अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन और भूख हड़ताल को अपना समर्थन देने धरना स्थल पर पहुंची, तो वही भीम आर्मी एकता मिशन द्वारा भी धरना प्रदर्शन और भूख हड़ताल को अपना समर्थन दिया गया। जिसमें उन्होंने महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति की मांगों को जायज ठहराते हुए उन्हें समर्थन दिए जाने की बात कही। तो वहीं उन्होंने इस आंदोलन में हर संभव मदद किए जाने का भी भरोसा दिलाया है।

कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे पहुंची धरना स्थल, दिया समर्थन

बिहार के बोधगया स्थित महाबोधि महाविहार का प्रबंधन गैर बौध्दों से वापस लेकर सामाजिक बन्धुओ को दिए जाने की मांग को लेकर शुरू इस अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन और भूखहड़ताल के 5वे दिन बालाघाट विधायक श्रीमति अनुभा मुंजारे धरना स्थल पर पहुची,जहा उन्होंने धरने एवं भूख हड़ताल पर बैठे भदन्त धम्म शिखर एवं सामाजिक बौद्ध उपासक उपसिकाओ से मुलाकात की। साथ ही इस आंदोलन का समर्थन कर बौद्ध अनुयायियों की मांग को जायज बताते हुए कहाँ की बिहार सरकार एंव केंद्र सरकार को बीटी एक्ट 1949 को समाप्त कर बोधगया स्तिथ महाविहार बौध्दों को सौप देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जब तक सरकार हमारी मांगो को पूरा नहीं करती है, तब तक यह धरना और भूख हड़ताल निरंतर जारी रहेगी।

जब तक मांग पूरी नही होंगी चलता रहेगा आंदोलन- रितेश

वही भीम आर्मी ने भी बालाघाट मे चल रहे शांति धरना प्रदर्शन और भूख हड़ताल को समर्थन दिया है। भीम आर्मी बालाघाट जिला के समस्त कार्यकर्ताओं ने आंदोलन को समर्थन देते हुए इस आंदोलन में कांधा से कांधा मिलाकर चलने की बात कही भीम आर्मी जिलाध्यक्ष रितेश बोरकर ने अपने जोशीले वक्तव्य से संबोधित करते हुए कहा हमारी मांग है बीटी एक्ट 1949 रद्द हो और महाबोधि महाविहार गैर बौद्धों से मुक्त होना चाहिए । अन्यथा यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक बिहार सरकार बीटी एक्ट 1949 खत्म नहीं कर देती और महाबोधी महाविहार प्रबंधन बौद्धों को सौंप नहीं देती। बिहार के बोधगया महाबोधी महाविहार से बीटी 1949 एक्ट निरस्त कराने और महाबोधी महाविहार को मुक्त करने के लिए देश के अलग अलग राज्यों में आंदोलन चल रहे है।बालाघाट जिले में महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति के नेतृत्व और मार्गदर्शन में यह शांति धरना एवं भूख हड़ताल निरंतर जारी रहेगी।

सांप के काटने से एक व्यक्ति की मौत

गांव के वैध से जड़ी-बूटी से करवाये इलाज

8 घन्टे बाद बैहर अस्पताल में भर्ती इस व्यक्ति ने तोड़ा दम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मानिकपुर में इसी ग्राम के व्यक्ति पहाड़सिह पिता रातुसिह धुर्वे 45 वर्ष की जहरीले सांप के काटने से मौत हो गई। 12 जुलाई की रात11:30 बजे इस व्यक्ति को सांप ने उस समय काटा जब यह व्यक्ति अपने घर में नीचे सोया हुआ था। किंतु गांव के वैध से जड़ी बूटी से कराए गए इलाज के 8 घन्टे बाद इस व्यक्ति को बैहर अस्पताल लाकर भर्ती किया गया। जहा सांप का जहर अधिक फैलने जाने के कारण इस व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। बैहर पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पहाड़सिहधुर्वे अपनी पत्नी अंजू उर्फ सुकवारो बाई धुर्वे के साथ खेती किसानी करता था। 12 जुलाई की रात पहाड़सिंह धुर्वे ने पत्नी अंजू उर्फ सुकवारो बाई के साथ खाना खाने के बाद अपने घर में नीचे जमीन में सो गए थे। रात 11:30 बजे करीब पहाड़ सिंह ने अपनी पत्नी को आवाज देकर जगाया और बोला कि मेरे बाएं हाथ के बाह में सांप ने काट दिया है ।तब अंजू उर्फ सुकवारो बाई उठी और देखी पहाड़ सिंह के बाएं हाथ की बाह में सांप ने काट दिया था। और खून निकल रहा था। इसके बाद सुकवारो बाई ने पड़ोस की बुआ चेनवंती, सुखीराम तथा काका रमेश को बुलाई। कमरे में लाइट जल रही थी। सांप पहाड़सिंह को काटने के बाद दरवाजा से बाड़ी तरह भाग गया था। पहाड़ सिंह का इलाज रात्रि में गांव के वैध से जड़ी बूटी की दवा से कराया गया। 8 घन्टे बाद 13 जुलाई को सुबह 8:00 बजे करीब पहाड़ सिंह को बैहर अस्पताल इलाज करने के लिए लाए किंतु सांप का जहर अधिक फैल जाने की बजह से पहा ?सिंह की इलाज के दौरान सुबह 9:00 मृत्यु हो गई। जिसकी रिपोर्ट अंजू उर्फ सुकवारो बाई धुर्वे ने बैहर पुलिस थाना में की थी। बैहर पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर पहाड़ सिंह का शव बरामद किए और पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा ने 14 जुलाई को टीएल बैठक में विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, एसडीएम गोपाल सोनी, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर श्री एमआर धुर्वे एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सहकारी समिति में उर्वरक का पर्याप्त भंडार उपलब्ध

बैठक में सर्वप्रथम जिले में उर्वरक की उपलब्धता की समीक्षा की गई। इस दौरान उपसंचालक कृषि द्वारा बताया गया कि दो दिन पूर्व ही जिले में 1475 मीट्रिक टन डीएपी उर्वरक लेकर मालगाड़ी का एक रेक बालाघाट पहुंचा है और यह उर्वरक सहकारी समितियों में पहुंचा दिया गया है। अगले 4-5 दिनों में 1250 मीट्रिक टन उर्वरक का रेक लेकर एक मालगाड़ी बालाघाट पहुंचने वाली है। कृष्णा फर्टीलाईजर कम्पनी का 20:20:00:13 उर्वरक, ईफ्को कम्पनी का डीएपी एवं कृष्णा कम्पनी का सुपर फास्फेट उर्वरक लेकर मालगाड़ी के रेक शीघ्र बालाघाट पहुंचने वाले है। जिले की जिन समितियों में उर्वरक की कमी थी वहां पर उर्वरक पहुंचा दिया गया है। वर्तमान समय में जिले में समितियों के पास पर्याप्त मात्रा में उर्वरक पहुंच गया है और आवश्यकता के अनुसार उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

डबल लॉक केंद्रो में उर्वरक विक्रय के 02-02 काउंटर खोलने के निर्देश

कलेक्टर श्री मीणा ने उपसंचालक कृषि, जिला विपणन अधिकारी एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारी को निर्देशित किया कि सहकारी समितियों से किसानों को उर्वरक का शीघ्रता से वितरण किया जाए। जिले में कहीं से भी उर्वरक की कमी की शिकायत नही आना चाहिए। उन्होंने जिले के सभी डबल लॉक केंद्रो में प्राईवेट वेंडर को दो-दो काउंटर तत्काल खोलने के निर्देश दिए। जिससे किसान डबल लॉक केंद्रो के इन काउंटर से उर्वरक क्रय कर सकेंगे। कलेक्टर श्री मीणा ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र में सहकारी समितियों से उर्वरक वितरण पर कड़ी निगरानी रखे और इसकी सतत समीक्षा करें। किसानों को उर्वरक के लिए परेशान न होना पड़े और उन्हें सुगमता से आवश्यकता के अनुसार उर्वरक प्राप्त हो ऐसी व्यवस्था बनाए।

शालाओं में शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करें

बैठक में शिक्षा विभाग के कार्यो की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीणा ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया कि कक्षा पहली से लेकर कक्षा बारहवीं तक शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन शीघ्रता से पूर्ण करे। कोई भी बच्चा शाला में प्रवेश से वंचित नहीं रहना चाहिए। गत वर्ष की तुलना में कम पंजीयन पाए जाने पर कार्यवाही की चेतावनी दी गई। कलेक्टर श्री मीणा ने बैठक में निर्देशित किया कि स्थानांतरण के बाद जिन कर्मचारियों द्वारा नये स्थान पर अब तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया गया है उनके विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करे।

मकान क्षति एवं जनहानि के मामले में राहत के प्रकरण तत्परता से बनाए

कलेक्टर श्री मीणा ने जिले में पिछले दिनों हुई अतिवृष्टि के कारण मकान क्षति एवं जनहानि के मामलों में राहत राशि के प्रकरण शीघ्रता से तैयार कर प्रभावित लोगो को राहत राशि प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया कि अतिवर्षा के कारण जिन स्थानों पर फसलों की क्षति पहुंची है वहां के किसानों को बीज उपलब्ध कराया जाए। जिससे किसान फिर से फसल की बोनी कर सके। अति वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुए पुल पुलियों एवं सड़को की शीघ्र मरम्मत एवं सुधार करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान बताया गया कि अतिवर्षा से जिले में कुल 267 मकानों को आंशिक रूप से क्षति पहुंची है। इनमें से 117 मकानों के राहत राशि के प्रकरण तैयार कर लिये गए है और शेष के प्रकरण तैयार किये जा रहे है। सबसे ज्यादा मकान क्षति वारासिवनी क्षेत्र में हुई है।

सर्पदंश से बचाव एवं उपचार के लिए जनता को जागरूक करे

सर्पदंश से मृत्यु के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीणा ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र में सर्पदंश से बचाव एवं सांप के काटने पर त्वरित उपचार के लिए जनजागरूकता शिविरों का आयोजन करे। सर्पदंश से हुई मृत्यु के प्रकरण में इस बात की जांच करे कि कहीं पंडा-पुजारी या झाड़-फूंक के चक्कर में मरीज को अस्पताल पहुंचाने में विलम्ब तो नही किया गया है। सर्पदंश से मृत्यु के मामले में राहत राशि का प्रकरण तत्परता के साथ तैयार करने के निर्देश दिये गए। इसके साथ ही उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि सर्पदंश के उपचार के लिए एंटीस्नैक वेनम जिले के सभी उपस्वास्थ्य केंद्रो में भी उपलब्ध कराए। जिससे सांप के काटने पर मरीज को तत्काल पास के उपस्वास्थ्य केंद्र पर एंटीस्नैक वेनम लगाकर उपचार किया जा सके। इस दौरान बताया गया कि 01 अप्रैल 2025 से अब तक सर्पदंश से जिले में 10 लोगो की मृत्यु हुई है। सबसे अधिक बैहर एवं लालबर्रा क्षेत्र में 03-03 व्यक्तियों की सर्पदंश से मृत्यु हुई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि जबलपुर से 280 एंटीस्नैक वेनम के वायल प्राप्त किये गए है। इनमें से 30 वायल लांजी एवं 70 बिरसा में पहुंचाए गए है। अगले 02-03 दिनों में 500 वायल जिले को और प्राप्त हो जाएंगे।

पौधारोपण की जानकारी फोटो सहित अंकुर एप्प पर अपलोड करे

पौधारोपण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीणा ने निर्देशित किया कि जिन विभागों को पौधारोपण का लक्ष्य दिया गया है उसके अनुरूप पौधारोपण का कार्य करे और पौधारोपण के साथ ही उसके फोटो अंकुर एप्प पर अपलोड करे। पौधे लगाने के साथ ही उनकी सुरक्षा एवं गर्मियों के दिनों में पानी देने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए। इस दौरान सर्वशिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री बर्मन ने बताया कि कक्षा 01 से 08 तक के विद्यालयों में 25 हजार पौधे लगाये गए है। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में 21 हजार 172 पौधे लगाये जा चुके है और इनकी माई लाईफ एप्प पर जानकारी अपलोड कर दी गई है। स्कूलों में पौधारोपण के मामले में बालाघाट जिला सम्पूर्ण मप्र में बैतूल के बाद द्वितीय स्थान पर है। कलेक्टर श्री मीणा ने डीपीसी एवं डीईओ को निर्देशित किया कि शालाओं में लगाये गए पौधों की फोटो सहित अंकुर एप्प पर सात दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से एंट्री की जाए। इस दौरान वन, उद्यानिकी, खनिज, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन, महिला एवं बाल विकास, जिला उद्योग केंद्र एवं नगरीय निकायों को लक्ष्य के अनुसार पौधारोपण कर अंकुर एप्प पर फोटो अपलोड करने के निर्देश दिये गए।

वृंदावन ग्राम योजना के तहत शीघ्रता से गांव का चयन करे

कलेक्टर श्री मीणा ने उपसंचालक पशु चिकित्सा को निर्देशित किया कि वृंदावन ग्राम योजना के अंतर्गत प्रत्येक विकासखंड में एक-एक गांव का शीघ्रता से चयन करे। जिला आपूर्ति अधिकारी को राशन कॉर्ड वाले हितग्राहियों की ई-केवायसी एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं जनपद पंचायतो के सीईओ को समग्र ई-केवायसी का शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। सीएचएमओ को कटंगी, बिरसा एवं लालबर्रा में नवीन अस्पताल भवन के लिए शासन के निर्देशों के अनुरूप शीघ्रता से स्थल चयन करने के निर्देश दिये गए। सड़क निर्माण वाले विभागों को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित स्थलों को सुरक्षित बनाकर ब्लैक स्पॉट खत्म करने के निर्देश दिये गए। बैठक में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का संतुष्टि के साथ त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये गए।

बेचना है
पूर्णतः सुसज्जित दुकान
(कास्मेटिक्स गारमेंट्स ज्वेलरी)
का सामान फर्नीचर
सहित बेचना है
क्वीन्स फैशन
गौली मोहल्ला, बालाघाट
मो. 9926329401, 7746881529

आवश्यकता है
दुकान में कार्य करने
हेतु लड़कियों की
आवश्यकता है
पता-ललित इंटरप्राइजेस
आजाद चौक, बालाघाट
मो. 7987292226

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

कांग्रेसी विधायकों और किसानों ने किया कलेक्टर कार्यालय का घेराव

किसानों ने भारी बारिश में खराब हुई फसल का मुआवजा और पर्याप्त उर्वरक खाद दिए जाने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी क्षेत्र के किसानों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर वारासिवनी विधायक विक्की पटेल और क्षेत्री किसानों ने 14 जुलाई को कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। यहां किसानों द्वारा कलेक्टर कार्यालय के मुख्य गेट पर जमा होकर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नारेबाजी की, उसके बाद वारासिवनी क्षेत्र के किसानों सहित कांग्रेसी विधायकों द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन दिया और बताया कि बीते दिनों उनके क्षेत्र में भारी बारिश से कुछ तालाब टूट गए हैं, जिससे कई एकड़ किसानों की खेती बर्बाद हो गई है । इन दिनों सोसाइटी में किसानों को उर्वरक खाद नहीं मिल रहा है । जिस कारण से वह बहुत अधिक परेशान है उन्होंने बारिश में नष्ट हुई फसल के मुआवजा देने की भी मांग कलेक्टर से की है। कांग्रेसी विधायकों द्वारा भी उनकी मांग पूरी नहीं होने पर पुनः आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

आपको बता दे कि सबसे अधिक धान उत्पादित बालाघाट जिले में वर्तमान समय में खरीफ सीजन में धान की फसल के उत्पादन का कार्य किया जा रहा है, धान उत्पादन के लिए खेतों में धान की रोपाई लगाने का काम किया जा रहा है, लेकिन किसानों को धान की फसल को कीट-प्रकोप से बचाने और बेहतर उत्पादन के लिए मिलने वाली खाद का संकट गहराया हुआ है, और किसानों को खाद नहीं मिल रही है। कुछ दिन पहले हुई लगातार वर्षा से तालाब फूट जाने से किसानों को हुए नुकसान से चिंतित किसानों ने सोमवार को वारासिवनी विधायक विक्की विवेक पटेल के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया है। विधायक के नेतृत्व में किसानों के प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर कांग्रेस के परसवाड़ा विधायक, बालाघाट विधायक व अन्य कांग्रेसी भी मौके पर पहुंच गए और किसानों की न्यायोचित मांगों को लेकर किसानों का समर्थन किया हैं। जिसमें किसानों द्वारा बताया गया कि उनके क्षेत्र में आज उर्वरक खाद भी पर्याप्त नहीं दी जा रही है। जबकि पहले के समय में उन्हें धान उत्पादन के लिए पर्याप्त खाद दिया जाता था। आज उन्हें संबंधित विभाग द्वारा पर्याप्त खाद नहीं दिया जा रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि खेतों में उनकी फसल बर्बाद हुई है , उसका संबंधित विभाग के द्वारा अभी तक मूल्यांकन नहीं किया गया है। भारी बारिश के समाप्त होते ही उनके खेतों का सर्वे किया जाना था और भारी बारिश में बर्बाद हुई फसल का मुआवजा देना था। संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा ऐसा कुछ नहीं किया गया है। जिससे वह चाहते हैं कि उन्हें उनकी बर्बाद हुई फसल का पर्याप्त मुआवजा दिया जाए और साथ ही उनके क्षेत्र में पर्याप्त खाद सोसाइटी में उपलब्ध कराया जाए। इन्हीं सब समस्याओं को लेकर उन्होंने आज कलेक्टर कार्यालय का घेराव के साथ ज्ञापन दिया है।

सोसायटी में खाद नही मिल रहा हैं - संदीप राणा

वारासिवनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सांवगी के किसान संदीप राणा ने बताया कि धान का परहा लगाने के दौरान ही अच्छी फसल के उत्पादन के लिए खाद की आवश्यकता है, और जब सोसायटी में खाद लेने के लिए जा रहे है, तो दस बोरी खाद मांगने पर एक से दो बोरी खाद दी जा रही है, या फिर खाद नहीं है कि बात कहकर किसानों को वापस लोटाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि खाद की आवश्यकता परहा लगाने के दौरान ही होती है। दस से 15 दिन बाद यदि खाद मिल भी जाती है, तो किसानों के कोई काम नहीं आएगी और किसान को नुकसान उठाना पड़ जाएगा। जिसके चलते ही पूरे क्षेत्र के किसानों में रौष व्याप्त है और समय पर खाद दिलाने की मांग कर रहे हैं।

किसानों की धान की फसल बर्बाद हो गई हैं - बलिराम भगत

ग्राम पंचायत बकेरा के ग्रामीण बलिराम भगत ने बताया कि उनके गांव का 100 एकड़ में फैला तालाब अतिवर्षा के चलते फूट गया है जिससे न सिर्फ किसान बल्कि, मछुआरों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं कई स्थानों से सड़के भी जर्जर हो चुकी है। उन्होंने बताया कि तालाब के जीर्णोद्धार के लिए लगातार एरिकेशन विभाग को अवगत कराया गया लेकिन उनकी लापरवाहपूर्ण कार्यप्रणाली के चलते तालाब बह गया और पांच सौ एकड़ से भी अधिक क्षेत्र की किसानों की धान की फसल बर्बाद हो गइ। वहीं मछलियों के बह जाने से लाखों रुपये का नुकसान मछुआरो को उठाना पड़ा है। उन्होंने बताया कि सबसे अधिक चिंतनीय स्थिति ये है कि ग्राम उमड़वाड़ा व लालपुर के हाइस्कूल के बच्चे तालाब फूट जाने से स्कूल तक पहुंच नहीं पा रहे है जिससे उनकी पढ़ाई का नुकसान भी हो रहा हैं।

अब कांग्रेस सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी - विक्की पटेल

मुलभूत समस्याओं को लेकर किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान वारासिवनी विधायक विक्की पटेल ने बताया कि कलेक्टर मृणाल मीणा को किसानों की जायज समस्या से अवगत कराया है, और उन्होंने जल्द से जल्द समाधान कर किसानों को खाद उपलब्ध कराने और अन्य समस्याओं का निदान किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस हमेशा से ही किसानों के हित को लेकर लड़ाई लड़ती आ रही है और इस बार भी दो दिनों के अंदर किसानों की समस्या का समाधान नहीं किया जाता है, तो अब कांग्रेस सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

जिला सेन समाज के अध्यक्ष ने की कार्यकारिणी घोषित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला सेन समाज में नव-निर्वाचित जिला अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास एवं पूर्व जिलाध्यक्ष एम.एल, चावके की प्रमुख उपस्थिति में सेन समाज की जिला कार्यकारिणी का गठन व विस्तार किया गया। जिसमें जिला सेन समाज अध्यक्ष सत्यनारण श्रीवास, उपाध्यक्ष डॉ. डी.आर शिवनकर लालबर्रा, सुभाष मधुकर, आत्माराम चनने लांजी, बलदेव कड़वे कटंगी, शरद लांजेवार समनापुर, जिला महासचिव डा. पितांबर उरकुड़े, सचिव राजेंद्र श्रीवास, मनोज वाट, उत्तम कटरे बिरसा, संतोष श्रीवास लांजी, डॉ. आलोक सेन किरनापुर, जिला प्रवक्ता, राजन भारद्वाज, कोषाध्यक्ष भोजराज सेनभक्त को नियुक्त किया गया है। वहीं युवा संगठन जिलाध्यक्ष मनोज सेन पारधी, उपाध्यक्ष गीतेंद्र लांजेवार, प्रकाश फूलबांधे, सचिव राजेंद्र फूलबांधे, केश शिल्पी जिलाध्यक्ष भेजनलाल सराठे, उपाध्यक्ष रोशन सराठे, सचिव मोनू सेन, नगर अध्यक्ष डॉ. रवि श्रीवास, उपाध्यक्ष विजय सूर्यवंशी, मिथिलेश सराठे, सचिव शैलू सेन, आदर्श सेन, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष श्रीमति सविता मधुकर, उपाध्यक्ष श्रीमति शारदा फूलबांधे, महिला नगर अध्यक्ष श्रीमति डॉ. पुर्णिमा भारद्वाज, उपाध्यक्ष डॉ. रश्मि श्रीवास, हेमलता उरकुड़े, सुनीता पारधी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। नव-नियुक्त पदाधिकारियों को जिला सेन समाज के संरक्षक मंडल के डॉ. भुनेश भारद्वाज, अधिवक्ता बाबूलाल सराठे, अशोक वाट, श्रवण श्रीवास, रवि ठाकुर, एन.एल जुझार, यशवंतराव लक्षने, धनीराम उसराठे, ईश्वरी भारद्वाज, मंगलमूर्ति चौधरी, जगदीश भारद्वाज, एस.आर शेण्डे, कुलदीप श्रीवास, पीताम्बर चौधरी, डॉ. गौरीशंकर भारद्वाज, गणेश भारद्वाज सहित अन्य पदाधिकारियों ने बधाई देते हुये संगठन के मजबूती प्रदान कर सामाजिक हित में कार्य करने का अपेक्षा जताई है।

पहले सावन सोमवार को भक्तों से गुलजार हुआ बाबा भोलेनाथ का द्वार

शिवालयों में गूजां महादेव का जयकारा, भक्तो का लगा ताता, विशेष आराधना में जुटे श्रद्धालु, कावड़ यात्रा का दौर भी जारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भगवान शिव की आराधना का पावन महीना सावन में पहले सावन सोमवार पर नगर के तमाम शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर उनकी पूजा अर्चना की। सावन के पहले सोमवार पर सुबह 6 बजे से ही मंदिरों में भक्तों की अच्छी-खासी भीड़ दिखाई दी।जहा सुबह स्नान करने के बाद बड़ी तादात में लोग भगवान शिव की पूजा करने के लिए मंदिरों में पहुंचे।जिनके द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना की गई।वही श्रद्धालु भक्तो द्वारा शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, चंदन, अक्षत, शमीपत्र आदि अनेक शुभ वस्तुएं चढ़ाई गई।वही नगर के सभी शिवालयों में सुबह से लेकर देर शाम तक बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहे।

सुबह से लेकर देर शाम तक सुनाई दी हर-हर महादेव की गूंज

सावन महीने के पहले सोमवार को शहर के शिवालयों में श्रद्धालुओ की खासी भीड़ नजर आई। जहा सुबह से लेकर देर शाम तक हर-हर महादेव, जय ओम शिवकारा की गूंज सुनाई दी। अल सुबह से ही श्रद्धालुओं की मंदिरों में खासी भीड़ रही।वहीं शिव मंदिरों के साथ अन्य मंदिरों पर भी दिनभर भक्तों को तांता लगा रहा है। जहा भक्तो द्वारा शिवलिंगों का दूध, जल से अभिषेक किया गया। वही शिवलिंगों को पुष्प, बेल पत्र, आंक, धतूरे से सजाकर महाआरती की गई। इस दौरान मंदिरों में घंटी, घडियाल, शंख व झालर के बीच भोलेनाथ के उद्घोष से माहौल भक्तिमय बना रहा। भक्तिमय माहौल का यह नज़ारा नगर के शंकरघाट, बूढ़ी शिव मंदिर, भटेरा शिव मंदिर, बैहर चौकी समीप स्थित शिव मंदिर सहित अन्य शिव मंदिरों में देखा गया।जहा इन सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। जहा कई श्रद्धालु भक्तो द्वारा पंडितों की मौजूदगी में शिव महाभिषेक, महामृत्युंजय के जाप, और रुद्राभिषेक किया। वही पंडितों के द्वारा शिव महापुराण पाठ कराकर रात्रि को भगवान भोले की भक्ति में जगराता किया गया।

भक्ति भाव के साथ जारी कांवड़ यात्रा

सावन के महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करने का अलग ही महत्व है। जिसके चलते पूरे महीने शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ रहती है।खासकर सावन के पवित्र महीने में पड़ने वाले सोमवार और शिवरात्रि के मौके पर शिवालयों में खासी भीड़ उमड़ती है। शास्त्रों के अनुसार, इस माह, भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना करने से भगवान शिव प्रसन्न होते है।और भक्तो की मनमुराद पूरी करते है।शायद यही वजह है इस माह में कांवड़ियों द्वारा जलाशयों से पानी कावड़ में ले जाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विशेष प्रथाएं की जाती है।जिसका एक नजारा पहले सावन सोमवार को भी देखने को मिला। जहा बाबा भोलेनाथ के भक्त वैनगंगा नदी से जल लेकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते नजर आए तो कुछ भक्तो ने कावड़ धारण कर भोलेनाथ के दूर दराज मंदिरों के लिए कावड़ यात्रा शुरू की। जहां श्रद्धालु भक्त वैनगंगा या अन्य जलाशयों का पानी कावड़ में ले जाकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर अपनी मनोकामनाओ की पूर्ति में जुटे हुए है।

सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतजाम

सावन माह के पहले सोमवार होने और मंदिरों में सुबह से लेकर देर रात तक भीड़ होने के चलते, नगर के तमाम शिव मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले। जहां किसी भी अनहोनी को रोकने और भीड़ को नियंत्रण करने के लिए पुलिस व्यवस्था मुस्तैद नजर आई। जहां सभी मंदिरों में महिला और पुरुष पुलिसकर्मी श्रद्धालु भक्तों को सुरक्षा प्रदान करते नजर आए।जिसके चलते भारी भीड़ होने के बावजूद भी शांतिपूर्ण तरीके से श्रद्धालु भक्तों द्वारा विशेष पूजा अर्चना कर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए।

अस्मिता खेलो इंडिया वूमेंस लीग में बालाघाट की 7 महिला खिलाड़ियों ने जीते 12 मैडल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इंदौर में आयोजित की गई अस्मिता खेलो इंडिया वूमेनस लीग 2025- 26 में बालाघाट जिले के 07 खिलाडियों ने 12 मैडल हासिल किए हैं। बताया गया कि इंदौर के चमेली देवी ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में बालाघाट जिले के 7 महिला खिलाड़ियों ने कोच प्रवीण नन्हेंट के साथ भाग लिया। इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के लगभग 28 जिलों के 500 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया था। जिसमें बालाघाट जिले के 7 खिलाड़ियों ने 12 मैडल जीतकर बालाघाट जिले का नाम रोशन किया।यह सभी खिलाड़ी एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस एकेडमी के खिलाड़ी है। आयोजित इस प्रतियोगिता में बालाघाट जिले को मैडल दिलाने वाले खिलाड़ियों में खनक शर्मा ने 1 गोल्ड मेडल टेंडिग (फाइट)इवेंट में और 1 सिल्वर मेडल टुंगल इवेंट(आर्टिस्टिक)में , हासिल किया है तो वही तानी बत्रा ने 1 सिल्वर मेडल टेंडिग (फाइट) इवेंट में झटका है।इसके अलावा अनिका चौहान 1 ब्रॉन्ज मेडल टेंडिग (फाइट) इवेंट में, सलोनी पांचे 1 सिल्वर मेडल टुंगल (आर्टिस्टिक) इवेंट, 1 सिल्वर मेडल टेंडिग (फाइट) इवेंट में, छाया नरवास 1 सिल्वर मेडल रेगू इवेंट में 1 सिल्वर टेनडिंग (फाइट) इवेंट में,तो वही निधि नन्हेट ने 1 सिल्वर मेडल टेनडिंग (फाइट) इवेंट में 1 सिल्वर टूँगल इवेंट में ओर 1 सिल्वर मेडल रेगू इवेंट में, वही संगीता मराठा ने 1 सिल्वर मेडल रेगू इवेंट में जीता है ।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ी करेंगे प्रतिनिधित्व

कोच प्रवीण नन्हेंट जोकि राष्ट्रीय स्तर के रेफरी जज है। पेंचक सिलाट खेल के उन्होंने इस प्रतियोगिता में जज की भूमिका निभाई उन्हें खेलो इंडिया द्वारा मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कोच प्रवीण नन्हेट ने जानकारी देते हुए बताया यह खिलाड़ी आगामी अस्मिता खेलो इंडिया वूमेंस लीग की वेस्ट जोन प्रतियोगिता में भाग लेंगे उसमें चयनित होने के उपरांत राष्ट्रीय अस्मिता वूमेन लीग में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। पहली बार इतने बड़े मंच में बालाघाट के 7 महिला खिलाड़ियों ने 12 मेडल जीतकर बालाघाट जिले का नाम गौरवान्वित किया।

टीम के बालाघाट पहुचने पर किया गया भव्य स्वागत

उधर प्रतियोगिता उपरांत टीम दिनांक 14 जुलाई सोमवार की शाम बालाघाट पहुंची जिनका स्वागत करने के लिए बालाघाट पेंचक सिलाट एसोसिएशन और एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस अकैडमी की पूरी टीम ने बस स्टैंड पहुंचकर टीम का गर्म जोशी से स्वागत किया।इस दौरान कमलेश शर्मा पल्लवी शर्मा ,मेघा चौहान ,महेश चौहान, आशीष सोनकर, भावना सोनकर, सरूण सोनवाने, कार्तिक तीतरमारे,संगीता मेम, तरुण खारोल, मनीष , साहिल, अतीत ,सोनम त्रिपाठी, अमित सिंह, करण वर्मा, मानसी सोनी , शिवानी सोनी, सौरभ, पायल, अंजलि, उपस्थित थे।

जिला इंडियन कराटे संघ द्वारा प्रतिभागीयों को वितरित किए गए सर्टिफिकेट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । विगत दिवस बालाघाट मुख्यालय में आयोजित कराटे प्रतियोगिता एवं प्रदर्शन में सम्मिलित हुए प्रतिभागीयों को 13 जुलाई रविवार को शाम 5:00 बजे बूढी स्कूल बालाघाट में हानसी राजेंद्र सिंह तोमर द्वारा संचालित जिला इंडियन कराते संघ की बैठक एवं बच्चों का सर्टिफिकेट एवं बेल्ट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विशाल बिसेन डायरेक्टर रेड क्रॉस सोसाइटी बालाघाट, प्रमुख अतिथि सावन धुवारे समाजसेवी ,जिला इंडियन कराते के सचिव दिनेश कोरे कोषाध्यक्ष रूपेंद्र बनकर सहसचिव रूपल गौतम सदस्य मनीष पटले आशीष बाग ,लकी मरावी ,जयश्री सोनवाने ,लक्ष्मी नागोसे उपस्थित रहे जिला इंडियन कराते संघ के संरक्षक देवेंद्र सिंह चंदेल एवं अध्यक्ष तपेश असाटी सर एवं सभी पदाधिकारी ने इस कार्यक्रम की सराहना की और बच्चों को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

एक ही परिवार के दो पक्ष के बीच मारपीट

दोनों पक्ष के चार लोग हुए चोटिल, दोनों पक्ष के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जिले की बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम दरबारी टोला में एक ही परिवार के बीच हुई मारपीट में दोनों पक्ष के चार लोग घायल हो गए 12 एवं 13 जुलाई को यह वारदात घरेलू विवाद के चलते हुई। बिरसा पुलिस ने भूपेंद्र तुरकर 38 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर थामेश्वर तुरकर और उसके दो बेटे संजू तुरकर पंकज तुरकर और थामेश्वर तुरकर 42 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर भूपेंद्र तुरकर के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जान शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थामेश्वर तुरकर और भूपेंद्र तुरकर अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करते हैं। थामेश्वर तुरकर एच सी एल कंपनी मलाजखंड में काम करता है। जिसके परिवार में तीन बच्चे हैं। बताया गया कि भूपेंद्र तुरकर थामेश्वर तुरकर के चाचा का लड़का है और दोनों के परिवार के बीच जमीन जायदाद को लेकर विवाद चल रहा है और इस विवाद के चलते दोनों परिवार के बीच बोलचाल बंद है। 12 जुलाई की रात्रि 9:00 बजे भूपेंद्र तुरकर अपने घर से बाहर निकाल कर थामेश्वर तुरकर को अश्लील गालियां दे रहा था। जिसे थामेश्वर तुरकर के लड़के पंकज तुरकर ने गालियां देने से मना किया। तभी भूपेंद्र तुरकर ने पंकज को हाथबुक्के से पेट पीठ गाल में मारपीट किया और जमीन पर पटक दिया था। इस घटना के बाद रात्रि 10:00 बजे जब भूपेंद्र तुरकर खाना खाने के बाद घर के सामने बैठा था। तभी थामेश्वर तुरकर अपने दोनों लड़के संजू तुरकर और पंकज तुरकर के साथ भूपेंद्र तुरकर के घर के सामने आए और जमीन के हिस्सा बटवारा को लेकर के तीनों भूपेंद्र तुरकर को अश्लील गालियां देने लगे। भूपेंद्र तुरकर ने उन्हें गालियां देने से मना किया तो थानेश्वर तुरकर ने अपने दोनों लड़के संजू तुरकर और पंकज तुरकर के भूपेंद्र तुरकर को हाथ बुक्के और बांस की लकड़ी से मारपीट किए और दोबारा जमीन की बात करने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। इस घटना के बाद 13 जुलाई को सुबह 7:00 बजे जब थानेश्वर तुरकर अपने घर से एच सी एल कंपनी मलाजखंड में ड्यूटी करने जाने के लिए निकला था।जब वह भूपेंद्र तुरकर के घर के सामने पहुंचा तभी भूपेंद्र तुरकर ने थामेश्वर तुरकर को बोला की रात में तेरे लड़के ने लड़ाई झगड़ा और मारपीट किया है तो उनको समझाता क्यो नहीं । यह कह कर वह थामेश्वर तुरकर को गालियां देने लगा। थामेश्वर तुरकर ने उसे गाली देने से मना किया तो भूपेंद्र तुरकर ने ईंट उठाकर मारा ईंट तामेश्वर तुरकर के सिर में लगा। इस घटना को देख थानेश्वर तुरकर के लड़के ने संजू ने आकर बीच बचाव किया। तब भूपेंद्र तुरकर ने संजू को भी हाथबुक्के से मारपीट कर दिया और जान से मार डालने की धमकी दे दी। इस घटना की रिपोर्ट 13 जुलाई को दोनों पक्षों ने बिरसा थाना पहुंचकर की थी। दोनों पक्ष में हुई मारपीट में घायल भूपेंद्र तुरकर थानेश्वर तुरकर और उसके दोनों बेटे संजू तुरकर पंकज तुरकर का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया। बिरसा पुलिस ने थामेश्वर तुरकर 42 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर भूपेंद्र पिता तेजराम तुरकर 36 वर्ष के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किये। और भूपेंद्र तुरकर 38 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर थामेश्वर तुरकर पिता रामलाल तुरकर 42 वर्ष और उसके दोनों बेटे संजू तुरकर पंकज तुरकर के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

पानी के तेज बहाव में पुलिया के एक ओर की मिट्टी बह जाने से किसानों को खेतों तक पहुंचने में हो रही परेशानी

मरम्मत कार्य होने के बाद भी समस्या बनी हुई है, मुरूम डलवाने या फिर पक्का मरम्मत कार्य करवाने की किसानों ने की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम आमाटोला व कटंगटोला के बीच से नाला गुजरा है। वहीं इस नाले के समीप आमाटोला में स्टापडेम बना हुआ है जहां पुलिया का निर्माण पंचायत के द्वारा दो वर्ष पूर्व करवाया गया है एवं स्टापडेम पर पुलिया का निर्माण हो जाने से आने-जाने में किसानों को सुविधा होती है। लेकिन विगत दिवस क्षेत्र में हुई तेज बारिश के चलते कटंगटोला नाले में बाढ़ आ जाने के कारण नाला का पानी स्टापडेम तक पहुंच गया था और पानी के तेज बहाव के चलते पुलिया के एक ओर की मिट्टी सड़क की कटकर बह चुकी है। ऐसी स्थिति में किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने एवं ट्रैक्टर व अन्य कृषि उपकरण ले जाने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को लेकर किसानों ने पांढरवानी पंचायत के सरपंच को अवगत करवाये थे। जिसके बाद पांढरवानी सरपंच अनीस खान के द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के तहत जेसीबी मशीन से मरम्मत कार्य करवाया गया है। लेकिन उक्त स्थान पर दलदल बन जाने और बारिश होने के कारण किसानों को ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि उपकरण ले जाने सहित आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और ट्रैक्टर फस रहे है। ऐसी स्थिति में किसानों का कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहा है। जबकि वर्तमान समय में धान रोपाई का कार्य जारी है और स्टापडेम की दुसरे साईड में किसानों की सैकड़ों एक खेती स्थित है। किसानों ने शासन-प्रशासन से पुलिया के एक ओर मुरूम या फिर पक्का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है ताकि खेतों तक ट्रैक्टर व किसान आसानी से पहुंच सके। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले आमाटोला के स्टापडेम एवं कटंगटोला नाला तक किसानों की खेती है और खेतों तक पहुंचने के लिए कच्चा रास्ता बना हुआ है जिससे किसान अपने खेतों तक जाते है। वहीं जिस स्थान पर स्टापडेम बना हुआ था उसके ऊपर पुलिया नही होने से किसानों को पूर्व में आने-जाने में परेशानी होती थी। जिसको देखते हुए पंचायत के द्वारा दो वर्ष पूर्व स्टापडेम में पुलिया का निर्माण करवाया गया है। साथ ही पुलिया के दोनों साईड में आने-जाने का कच्चा मार्ग है। गत दिवस हुई तेज बारिश में कटंगटोला नाला में जल का स्तर बढ़ जाने के कारण पानी स्टापडेम तक पहुंच गया था और पानी के तेज बहाव के कारण पुलिया के समीप एक ओर से रोड़ की मिट्टी कटकर बह चुकी है। ऐसी स्थिति में किसानों को धान रोपाई कार्य के लिए ट्रैक्टर ले जाने एवं आने-जाने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिसके बाद पांढरवानी पंचायत के द्वारा जिस स्थान की मिट्टी कटकर बह चुकी थी उसका मरम्मत कार्य करवाया गया है। लेकिन बारिश होने व दलदल बन जाने के कारण उक्त स्थान पर ट्रैक्टर फस रहे है और कीचड़ बनी हुई है जिससे किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने में काफी परेशानियां हो रही है। किसानों ने शासन-प्रशासन से वर्तमान में मुरूम व गिट्टी की चुरी डलवाने एवं बरसात के बाद पक्का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों ने निजात मिल सके।

पानी के तेज बहाव में मिट्टी का हुआ है कटाव - रमेश

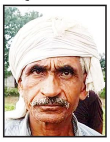

किसान रमेश हटवार ने बताया कि पांढरवानी पंचायत के द्वारा किसानों की सुविधा के लिए आमाटोला स्थित स्टापडेम में पुलिया का निर्माण करवाया गया है किन्तु गत दिवस हुई तेज बारिश से पुलिया के समीप से गुजरे नाले में बाढ़ आने से पानी के तेज बहाव के कारण पुलिया के एक ओर की मिट्टी कटकर बह चुकी है। जिसका मरम्मत कार्य पंचायत के द्वारा करवाया गया है, लेकिन मिट्टी होने के कारण नमी बनी हुई है ऐसी स्थिति में ट्रैक्टर व अन्य कृषि उपकरण लेने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री हटवार ने बताया कि वर्तमान में धान रोपाई का कार्य जारी है, ट्रैक्टर नही जाने के कारण कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है, प्रशासन से मांग है कि मुरूम व गिट्टी डलवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

कृषि उपकरण ले जाने में हो रही है परेशानी - पेंढारी

पेंढारीलाल देशमुख ने बताया कि पुलिया में छोटे मोगे लगे होने के कारण तेज बारिश होने पर पानी की निकासी नही हो पाती है जिसके कारण पुलिया के साइड की मिट्टी गत दिवस हुई तेज बारिश में कटकर बह चुकी है और उक्त स्थान पर दलदल बन गया है। साथ ही वर्तमान में पराह लगाने का कार्य जारी है, लेकिन पुलिया के दुसरे साइड में दलदल बन जाने के कारण ट्रैक्टर सहित अन्य उपकरण नही जा पा रहे है जिसे कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है। श्री देशमुख ने बताया कि पांढरवानी सरपंच महोदय के द्वारा जेसीबी मशीन से मरम्मत कार्य करवाया गया है, लेकिन मिट्टी गीली होने के कारण ट्रैक्टर फस रहे है और खेत जाने का एक मात्र मार्ग यही है जो करीब 1 किमी. लंबा है। साथ ही इस ओर 25 से 30 किसानों की खेती है जिन्हे काफी परेशानी हो रही है, हमारी मांग है कि जिस स्थान में दलदल बना हुआ है वह मुरूम डाली जाये एवं बारिश के बाद पक्का मरम्मत कार्य करवाये प्रशासन।

मरम्मत कार्य करवाया गया है - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि लालबर्रा क्षेत्र में गत दिवस तेज बारिश हुई थी, जिसके कारण नाले में अत्यधिक पानी आ जाने से आमाटोला स्टापडेम में बने पुलिया के आसपास की मिट्टी का कटाव हो गया था। जिससे किसानों को खेतों तक जाने में परेशानी हो रही थी। जिसकी जानकारी मिलने पर बारिश के चलते पंचायत के द्वारा मरम्मत कार्य करवा दिया गया है। श्री खान ने बताया कि बारिश हो रही है वैकल्पिक व्यवस्था के लिए कार्य करवा दिया गया है, बरसात के बाद पक्का मरम्मत कार्य करवा दिया जायेगा।

नेवरगांव वा. उमावि. में विधिक जागरूकता शिविर आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी के तत्वाधान में 15 जुलाई को प्रात: 9.30 बजे से विधिक जागरूकता शिविर एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय प्राचार्य श्रीमती उषा देशमुख ने बताया कि इस विधिक जागरूकता शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेड वारासिवनी श्रीमान देवांश यादव एवं अन्य न्यायाधीशगण उपस्थित होगें ,जिनके द्वारा छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकगणों को कानून एवं उनके अधिकारों की जानकारी दी जायेगी। इस अवसर पर छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं से समय पर स्कूल पहुंचने की अपील प्राचार्य श्रीमती उषा देशमुख ने की है।

शालाओं में पौधारोपण के मामले में बालाघाट जिला प्रदेश में द्वितीय स्थान पर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शालाओं में दर्ज छात्र छात्राओं के माध्यम से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधे लगाने के निर्देश दिये गए है। लगाए गए पौधो की सुरक्षा के साथ ही उसके फोटो माई लाईफ एप्प पर अपलोड करने के निर्देश दिये गए है। इस एप्प पर फोटो अपलोड करने के पश्चात विद्यालय के प्राचार्य द्वारा पौधे लगाने वाले छात्र छात्रा को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जा रहा है। शालाओं में पौधारोपण के मामले में बालाघाट जिला सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में बैतूल जिले के बाद द्वितीय स्थान पर है। कलेक्टर मृणाल मीणा के मार्गदर्शन में बालाघाट जिले में इस अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि विभाग के निर्देशों के अनुरूप जिले की शालाओं में छात्र छात्राओं की सहभागिता से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया जा रहा है। 14 जुलाई तक जिले की शालाओं में 21 हजार 172 पौधे लगाये जा चुके है और इसकी जानकारी माई लाईफ एप्प पर फोटो सहित अपलोड की जा रही है। इस एप्प पर दर्ज जानकारी के अनुसार सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में बालाघाट जिला शालाओं में पौधारोपण के मामले में द्वितीय स्थान पर है। जबकि बैतूल जिला प्रथम स्थान पर है।

विद्युत करेंट की चपेट में आने से 5 वर्षीय बच्चें की हुई मौत

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। अपने नाना-नान्ही के घर मम्मी-पापा के साथ आये 5 वर्षीय वरूण सेन्दरे की विद्युत करेंट की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। वहीं घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो चुका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जागपुर (बालाघाट) निवासी लकेश सेन्दरे 6 माह पूर्व खेती के काम से अपनी पत्नि, दो बेटे अरूण एवं वरूण के साथ अपने ससुराल मोहगांव बोरी राजेश सोनवाने के घर में रह रहे है और कृषि कार्य करते है। 14 जुलाई को लकेश सेन्दरे अपने परिवार के साथ खेत में काम करने चले गये थे एवं घर पर 10 वर्षीय अरूण सेन्दरे, 5 वर्षीय वरूण सेन्दरे और लकेश के साले के बच्चें घर पर ही थे और खेल रहे थे। इसी दौरान दोपहर में खेलते-खेलते वरूण ने टीव्ही के वायर को पकड़ लिया। जिसमें करेंट आने से वह बेसुध हो गया। जिसके बाद परिजनों को घटना की जानकारी दी गई और तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई और पुलिस अस्पताल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही करने के पश्चात पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि लकेश सेन्दरे का मूल निवास जागपुर (बालाघाट) का है जो 6 माह पूर्व अपनी पत्नि व बच्चों के साथ अपने ससुर राजेश सोनवाने मोहगांव (बोरी) आ गये है और ससुर के साथ मिलकर कृषि कार्य करते है। सोमवार को लकेश सुबह अपने परिवार के साथ खेत के काम पर चले गये थे। जिसके बाद दोपहर में उनके दोनों बेटे व अन्य बच्चें घर पर खेलते रहे होगें। तभी टीव्ही चालू के दौरान 5 वर्षीय वरूण सेन्दरे ने टीव्ही के वायर को पकड़ लिया होगा और उसमें करेंट आ जाने से उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। वहीं इस दौरान अन्य ब'चें भी टीव्ही के वायर को पकड़ लेते तो वे भी विद्युत करेंट की चपेट में आ सकते थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। चर्चा में मोहगांव बोरी सरपंच प्रतिनिधि अभिनव सिंहमारे ने बताया कि लकेश सेन्दरे अपनी पत्नि व बच्चों के साथ अपने ससुराल मोहगांव बोरी 6 माह पूर्व आ गये है और कृषि कार्य करते है। सोमवार को वरूण के माता-पिता कृषि कार्य के लिए खेत गये हुए थे एवं वरूण अपने बड़े भाई व मामा के बच्चों के साथ घर में खेल रहे थे। तभी दोपहर में विद्युत करेंट लगने से वह बेसुध हो गया था। जिसकी जानकारी जब परिजनों को लगी तो उसे लालबर्रा अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो चुका है, इस दु:खद घटना से ग्राम में शोक की लहर व्याप्त है।

8 दिनों से लापता व्यक्ति का शव पुलिस ने जंगल से किया बरामद

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा थानांतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. के ग्राम कटंगटोला निवासी 65 वर्षीय मंशाराम कंगाली गत 5 जुलाई से लापता था। जिसका शव पुलिस ने उसके खेत के पीछे स्थित जंगल क्षेत्र से फांसी पर लटकी हुई बरामद किया है। वहीं सोमवार को मृतक व्यक्ति का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कटंगटोला टेकाड़ी ला. निवासी 65 वर्षीय मंशाराम कंगाली अपने बड़े बेटे के साथ रहता था और कृषि कार्य में सहयोग करता था एवं मानसिक रूप से बीमार रहता था।। गत 5 जुलाई को मंशाराम सुबह उठकर खेत गया था जहां काम करने के बाद दोपहर में बिना बताये कही चले गया था और खेत में काम कर रहे उनके बेटे, बहु व अन्य सदस्यों को लगा कि वह घर चले गया होगा। जब परिवार के लोग शाम में खेत से घर पहुंचे तो मंशाराम दिखाई नही दिया। जिसकी आसपास व रिस्तेदारी में पतासाजी की गई परन्तु कही कुछ पता नही चला। जिसके बाद 7 जुलाई को परिजन लालबर्रा थाना पहुंचकर गुम सूचना की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। वहीं पुलिस ने भी गुम इंसान कायमी कर मंशाराम की पतासाजी में जुट गये थे लेकिन 12 जुलाई तक उसका कुछ पता नही चला। 13 जुलाई को दोपहर 2 बजे कटंगटोला (टेकाड़ी ला.) के चरागाह मवेशी चराने ग्राम से लगे जंगल की ओर गये थे। तभी उन्हे गंदी दुर्गंध आई तो वे समीप में जाकर देखे तो मंशाराम पेड़ में फांसी पर लटका हुआ दिखाई दिया। जिसकी सूचना उसके परिजनों व पुलिस को दी गई। वहीं पुलिस को 8 दिनों से लापता व्यक्ति का शव जंगल में फांसी पर लटकी हुई देखी जाने की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी के निर्देश पर पुलिसकर्मी घटना स्थल पहुंचे और ग्रामीणजनों की मदद से शव को नीचे उतारकर आवश्यक कार्यवाही कर लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर आये। लेकिन शाम हो जाने के कारण मृत व्यक्ति की लाश को शव विच्छेदन गृह में रख दिया गया एवं दुसरे दिन सोमवार को चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। बताया जा रहा है कटंगटोला टेकाड़ी ला. निवासी 65 वर्षीय मंशाराम कंगाली अपने बड़े बेटे रामसिंह के पास रहता था एवं मानसिक अस्वस्थ भी था। गत 5 जुलाई को मंशाराम सुबह उठकर खेत गया था जहां काम करने के बाद दोपहर में बिना बताये कही चले गया था। जिसकी पतासाजी भी की गई परन्तु कही कुछ पता नही चला। जिसके बाद रविवार को दोपहर में मंशाराम की लाश उसके खेत के पीछे स्थित जंगल के पेड़ पर लटकी हुई मिली है। जिससे ऐसा लग रहा है कि मानसिक तनाव में आकर उसने फांसी लगाई होगी जिससे उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। साथ ही जिस स्थिति में शव बरामद हुई है जिससे लग रहा है कि लापता होने के बाद ही उसने फांसी लगा ली होगी, शव से दुर्गंध आ रही थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक का बेटा रामसिंह कंगाली ने बताया कि 5 जुलाई को पिताजी बिना बताये कही चले गये थे जिनकी आसपास एवं रिस्तेदारी में पतासाजी किये परन्तु कही कुछ पता नही चला। जिसके बाद लालबर्रा थाने में गुमसुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। रविवार को दोपहर में जंगल की ओर मवेशी चराने गये कुछ लोगों को दुर्गंध आने पर वे लोग पास जाकर देखे तो मेरे पिताजी पेड़ पर फांसी पर लटके हुए दिखाई दिये। जिसकी जानकारी हमें दी गई, साथ ही वे मानसिक रूप से बीमार थे जिसके चलते यह कदम उठाये होगें, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामले की जांच की जा रही है - सुनिल

दूरभाष पर चर्चा में थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी ने बताया कि कटंगटोला (टेकाड़ी ला.) निवासी मंशाराम गत 5 जुलाई से लापता था एवं थाने में गुम रिपोर्ट भी दर्ज करवाई गई थी। रविवार को दोपहर में सूचना मिली थी कि कटंगटोला के जंगल क्षेत्र में पेड़ में फांसी पर लटका हुआ मंशाराम दिखाई दिया है। जिसके बाद घटना स्थल पहुंचकर देखा गया तो उसकी पहचान मंशाराम के नाम से हुई जिसकी मौत हो चुकी थी। शव को नीचे उतारकर आवश्यक कार्यवाही कर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए शव सौंप दिया गया है। श्री चतुर्वेदी ने बताया कि परिजनों के बताये अनुसार मृत व्यक्ति का मानसिक संतुलन ठीक नही था और उसने स्वयं के गमछे से फांसी लगाया है एवं प्रथम दृष्टया फांसी लगाने से मौत होना पाया गया है, मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

11 केव्ही विद्युत लाइन के संपर्क में आने से संजय मात्रे की मौत

मोबाइल पर बात करने के दौरान तरंगों से मौत होने की जताई जा रही संभावना

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत गर्रा के वार्ड नंबर ८ निवासी संजय मात्रे की १४ जुलाई की दोपहर करीब ३ बजे ११केव्ही विद्युत लाइन के संपर्क में आने से दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना की जानकारी लगते ही पूरे ग्राम में सनसनी फैल गई वहीं लोगों की भीड़ लगने लगी। जहां तत्काल पुलिस विभाग के द्वारा पहुंचकर शव बरामद कर मौका निरीक्षण किया गया। वहीं घटना की जानकारी लेकर शव को सुरक्षित अस्पताल के फ्रीजर में रखवा दिया गया है जिसका पोस्टमार्टम आज किया जाएगा।

राजमिस्त्री का काम करता था संजय मात्रे जिसे वह देखने गया था

ग्राम पंचायत गर्रा के वार्ड नंबर ८ निवासी संजय पिता स्व. सुखचंद मात्रे अपने बड़े भाई और माता के साथ निवास करते हैं। जिनके द्वारा ग्राम सहित क्षेत्र में राजमिस्त्री का कार्य कर अपना रोजगार प्राप्त किया जाता है। ऐसे ही ग्राम के संतोष बिसेन के द्वारा संजय मात्रे को घर में राजमिस्त्री कार्य करने के लिए लगाया गया था। जहां पर संजय मात्रे के द्वारा अपने साथियों के साथ लगातार कार्य किया गया जहां पर १३ जुलाई को कार्य पूर्ण हो गया था। १४ जुलाई को संजय पिता सुखचंद मात्रे के द्वारा कार्य की सफाई देखने के लिए एवं किस प्रकार से पूरा कार्य हुआ है उसका निरीक्षण करने के लिए दोपहर में संतोष बिसेन के घर आए हुए थे। जहां वह फोन पर चर्चा करते हुए सीढी से ऊपर चढ़ा जहां संतोष बिसेन के घर के ऊपर से ११ केव्ही की विद्युत लाइन गई हुई थी। इसी दौरान मोबाइल पर बात करते हुए संजय को विद्युत करेंट लग गया जिससे उसकी मौत हो

गई। यह घटना आस पड़ोस के लोगों के द्वारा दूर से देखी गई जिस पर वह दौड़कर आए तो देखा कि संतोष बिसेन की छत पर संजय मात्रे बेसुध पड़ा हुआ है। जिसकी सूचना ग्रामीणों के द्वारा पुलिस को दी गई मौके पर पुलिस के द्वारा पहुंचकर उसे ग्रामीणों के साथ तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपायली में लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया वहीं पुलिस के द्वारा घटना की आवश्यक जानकारी लेकर मामले में मर्ग कायम कर शव को सुरक्षित फ्रीजर में रामपायली के अस्पताल में रखवा दिया गया है जिसका पोस्टमार्टम १५ जुलाई की सुबह किया जाएगा। इस घटना में संजय की मौत का कारण अज्ञात है परंतु मोबाइल की तरंगों से विद्युत करेंट का संपर्क होने के कारण संजय मात्रे की मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। क्योंकि युवक के मोबाइल पकड़ने वाले हाथ में विद्युत करेंट का घाव है किंतु मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि संजय पिता स्वर्गीय सुकचंद मात्रे उम्र २३ वर्ष वार्ड नंबर ८ गर्रा निवासी की संतोष बिसेन की छत पर से गुजरने वाली विद्युत लाइन की चपेट में आने से मौत हुई है। युवक छत पर खड़ा होकर बात कर रहा था तभी वह करेंट की चपेट में आ गया मोबाइल की तरंगों से करेंट लगा प्रतीत हो रहा है। परंतु स्पष्ट कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही पता चलेगा मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

राजकुमार झरिया
उपनिरीक्षक रामपायली

सोसायटी शिव मंदिर में सुंदरकांड पाठ सम्पन्न

२२ जूलाई को श्रीराम लिला का होगा समापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर ३ स्थित सोसायटी शिव मंदिर में श्रावण मास के पावन अवसर पर १४ जुलाई को संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम सुबह भगवान

शिव की पूजा अर्चना एवं अभिषेक किया गया तत्पश्चात आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। इसके बाद संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया जिसमें भजन ग्रुप के द्वारा शानदार संगीतमय भजनों की प्रस्तुति दी गई वही संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भी वाचन किया गया। इस दौरान बाबा श्याम ,भगवान शिव ,भगवान हनुमान ,भगवान राम के भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी जाती रही। जहां उपस्थित भक्त जनों के द्वारा संगीतमय कार्यक्रम का जमकर आनंद लिया गया वहीं मनमोहन भजनों पर नृत्य भी किया जाता रहा। समिति सदस्यों ने बताया कि समिति शिव मंदिर में लगातार धार्मिक अनुष्ठान आयोजन किये जाते हैं। श्रावण मास का प्रारंभ हो चुका है यह एक लंबा धार्मिक महीना है जिसमें भगवान की आराधना की जाती है हमारे द्वारा भी प्रतिवर्ष विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। ऐसे में इस वर्ष भी प्रतिवर्ष की तरह प्रथम श्रावण सोमवार के अवसर पर अभिषेक पूजा अर्चना किया गया है वही संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया गया। इस प्रकार के आयोजन करने का उद्देश्य लोगों को धर्म से जोड़ना है गलत रास्ते पर भटक रहे लोगों को सही रास्ता दिखाकर मुख्य धारा से जोड़ना है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी श्रद्धालु भक्तजन एवं समिति पदाधिकारी सदस्य मौजूद रहे।

खैरलांजी में कांग्रेस पार्टी की बैठक सम्पन्न

क्षेत्र की समस्याओं को लेकर १८ जूलाई को होगा धरना आंदोलन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी के डॉक्टर भीमराव आंबेडकर चौक के समीप स्थित कार्यालय में १४ जुलाई को कांग्रेसियों की बैठक सम्पन्न हुई। यह बैठक वरिष्ठ कांग्रेसियों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें क्षेत्र की समस्या को लेकर विचार विमर्श किया गया। जिसमें अस्पताल, जनपद पंचायत ,तहसील कार्यालय ,महिला बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागों में अधिकारी कर्मचारी की लेट लतिफ ी गैर मौजूदगी एवं विद्युत विभाग की लगातार विद्युत कटौती किसानों के सामने खाद और पानी की समस्या को लेकर चर्चा की गई। वहीं उक्त समस्याओं के निदान के लिए शुक्रवार को कांग्रेस के बैनर तले धरना आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ,पूर्व जनपद अध्यक्ष फेकनलाल डोहरे ,जनपद उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद लिल्हारे ,भारत शिवहरे ,सुभाष क्षीरसागर ,सहसराम बहेटवार ,अशोक लिल्हारे ,देवराज भोयर ,चैनलाल लिल्हारे, ईश्वरी दयाल रामटेके सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

शासन प्रशासन की घोर लापरवाही से आम जनता परेशान है-दुर्गाप्रसाद लिल्हारे

दुर्गाप्रसाद लिल्हारे ने बताया कि क्षेत्र में किसानों के सामने बिजली आपूर्ति और खाद की कमी प्रमुख समस्या है। तहसील

कार्यालय में अनेकों प्रकरण लंबित है जिससे लोग केवल परेशान हो रहे हैं। इसमें शासन प्रशासन की घोर लापरवाही है और स्थानीय नेताओं को जो क्षेत्र के प्रति जिम्मेदारी होनी चाहिए उसमें घोर लापरवाही चली आ रही है। जिससे आम इंसान के हको का हनन हो रहा है छोटी.छोटी बातों के लिए लोग परेशान हैं । हमारे द्वारा मजदूर किसान के हक की लड़ाई लड़ने आगामी समय १८ जूलाई को धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। यदि फि र भी निराकरण नहीं हुआ तो आगे और उग्र आंदोलन होगा। तहसील में कई प्रकरणों का आदेश होने के बाद निराकरण केवल रिश्वत के लिए रोक कर रखा जाता है जिसकी जांच करवायी जायेगी।

क्षेत्र में आम जनता की कोई सुनने वाला नहीं है-फेकनलाल डोहरे

फेकनलाल डोहरे ने बताया कि क्षेत्र में हम जब भ्रमण करते हैं तो हमारे कार्यकर्ता कृषक मजदूर हर किसी की समस्या देखने को मिलती है। अधिकारी उन पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है ऐसे में प्रशासन को जागृत करने के लिए हमारे द्वारा यह बैठक आयोजित कर आंदोलन की राह चुनी गई है। अभी एक प्रकरण में देखने में आया कि न्यायालय से निर्णय हुआ उसे न्याय दिलाना प्रशासन का जिम्मा है परंतु उसे धरने पर बैठना पड़ा। यहां आम जनता की कोई सुनने वाला नहीं है सोसायटी में खाद नहीं है नहर में पानी नहीं है सबसे कम वर्षा खैरलांजी ,कटंगी में हुई है। २ जुलाई को जो नहर चालू होती थी आज १४ जुलाई को भी वह चालू नहीं है वहीं सिंचाई अमला गायब है।

खैरलांजी थाना प्रभारी फरियादी को डराता धमकाता हैं उनकी शिकायत नहीं लेता-रामकुमार नगपुरे

पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ने बताया कि क्षेत्र के किसान लगातार खाद के लिये भटक रहा है दर दर की ठोकरे खा रहा है परंतु उसकी कोई सुनने वाला नहीं है। खैरलांजी का थाना प्रभारी क्षेत्र से आने वाले फरियादी को डराता धमकाता है उनकी शिकायत नहीं लेता हैं कन्हड़गांव की एक महिला आई थी। बीते दिनों उन्हें हमने पुलिस अधीक्षक के पास भेजा। ऐसी कई परेशानी है राजस्व विभाग, अस्पताल सहित अन्य विभाग में समस्या बनी हुई है ध्यान कोई नहीं देता है। मुख्यालय में कोई नहीं रहता है ५० किलोमीटर का क्षेत्र है समय पर लोगों को सुविधा नहीं मिलती है।

पहले सावन सोमवार पर शिवालयों में उमड़े भक्त

भगवान शिव का किया दूध दही से अभिषेक

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। पवित्र माह सावन मास का पहला सावन सोमवार १४ जुलाई को नगर में स्थित शिवालयों में शिव भक्तों के द्वारा विशेष पूजन अर्चन कर मनाया गया। जिसमें सावन सोमवार के चलते नगर के शिवालयों में विशेष तैयारियां की गई। जहाँ पर बड़ी संख्या में हिंदू धर्माबलंबियों ने पहुँच कर पूजा अर्चना की गई। इस दौरान लोगों ने अपनी आस्था अनुसार जल, दूध ,दही या अन्य द्रव्य से भगवान शिव का स्नान कराकर बेल पत्ती शमी पत्र व अन्य वस्तुएं चढ़ाकर सुख शांति समृद्धि बनाए रखने की कामना की गई। विदित हो कि हिंदू धर्मावलंबियों के लिये सावन मास को पवित्र माह माना जाता है। इस मास में हिदू द्यर्माबलंबियों के द्वारा पूरे एक माह तक भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। वहीं कुछ लोगों के द्वारा पूरे माह तो कुछ लोगों के द्वारा सावन सोमवार को उपवास भी धारण किया जाता है। हिंदू द्यर्माबलंबियों में सावन मास प्रारंभ होते ही धार्मिक भावना चरम पर पहुँच जाता है। लोग अपने घर सहित मंदिरों में भगवान शिव की आराधना में पूरे माह भर तल्लीन रहते है। वहीं भगवान शिव की भक्ति के जरिये वे अपनी मनवांछित इच्छाओं की मनोकामना भी करते है। इस दौरान नगर सहित क्षेत्र के समस्त शिवालयों में सुबह से दोपहर तक बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ लगी रही। जिन्होंने कतार के रूप में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे कि वह भगवान शिव को जल अर्पित कर सके। जिसमें महिलाओं की बड़ी संख्या देखने मिली जिन्होंने नगर के जागेश्वर शिव मंदिर, श्री राम मंदिर, शिव मंदिर मंडी, शिव मंदिर हिमाचल नगर, पंचमुखी शिव मंदिर, चंदनेश्वर महादेव, पशुपतिनाथ शिव मंदिर वारा टोला सहित नगर और क्षेत्र के छोटे बड़े शिव मंदिरों में विधि विधान से पूजा अर्चना की गई।

रामदेव बाबा मंदिर में श्री श्रावण मास महोत्सव जारी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के लालबर्रा रोड़ स्थित भगवान विष्णु के अवतारी सिद्ध प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर में ११ जुलाई से श्रावण मास महोत्सव का प्रारंभ किया गया है। इस महोत्सव के तहत प्रतिदिन सामूहिक संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जा रहा है ,जिसमें शाम ७ से ९.३० बजे तक यह कार्यक्रम चल रहा है। इस दौरान संगीतमय सुंदरकांड पाठ के साथ संगीतमय विभिन्न मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी जा रही है। समिति सदस्यों ने बताया कि सिद्ध प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री श्रावण मास महोत्सव आयोजित किया गया है। जिसमें प्रतिदिन श्री सुंदरकांड सामूहिक संगीतमय पाठ किया जा रहा है। यह आयोजन ११ जुलाई से प्रारंभ किया गया है जिसका समापन ८ अगस्त को किया जाएगा। इस दौरान शाम ७ बजे से कार्यक्रम प्रारंभ हो रहा है भगवान विष्णु के अवतारी श्री रामदेव बाबा एवं पूज्य सद्गुरु हरिओम ब्रह्मचारी महाराज की कृपा से यह आयोजित किया जा रहा है। जिसमें यह १२ वां वर्ष है जहां प्रतिदान हनुमान महाराज की आराधना जारी है। इस अवसर पर मंदिर सदस्यों के द्वारा नगर सहित क्षेत्र के लोगों से अधिकाधिक संख्या में उक्त कार्यक्रम में भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की गई है।

लामता रोड का हाल बेहाल

गड्डो में तब्दील रोड, दुर्घटना को दे रही आमंत्रण

बैहर(पद्मेश न्यूज)। हाल ही में हो रही बारिश से यहां से गुजरने वाली में मेन रोड़ो का हाल बेहाल हो चुका है। रोड पर जगह-जगह गड्ढे पढ़ने से आवागवन में बस और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लामता रोड पर स्थित हर्रानाला पुलिया के दोनों तरफ छोटे बड़े दर्जनों गड्ढे पड़ने से इस महत्वपूर्ण व्यस्त मार्ग मैं चलना दूभर हो गया है। ज्ञात हो कि बैहर से लामता माला कान्हा जबलपुर की नियमित बसों का प्रतिदिन आना और जाना लगा रहता है। किंतु हर्रा नाला पुल के दोनों गड्डो में तब्दील सड़क में दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। इस व मार्ग से चलने वाले वाहन क्षतिग्रस्त होने के साथ ही यात्रियों का चोटिल होना आम बात से बन गई है। यहां काका जी बिल्डिंग दुकान के सामने की स्थिति भयावह है। यहां गड्डो में तब्दील सड़के दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रही है। सन 2014 में यहां पुराने पुल से सटकर नया ऊंचा पुल बनाया गया है। सड़के चौड़ी हुई है । 11 वर्ष बीत गए सड़क के दोनों छोर पर मिट्टी उखड़कर गुम हो गई है। दोनों तरफ कटाव बढ़ने के कारण राहगीरों और वाहनों की आवाजाही खतरनाक साबित हो रही है। 2 वर्ष पूर्व यहां पर एक यात्री बस पलटने से जनहानि भी हुई थी। बैहर में संबंधित विभाग की उच्च अधिकारी निवास करते हैं ।उनके रहते अभी तक पुलों के दोनों तरफ वह सड़क के बीच, सड़क के दोनों तरफ में सुधार कार्य नहीं किए गए। है। जनहित को देखते हुए यहां पर शिघ्र ही सुधार कार्य किए जाने की मांग है।

नि:शुल्क साइकल पाकर गदगद हुए छात्र

उकवा(पद्मेश न्यूज)। शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश सरकार द्वारा अभिनव पहल के तहत साइकिल वितरण की व्यवस्था बनाई गई है।इसमें ऐसे छात्र छात्राएं जिनके गांव में कोई मिडिल अथवा हाई स्कूल नहीं है,या जो भी छात्र दो किलोमीटर दूर से स्कूल आना जाना करते है,उनकी शिक्षा बिना किसी रुकावट के चलती रहे इस उद्देश्य से उन्हें मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रतिवर्ष सायकल प्रदान की जाती है,इस वर्ष भी मोहन यादव सरकार द्वारा राज्य के लगभग पंद्रह लाख बच्चों को स्कूल आने जाने हेतु साइकल प्रदान की जा रही है,इसी कड़ी में उकवा हायर सेकेंडरी स्कूल में भी बच्चों को नि:शुल्क साइकल का वितरण उकवा वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली नर्सवानी ,ग्राम सरपंच अनुसुइया क्षत्रिय,सामाजिक कार्यकर्ता एवं सर्वधर्म सेवा समिति उकवा के अध्यक जेम्स बारीक, पालक संघ सदस्य शिव कोहरे आदि की गरिमामई उपस्थिति में किया गया ।जहां इस वर्ष स्कूल के लगभग 70 बच्चों को नि:शुल्क साइकल का वितरण किया गया ,जिसे पा कर बच्चों के चेहरे खिल उठे, और सभी बच्चे अति हर्षित हुए,बताया गया कि इस स्कूल में बहुत दूर दूर के बच्चे शिक्षा अध्ययन करने आते है,जो अब आसानी से उकवा अपने स्कूल आ और जा सकेंगे,उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था प्राचार्य राजेंद्र भटेरे, उप प्राचार्य कपिल मेश्राम, वरिष्ठ शिक्षक डीएल ठाकरे, शारदा फूलबांधे, श्री वराडे सर, आदि का सराहनीय योगदान रहा।

अब वोटर बनने के लिए नागरिकता का शिगूफा!

अब तक भारत में पहचान और नागरिकता साबित करने के लिए आधार कार्ड और पैन कार्ड को सबसे जरूरी दस्तावेज़ माना जाता था। लेकिन हाल ही में सरकार की नई घोषणा ने लोगों को चौंका दिया है। अब आधार और पैन की जगह दो नए दस्तावेजों को नागरिकता प्रमाण के तौर पर मान्यता दी जा रही है। यह बदलाव खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है जो आधार या पैन कार्ड नही बनवा पाए है।इन दो दस्तावेजों में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में नाम व नागरिकता प्रमाणपत्र को अब पहचान और नागरिकता के पुख्ता सबूत के रूप में स्वीकार किया जाएगा, खासकर सरकारी योजनाओं, पासपोर्ट आवेदन, नौकरी या बैंक खाता खोलने जैसे मामलों में ये दस्तावेज काम आएंगे।यदि आपका नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में में नहीं है, तब आप नागरिकता प्रमाणपत्र के माध्यम से अपनी नागरिकता साबित कर सकते हैं। यह प्रमाणपत्र केंद्र सरकार या राज्य सरकार द्वारा जारी किया जाता है।नागरिकता प्रमाणपत्र लेने के लिए जरूरी दस्तावेज़ में जन्म प्रमाणपत्र या स्कूल का प्रमाणपत्र,साथ ही माता-पिता की नागरिकता से जुड़े दस्तावेज़,इसके लिए सन 1950 से पहले का कोई भी निवास प्रमाणपत्र जैसे जमीन का रिकॉर्ड, राशन कार्ड आदि जिसे शपथ पत्र व दो गवाहों द्वारा सिद्ध किया जा सकता है।दरअसल आधार कार्ड एक पहचान पत्र है, लेकिन यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है।वही पैन कार्ड मुख्यत: टैक्स से जुड़ा दस्तावेज़ है, जो नागरिकता को प्रमाणित नही करता।जिन लोगो का आधार कार्ड या पैन कार्ड में नाम, जन्मतिथि या पता गलत है या जो सन 1950 से पहले के प्रवासी हैं या जिनके पूर्वज दूसरे देश से आए थे।या जो शरणार्थी है या फिर सीमावर्ती क्षेत्रों में रहते हैं और जिनका राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में नाम नहीं है और अब तक कोई वैध नागरिकता प्रमाणपत्र जिन्होंने नही बनवाया। उन सभी को तुरंत संबंधित दस्तावेज़ इकट्ठा करके अपना नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में नाम जुड़वाना चाहिए या नागरिकता प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहिए। इसके लिए हर राज्य में नागरिकता प्रमाणपत्र केंद्र बनाए जा रहे हैं।एनआरसी अपडेट करने की प्रक्रिया फिर से शुरू की जा रही है,जिसके लिएडिजिटल पोर्टल तैयार किया गया है, जहां से फॉर्म भरे जा सकते हैं।स्थानीय निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि वे लोगों को उक्त दस्तावेज़ तैयार करने में मदद करें।सरकार ने अब तक भारत के प्रत्येक नागरिक को आधार कार्ड देने की मुहिम तो चलाई लेकिन नागरिकता प्रमाण पत्र के बारे में कभी नही सोचा गया। भले ही भाजपा ने सन 2014 के बाद अभी तक ज्यादातर चुनाव बिना किसी डर के जीते है लेकिन जब तीसरे आम चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 400 पार का नारा जनता ने नकार दिया तो भाजपा को सत्ता में बने रहने की फिक्र हुई और भाजपा सरकार के कहने पर पहली बार केंद्रीय चुनाव आयोग ने बिहार से मतदाताओं की नागरिकता जांचने की मुहिम शुरु की, जो अब सुप्रीम कोर्ट के सुनवाई दायरे में पहुंच गई है। यदि ये मुहिम भारत सरकार का गृह मंत्रालय उसी तर्ज पर चलाता जैसे कांग्रेस सरकार ने आधार पहचान पत्र के लिए देशव्यापी मुहिम चलाई थी,तब हम सब इसका समर्थन करते,लेकिन दुनिया के तमाम देशों में जन्मजात और अनुवांशिक नागरिकता प्रचलित है इसलिए सभी के पास अलग से कोई नागरिकता प्रमाण पत्र नही होता। नागरिकता प्रमाणपत्र उन्ही प्रदेशियों के लिए जारी किया जाता है जो इसके लिए बाकायदा आवेदन करते हैं। भारत में आमतौर से कोई भी शासकीय सुविधा या अधिकार पाने के लिए आयकर प्रमाण पत्र से ज्यादा महत्व आधार पहचान पत्र को दी जा रही है। ज्यादातर के पास वंशानुगत या जन्म आधारित नागरिकता है लेकिन इसका कोई प्रमाण पत्र भी किसी के पास नहीं है।

राजनीति में पढ़ाई का महत्व है

पढ़ाई किसी भी क्षेत्र में केवल शिक्षा ग्रहण नहीं करना है बल्कि हमें शिक्षक से गुणवान बनाता है जो जीवन में जरुरी है खासकर आज के तकनिकी युग में हालांकि चुनाव एक लोकतान्त्रिक प्रक्रिया है इसमें लागू नहीं होता है लेकिन यदि पढ़ा लिखा होगा तो भविष्य में उसे अवश्य ही काम आएगा मैं एक सेमिनार में मुख्य अथिति के रूप में 2016 में सिवनी गया जहाँ सभी डॉ थे और हमें उनके व्यवहार से ऐ सिखने को मिला पीच्डी आपके लिए काफी मायने रखती है हालांकि आर्ट और साइंस में करना उतना टफ नहीं है जितना इंजीनियरिंग में क्योंकि बीटेक ही एक टफ कोर्स है इंडिया में शिक्षा विदेशों से काफी बेहतर है जिसमें संस्कार को भी एक आदर्श के रूप में देखा जाता है यह हमें चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना में देखने को मिला जहाँ छात्र शिक्षक को पैर छूते नजर आए यही हमारी संस्कृति है जो बड़ो का सम्मान करना और सही व्यतव्य देना उचित होता है जहाँ तक राजनीती का सवाल है अब उसमें भी पढ़े लिखें लोग शामिल हो रहें है जो पूर्व में आईएएस रहें हैं जैसे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राजीव प्रताप रूढ़ी, केंद्रीय मंत्री डॉ जीतेन्द्र सिंह और राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी और शशि थरूर जैसे कई अनुभवी नेता हैं देश को चलाने के लिए मंत्रालय होता है और उसके लिए सरकार द्वारा चुनाव में जीते गए एमपी या राज्य सभा के सांसद होते हैं मंत्री पद भी उनकी योग्यता के अनुसार देने की कोशिश होती है जैसे स्वास्थ्य मंत्रालय में डॉ और न्याय मंत्रालय में एल एल बी होता है मंत्री के निचे 1या दो राज्य मंत्री होते हैं और उस मंत्रालय का सचिव जो आईएएस रैंक का या उस क्षेत्र से सम्बंधित उच्च संस्थान में निदेशक हो जैसे विज्ञान और प्रोधोगिकी मंत्रालय के सचिव प्रोफेसर अभय कराणदीकर जी है हैं जो आई आई टी, कानपुर के फॉर्मर डायरेक्टर थे इसी तरह अन्य विभाग में होता है उसे उस क्षेत्र की पूर्ण जानकारी होता है अत: वह विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व करता है अभी हाल ही में अमेरिका में यूक्रेन को हथियार के मदद में राष्ट्रपति ट्रम्प के आदेश के बाद भी रक्षा सचिव ने वहाँ से बापस मंगा लिया क्योंकि ऑडिट करना कारण बताया गया अत: सरकार सचिव के मामलों में दखल नहीं देती है क्योंकि वो कैबिनेट से चुने जाते है अत: यदि मंत्री पढ़ा लिखा होगा तो उस क्षेत्र का सही ज्ञान होगा और विदेश में किसी भी समझौता में बहुत सोच समझ कर जबाब देगा हाल ही में भारत में रक्षा के क्षेत्र में उप सेना प्रमुख राहुल आर. सिंह 4 जुलाई, 2025 को फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में साफ कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हम सिर्फ पाकिस्तान से नहीं बल्कि तीन फ्रंट पर लड़ाई कर रहें थे जिसमें पाकिस्तान के साथ तुर्की भी शामिल था इसमें सेना पर गर्व करना चाहिए कि सेना की ताकत और भविष्य में रक्षा कूटनीति की की नितांत आवश्यकता है और रूस से सम्बन्ध यदि ठीक नहीं है तो उसे सुधारने की जरुरत है इसलिए शायद सरकार ने शशि थरूर को रूस भेजा अमेरिका कभी मदद नहीं करेगा इसका पुराना इतिहास रहा है हालांकि इजराइल

ने मदद की है जैसे अन्य स्त्रोत से मालूम हुआ है अत: भारत ने इसलिए ईरान और इजराइल के युद्ध में दुरी बना लीं अब विदेश नीति को सुधार करने की जरुरत है क्योंकि हम अभी भी रक्षा के मामले में आत्मनिर्भर नहीं है ऐ तो पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी का 1998 में अमेरिका को ताक में रख कर परमाणु परीक्षण किया जिसका हवाला ट्रम्प ने दिया कि भारत में सीजफायर इसलिए कराया ताकि परमाणु युद्ध ना हो जाये और जब पता लगा की पाकिस्तान का परमाणु बम किसी और देश अमेरिका के नियंत्रण में है तो प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र के नाम पर पाकिस्तान को सीधा संदेश दिया कि परमाणु ब्लैक मेल नहीं चलेगी ऐसा भारत के इतिहास में पहली बार किसी प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र के नाम संदेश में दिया यदि हर किसी के कार्य के बारे में चर्चा करे इससे पहले अपने बारे में चर्चा से आज के हालत में पढ़ाई की कीमत को पहचाने आज तकनिकी युग है शुरू से हमलोगों का पेशा नौकरी करना नहीं रहा है लेकिन समय बदलते ही ऐ समझ गया आने वाला समय टेक्नोलॉजी का है इसलिए भाई को इंजीनियरिंग करने को प्रोत्साहित किया और इसप्रकार समाज में योग्यता के बल पर मान सम्मान मिला पहले हमारे बुजुर्ग लोग पूजा पाठ और लोगों की समस्या को हल करते थे कई अपने रिश्तेदार में समाधि भी लगाई है विंध्याचल से लेकर वृन्दावन में हमारे रिश्तेदार रहते हैं हमें रामायण की शिक्षा दादाजी से मिली और बाद में प्रभु राम के महत्व को जाना अत: नेगेटिव और पोजेटिव दोनों का होना जरुरी है पोजटिव पाना है तो नेगेटिविटी गतिविधियों को मन में आने ही ना दें अच्छा कर्म,मानवता ही पोजटिव का स्त्रोत है हमारे परिवार में आज भी लोग खुद पूजा पाठ करते हैं जो पोजटिव एनर्जी देती है अत: पढ़ना जरुरी है देश में पढ़े लिखें लोगों को ही वोट देना प्रदेश या देशहित में होता है क्योंकि इससे उसे अपने व्यवहार और समस्या को हल करने में सहूलियत होती है नीतीश कुमार जो वर्तमान में बिहार के सीएम हैं वो एन आईटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री किए है इसलिए बिहार का विकास हुआ और खुद प्रशांत किशोर जन सूराज पार्टी के नेता तेजस्वी यादव जो महागठबंधन के लिए बिहार में अगले चुनाव में अपने मुख्यमंत्री की दावेदारी कर रहें हैं 9वीं फेल है यह मंच पर बताने की जरुरत नहीं थी बिहार के लोग खुद जानते हैं क्योंकि जब जेडीयू और आरजेडी के गठबंधन से 2015 में सरकार बनी थी तब गली गली में लोग कह रहें थे कि तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री बनाया गया जो 9 वीं फेल हैं बिहार में कुछ भी छिपता नहीं है वहाँ शाम में लोग चाय पर निकलते हैं और यही सब चर्चा चलती है जब 2014 में एक चाय बेचने वाला जो एनडीए के हमेशा खिलाफ रहा तो मोदीजी के प्रधानमंत्री बनने पर बहुत खुश हुआ कि चाय बेचने वाला जब प्रधान मंत्री बन सकता है तो लोकतंत्र में कोई भी देश का सच्चा सेवक क्यों नहीं बन सकता लेकिन तेजस्वी यादव और राहुल गाँधी ने कभी भगवान श्री राम पर खुले दिल से उनके प्रशंसा के कोई भी बात नहीं कहा इसलिए ऐ सब बिहार चुनाव में कोई मायने नहीं रखती क्योंकि वहाँ की जनता को सब मालूम है.अत: बोलचाल और चुनाव में गमछा हिलाने से ही पता चल जाता है कि क्या है पढ़ाई से जो उस मंत्रालय के सचिव या आई पी एस ऑफिसर होते हैं उन्हें एक सम्मान मिलता है इसलिए इसे किसी मंच पर मुद्दा बनाना सही नहीं है इतने दिनों से नीतीश कुमार ने कभी उसकी योग्यता पर प्रश्न नहीं किया और काम करते चले गए लेकिन आज कल बिहार में कारोबारी की हत्या होना भी सही नहीं है प्रशासन को ध्यान देना चाहिए क्योंकि इससे सरकार को घेरने का विपक्ष को मौका मिलता है।

-संजय गोस्वामी

आइजोल को आजादी के 75 साल बाद ट्रेन की मिलेगी सौगात

रेलवे के इस नवनिर्मित नए रूट में मिजोरम के अन्दर बैराबी, कुर्तिकी, कावंपुई, मुलखांग और सायरांग जैसे स्टेशन शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट को 2008 में शुरू किया जाना था,लेकिन इसे असली रफ्तार स 2014 में केन्द्र में मोदी सरकार आने के बाद मिली थी। मोदीने प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गई थी। इसमें करीब 5,022 करोड़ रुपयों की लागत से बने इस परियोजना में चार प्रमुख रेलवें स्टेशन शामिल हैं तथा पुल नंबर 144,जो मूलखांग और सायरांग के बीच बना है। यानी दिल्ली के कुतुब मीनार से भी 42 मीटर ऊँचा है।

मिजोरम भारत के तीन ईसाई बहुल राज्यों में से एक है, जहाँ 87प्रतिशत से अधिक आबादी ईसाई,बौद्ध धर्म (8.51प्रति), हिंदू (2.75प्रति) व इस्लाम(1.35प्रति) भी मौजूद हैं। स्थानीय संस्कृति और खानपानयहाँ की मिजो संस्कृति को सरलता और प्रकृति के प्रति प्रेम की मिसाल माना जाता है। मिजोरम का मुख्य भोजन चावल मांस,मछली और सब्जियों के साथ खाया जाता है। यहाँ आप को जगह जगह बास के कोमल कोपल (स्पेदअंकुर), जंगली मशरूम और स्थानीय जड़ी-बूटियां यहां के व्यंजनों की खास पहचान है। यहाँ के निवासी की वेशभुषा,संस्कृति व उत्सव व जीवन शैली की विशेष पहचान है।

आजादी के 75 साल बाद ट्रेन की सौगात जल्दी ही मिलने जा रही है। बैराबी-सायरांग रेलवे प्रोजेक्ट अब पूरी तरह से तैयार है। रेलवे की 51. 38 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन के जरिए अब मिजोरम की राजधानी आइजोल को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ दिया गया है। रेलवे की यह बन कर तैयार है। वह सु:खद पल जल्द ही मिजोरम के लोगों को यह क्षण का बर्षो से इंतजार था। रेलवे अधिकारी के अनुसार,ट्रेनें इस ट्रैक पर 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी व रेलवे का नेटवर्क आने वाले वर्षो में इस नेटवर्क को म्यांमार बॉर्डर जो यहाँ से लगभग 232 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। फिलहाल इस परियोजना का सर्वक्षण कार्य चल रही है। रेलवे के इस नवनिर्मित नए रूट में मिजोरम के भीतर बैराबी, कुर्तिकी, कावंपुई, मुलखांग और सायरांग जैसे स्टेशन शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट को 2008 में शुरू किया जाना था, लेकिन इसे असली रफ्तार स 2014 में केन्द्र में मोदी सरकार आने के बाद मिली थी। मोदीने प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गई थी। इसमें करीब 5,022 करोड़ रुपयों की लागत से बने इस परियोजना में चार प्रमुख रेलवें स्टेशन शामिल हैं तथा पुल नंबर 144,जो मूलखांग और सायरांग के बीच बना है। यानी दिल्ली के कुतुब मीनार से भी 42 मीटर ऊँचा है। रेलवे के परियोजना के प्रमुख इंजीनियर विनोद कुमार के अनुसार, इस परियोजना में कुल 154 छोटे-बड़े पुल समेत 48 टनल का निर्माण ऐसी तकनीकों से डिजाइन किया गया है कि जिससे यह कम से कम 100 साल तक बिना किसी परेशानी और खराबी के चलाए जा सके। यह क्षेत्र अर्थक्वेक जोन 5 में आता है, मगर आई आई टी कानपुर और आई आई टी गुवाहाटी की मदद से इस रेल लाइन को तकनीकी रूप से बेहद मजबूत और टिकाऊ बनाया गया है। आपके मन में मिजोरम व आइजोल के बारे में जिज्ञासा होगी। मै स्पष्ट कर दूँ कि आइज़ोल की स्थापना सन 1890 में ब्रिटिश शासन के दौरान हुई थी। लुशाई पहाड़ियों में स्थानीय सरदारों को अंग्रेजों द्वारा पराजित करने के बाद, इसकी शुरुआत एक छोटी सैन्य चौकी के रूप में हुई थी तथा ईसाई मिशनरियों की स्थापना के साथ शाथ शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की शुरुआत हुई,कालान्तर इस शहर का विकास हुआ। सन 1960 के दशक में मिज़ो नेशनल फ्रंट के विद्रोह में भी इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्षों की अशांति के बाद,सन1986 के मिज़ोरम शांति समझौते के साथ यहाँ शांति स्थापित हुई। मिजोरम की भौगोलिक वसांस्कृतिक,साथ यह स्थान सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुरवोत्तर का यह प्रदेश बांग्लादेश और म्यांमार सेअर्न्तराष्ट्रीय सीमाएं से सटी हुई है,वही प्रदेश की सीमाएं असम,मणिपुर और त्रिपुरा से पुरबोत्तर राज्यों से लगती हैं। मिजोरम राज्य को पहले असम के लुशाई हिल्स के नाम से जाना जाता था। इसके बाद साल 1954 में यहां का नाम बदल कर मिजो हिल्स रख दिया गया जिसे सन1972 में यह एक केंद्र शासित राज्य घोषित किया गया है। अंत में 20 फरवरी 1987 को इसे भारत के पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया। मिजोरम भारत के तीन ईसाई बहुल राज्यों में से एक है, जहाँ 87त्न से अधिक आबादी ईसाई,बौद्ध धर्म (8.51त्न), हिंदू (2.75त्न) व इस्लाम(1.35त्न)भी मौजूद हैं। स्थानीय संस्कृति और खानपानयहाँ की मिजो संस्कृति को सरलता और प्रकृति के प्रति प्रेम की मिसाल माना जाता है। मिजोरम का मुख्य भोजन चावल मांस,मछली और सब्जियों के साथ खाया जाता है। यहाँ आप को जगह जगह बास के कोमल कोपल (स्पेदअंकुर),जंगली मशरूम और स्थानीय जड़ी-बूटियां यहां के व्यंजनों की खास पहचान है। यहाँ के निवासी की वेशभुषा,संस्कृति व उत्सव व जीवन शैली की विशेष पहचान है। यहाँ की प्राकृतिक फिजाओं में वायु प्रदुषण व ध्वनि प्रदुषण नगण्य है। यातायात व्यवस्था हार्न फ्री के शांत शहर के नाम से जाना जाता है। यहाँ की प्राकृतिक फिजाओं में वायु प्रदुषण व ध्वनि प्रदुषण नगण्य है। यातायात व्यवस्था हार्न फ्री के शांत शहर के नाम से जाना जाता है। भौगोलिक दृष्टि कोण से ऊंची व घुमादार पहाड़ियों की तलहटीयों पर बसी मिजोरम, समुद्री तल से लगभग 1,132 मीटर (3,715 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है,जिससे यहाँ सड़क मार्ग से सामान और लोगों की आवाजाही चुनौती पूर्ण रही है। ऐसे में भारतीय रेलवे के द्वारा रेलवे की यह परियोजना क्रान्तिकारी कदम है। वर्तमान में असम के बदरपुर से कथकल होते हुए भैरवी तक रेल का संचालन हो रहा है। मिजोरम में 51.38 किलोमीटर लंबा ट्रैक तैयार किया गया है,जो भैरवी,कुर्तिकी, मुलखांग और सायरांग स्टेशनों को जोड़ता है। जल्द ही इस मार्ग पर विस्टाडोम ट्रेनों का परिचालन भी शुरू होने वाला है,जिससे पर्यटकों को पहाड़ी दृश्यों का शानदारअनुभव मिलेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापार दोनों का विकास इस प्रस्तावित नए ट्रैक के जरिए न सिर्फ स्थानीय लोगों को सुविधाएं मिलेंगी,बल्कि सीमा व राष्ट्रीय सुरक्षा से सैन्य तैनाती,आपात कालीन सामग्री और निगरानी में भी तेजी लाई जा सकेगी।

पूर्वोत्तर भारत में रेलवे के बदलाव की बयार असली कहानी सिर्फ रेल की पटरियाँ व सुरंग,पुल ही नहीं कह रहे,बल्कि इसका असर काफी गहरा है। ये परियोजनाएं स्थानीय लोगों के जीवन शैली पर सीधा असर डाल रही हैं जो पहले खुद को उपेक्षित समझते थे। नया रेल नेटवर्क पूर्वोत्तर की जीवन रेखा बन गई है। जैसे-जैसे भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थ व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है,पूर्वोत्तर की भागीदारी भी बढ़ रही है और देश के विकास में अंहम भूमिका निभा रही है।

- विनोद कुमार सिंह

मन एकाग्रता से विवेक जागृत होता है,जिसमें निर्णायक क्षमता सर्वोत्तम होती है

वैश्विक स्तरपर दुनियां में हर देश ने तेजी से बढ़ती प्रौद्योगिकी,विकास से बढ़ते डिजिटाइजेशन ने शारीरिक श्रम को विशाल स्तरपर कम कर मानसिक श्रम को बढ़ा दिया है जिसमें अनेक प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक एप्स और वेबों को ईट का जवाब पत्थर से देने का काम कर दिया है जिसमें माननीय जीव का ध्यान भटक सा गया है और अपने ही उलझन में उलझते हुए गुम सा हो गया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि बढ़ते मानवीय विवादों व बढ़ाती अपनीं ख्वाहिशें,लग्जरी जिंदगी झूठी शान को दिखाने के चक्कर में बड़बोलापन शब्दों बयानों वाक्यों के गिरते स्तर तथा परिवार में बढ़ते विवादों की खाई को और चौड़ा करते जा रहे हैं, जहां अब समय आ गया है कि अब आदि-अनादि काल से हमारे बड़े बुजुर्गों के उपरोक्त हानियों में गुणकारी टॉनिक मौन एकाग्रता को अपनाएं जो हमारे जीवन की सफलता का सच्चा सूत्र है। चूंकि मन एकाग्रता से विवेक जागृत होता है,जिसमें निर्णायक क्षमता सर्वोत्तम होती है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, मन एकाग्रता से क्रोध का दामन, आत्मिक बल, निर्मल बुद्धि, समस्याओं का समाधान व मस्तिष्क में एकाग्रता होने को रेखांकित करना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम मौन व एकाग्रता के लाभों की करें तो, मौन रहने में बड़ी ताकत है, रह कर देखें तब हमको इसके फायदों के बारे में ज्ञान होगा। मौन रहने के फायदे इस प्रकार है-(1)सकारात्मक सोच के लिए जीवन में मौन रहने की सलाह दी जाती है।(2)मन को शांति मिलती है और शक्ति बढ़ती है।(3)मौन से आंतरिक और मानसिक शक्ति मिलती है।(4)इससे व्यक्ति लंबे समय तक तनाव रहित बना रहता है।(5)मौन रहने से क्रोध मिटता है।(6)मौन की शक्ति बड़े से बड़े अहंकार को धूल में मिला देती है (7) स्मरण शक्ति और सोचने की शक्ति बढ़ती है।(8)नई मानसिक ऊर्जा प्राप्त होती है और बड़े संघर्ष शुन्य हो जाते हैं।(9)इस उपाय से मन की चंचलता को नष्ट किया जा सकता है।(10)घरेलू लड़ाई-झगड़े बिल्कुल खत्म हो जाते हैं और अपने आप पर काबू पाने की शक्ति बढ़ती है।मौन रहने के क्या लाभ होते हैं कहते हैं कि जो समझदार होता है, वह कम बोलता है और कई बार मौन रहकर भी वह संवाद साध लेता है। अनुभव बताता है कि मौन कई बार बहुत ब ?ी परेशानियों से बचा सकता है। इसके विपरीत अगर कोई आदत से मजबूर होकर एक के बदले दस जवाब देता है और कहता है कि मैं चुप क्यों रहूं, किसी से दबकर क्यों रहूं? तो वह बहुत बड़ी मुसीबत में फंस सकता है।मौन की अपनी, अनुपम अभिव्यक्ति होती है, जो किसी भाषा की मोहताज नहीं होती।अक्सर लोग वाणी के विराम को ही मौन समझते हैं। लेकिन किसी व्यक्ति के मन में संकल्पों की उथल-पुथल हो रही हो, किसी अन्य व्यक्ति के प्रति उसके मन में द्वेष भावना का ज्वार-भाटा उठ रहा हो, या उसके भीतर कोई और वासना धधक रही हो, तो क्या यह मौन कहा जाएगा? कहते हैं कि पानी-सा रंगहीन नहीं होता मौन, आवाज की तरह इसके भी हजार रंग होते हैं। मन और वाणी, दोनों का शांत होना ही पूर्ण मौन कहा जाता है। मुख के मौन को बाह्य मौन कहा जाता है तथा मन का मौन अंत: मौन। एक कहावत है कि मीठा बोलना जितना सुखकारी है, उतना ही कम बोलना भी लाभकारी है। पर हमें यह समझ भी होनी चाहिए की जहां मौन रहना चाहिए, वहां बोलकर अपने लिए झमेला कभी ख ?ा नहीं करना है।मौन हमारे मस्तिष्क के सभी स्नायुओं और इंद्रियों को संयमित रखता है। चुप रहने से वाणी और वाणी के साथ खर्च होने वाली मस्तिष्क की शक्ति संचित होती है। तभी तो कहा गया है कि जो व्यक्ति अपने मुख और जबान पर संयम रखता है, वह अपनी आत्मा को कई संतापों से बचाता है। मौन में रहकर ही हम जीवन जगत के गूढ़ और सत्य पहलुओं का साक्षात्कार कर सकते हैं। जिस उत्तम धारणा से इतने लाभ प्राप्त होते हों, तो क्यों न हम उसको अपने जीवन का अंग बना लें?

साथियों बात अगर हम मौन व एकाग्रता साधना से अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव की करें तो,मौन धारण करना एक बड़ी साधना है यह हमारे सोचने समझ ने की शक्ति को बढ़ाता है इसलिए साधना के सभी पंथ मौन की महत्ता को स्वीकार करते है मनोविज्ञानी और करियर विशेषज्ञ भी स्मरण शक्ति बढ़ाने,एकाग्रता,शांति और सकारात्मक सोच के लिए जीवन में मौन धारण करने की सलाह देते हैं जब हम कुछ समय मौन रहते तो स्वयं से बात करते हैं आत्म मंथन करते हैं इससे नयी मानसिक ऊर्जा प्राप्त होती है इस छोटे-से उपाय से आप अपने जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।(1)नकारातमकता का दूर होना,हमारी जो संस्कृति है उसमें सिर्फ उत्पादकता की बात की जाती है हमेशा पूछा जाता है कि आपने अपने परिवार,समाज,देश के लिए क्या किया या आप अपने देश के लिए क्या कर सकते हैं इस सवाल के मूल में एक ही तत्व रहता है - क्या किया जा सकता है? मौन हमें इससे आजादी दिलाता है कई बार यह एकांत ही बहुत ज्यादा उत्पादक हो जाता है।(2) क्या हम दस दिन तक मौन रहने के बारे में सोच सकते हैं? बहुत से लोगों के लिए यह पानी पर चलने जैसा है लेकिन विपासना के शिविर में यह होता है इसमें भाग लेने वालों को लिखने-पढ़ने तक की मनाही होती है वह एक-दूसरे से आइ कांटैक्ट भी नहीं कर सकते एक बार वैज्ञानिकों का दल विपासना के इस तरह के शिविर में शोध के लिए गया था उन्होंने पाया कि चुप रहने से हमारी संवेदनशीलता बढ़ने लगती है दृष्टि में,सोच में,भावनाओं में समाहित हो जाती है।(3)विद्वानों का मानना है कि हम निराशावादी इसलिए हो जाते हैं क्योंकि हम भविष्य में जीते हैं जो सिर्फ एक भ्रम है मौन हमें वर्तमान में लाता है जहां हम खुशी का अनुभव करते हैं मौन की मदद से ही हम भविष्य के भ्रम से निकलने में कामयाब हो सकते हैं।(4) डॉक्टरों की माने तो मौन एकांत में किसी प्राकृतिक स्थान पर टहलने का एक अलग आनंद है वैज्ञानिकों का मानना है कि मौन से हमारे दिमाग के उस हिस्से का विकास होता है जो हमारी याददाश्त को मजबूत करता है प्रकृति के करीब रहने से हमारी स्थान संबंधी याददाश्त तेज होती है विशेषज्ञ मानते हैं कि एकांत मौन में दिमाग शांत रहता है वह यादों को सहेजने का काम करता है।(5) एक्शन को मिलती है मजबूती मनोविश्लेषक केली मैकगोनिगल का मत है कि जब हम मौन रहते हैं तभी दिमाग में सकारात्मक विचार आते हैं जिसे बाद में हम अमल में लाते हैं इससे हमारे भीतर सकारात्मक प्रवृत्ति बढ़ती है।(6)जब कभी भी हम अपने बच्चों या प्रियजनों पर सख्ती करते हैं तो बाद में पछताते हैं यह तभी होता है जब हम बिना सोचे-समझे यह करते हैं यहीं पर मौन काम करता है वह हमें जागरूक करता है सचेत करता है इससे हमारी गतिविधियां हमारे नियंत्रण में रहती हैं जब हम जागरूक रहते हैं तब हमारे ऊपर हमारा नियंत्रण रहता है किसी बाहरी चीज से हम प्रभावित नहीं होते यह शक्ति हमें मौन से मिलती है।(7)दिगाम भी तेज होता है शरीर का सबसे जटिल और ताकतवर हिस्सा दिमाग है जिस तरह से मांसपेशियों को कसरत करने से फायदा पहुंचता है, वैसे दिमाग को मौन से फायदा होता है मौन एक तरह से दिमाग की कसरत है मान लें कि आप किसी शांत जगह पर ध्यान के लिए बैठे और तभी आपको खुजली होने लगती है विशेषज्ञ मानते हैं कि आपको खुजली नहीं करनी चाहिए इससे आपको व्यवधान में भी ध्यान लगाने की आदत पड़ जायेगी इससे एकाग्रता बढ़ती है। साथियों बात अगर हम मौन वह एकाग्रता को सभी मानवीय गुणों में सर्वोपरि की करें तो, मौन रहना सभी गुणों में सर्वोपरि है। मौन का अर्थ है संयम के द्वारा धीरे-धीरे इन्द्रियों तथा मन की कार्यपद्धति को संयमित करना। समस्त सिद्धियों के मूल में मौन ही है। जैसे निद्रा से उठने पर शरीर, मन एवं बुद्धि में नई स्फूर्ति दिखाई देती है वैसे ही मौन रहने पर सर्वदा वही स्फूर्ति शरीर के साथ मन एवं बुद्धि में बनी रहती है। ग्रह शांति के लिए मौन धारण कर मानसिक जप करना सर्वश्रेष्ठ माना गया है।भगवान श्रीकृष्ण नेश्रीमद्भगवत गीता में वाक्संयम को तप की संज्ञा दी है। मौनव्रत से गंभीरता आत्मशक्ति तथा वाकशक्ति में वृद्धि होती है। मौन से तात्पर्य है बिना दिखावे के सेवा करना। मौन रहना सभी गुणों में सर्वोपरि है। मौन का अर्थ है संयम के द्वारा धीरे-धीरे इन्द्रियों तथा मन की कार्यपद्धति को संयमित करना। समस्त सिद्धियों के मूल में मौन ही है। जैसे निद्रा से उठने पर शरीर, मन एवं बुद्धि में नई स्फूर्ति दिखाई देती है वैसे ही मौन रहने पर सर्वदा वही स्फूर्ति शरीर के साथ मन एवं बुद्धि में बनी रहती है। मौन रहने से आध्यात्मिक शक्तियों का विकास तो होता ही है,साथ ही शरीर में ऊर्जा भी संग्रहित होती है। प्रतिदिन कुछ समय मौन रहकर अपनी आत्मशक्ति का विकास कर अपनी आत्मा के निकट आंतरिक संवाद, ध्यान अवश्य करना चाहिए। अगर प्रतिदिन कुछ समय के लिए मौन व्रत न धारण कर पाएं तो सप्ताह में एक दिन कुछ समय के लिए अथवा माह में एक दिन मौन व्रत अवश्य रखना चाहिए। नीति शास्त्रों में कहा गया है कि विद्वान चुप रहते हैं, समझदार बोलते हैं और अज्ञानी अकारण बहस करते हैं, इसलिए जीवन में अकारण वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न होने पर कभी-कभी मौन धारण करना भी फायदेमंद रहता है। मौन धारण करने से न केवल आध्यात्मिक लाभ है, बल्कि मनोवैज्ञानिक, वैज्ञानिक और ज्योतिषीय लाभ भी हैं।मौन धारण कर हम अपनी ऊर्जा को बिखरने से रोकते हैं जिसके कारण आवश्यक कार्यों के लिए ऊर्जा संचित हो जाती है। अक्सर देखा गया है, जो लोग जरूरत के समय ही बोलते हैं अथवा अधिकांश समय मौन धारण कर लेते हैं, वे अपने विचारों और शब्दों पर नियंत्रण रखने में परिपक्व हो जाते हैं, जिसके कारण किसी भी प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा से मन दु:खी नहीं होता है। मौन के द्वारा क्रोध पर भी नियंत्रण पाया जाता है तथा वाणी दोष से भी बचा जा सकता है। साथियों बात अगर हम मन के एकाग्रता के विमुख होने के कारणों की करें तो, मनुष्य के मन का स्वाभाविक गुण है चंचल होना यानी एकाग्र न होना। इसका चंचल गुण बार बार हमें हमारे लक्ष्यों से विमुख करता रहता है। मनुष्य का मन उसको भावनाओं और कामनाओं के जाल में बांधकर भांति-भांति के कार्य करवाता है। हमारा मन हमारे शरीर रूपी रथ का सारथी होता है। इसका जिस ओर मन करता है वह उधर ही इसको ले जाता है। इसमें प्राय: गलत राह भी पकड़ ली जाती है। मन का अधिक झुकाव विषयों एवं विकारों की तरफ रहता है। वहां पर हमें इसको बांधने और रोकने की जरूरत महसूस होती है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मौन एकाग्रता से निर्णायक क्षमता सर्वोत्तम होती है।मौन धारण से क्रोध मनमुटाव व झगड़ों को हराने की बहुत बड़ी ताकत मौन धारण सफ़लता का सच्चा सूत्र है इससे आत्मिक बल निर्मल बुद्धि समस्याओं का समाधान व मस्तिष्क में एकाग्रता होने को रेखांकित करना जरूरी है।

-किशन सनमुखदास भावनानी

बीते सप्ताह स्टार्टअप फंडिंग 95 मिलियन डॉलर पर, 17 स्टार्टअप ने विभिन्न चरणों में निवेश पाया

मुंबई। भारत में स्टार्टअप फंडिंग बीते हफ्ते करीब 95 मिलियन डॉलर रही, जिसमें 17 स्टार्टअप ने विभिन्न चरणों में निवेश हासिल किया। इसमें से पांच विकास-चरण और 10 प्रारंभिक चरण के सौदे थे, जबकि दो स्टार्टअप ने अपने फंडिंग डिटेल्स का खुलासा नहीं किया। शहरों में, बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप छह सौदों के साथ सबसे आगे रहे, इसके बाद दिल्ली-एनसीआर में चार सौदे हुए। मुंबई, हैदराबाद और अन्य शहरों में भी गतिविधि दिखी। बीते हफ्ते चार सौदों के साथ फिनटेक सबसे अधिक फंडेड सेक्टर के रूप में उभरा। इसके बाद डीपटेक और एसएएएस स्टार्टअप ने दो-दो सौदे किए, जबकि प्रॉपटेक, फूडटेक और ओटीटी स्टार्टअप ने भी फंड जुटाया। बीते हफ्ते सात सौदों के साथ सीड फंडिंग राउंड का बोलबाला रहा। सीरीज ए और प्री-सीरीज ए राउंड में दो-दो सौदे हुए, जबकि प्री-आईपीओ, डेट और सीरीज बी राउंड भी शामिल थे। पिछले आठ हफ्तों में एवरेज स्टार्टअप फंडिंग लगभग 205.24 मिलियन डॉलर रही है, जिसमें प्रति सप्ताह करीब 21 सौदे हुए। ग्रोथ और लेट-स्टेज स्टार्टअप्स ने सामूहिक रूप से 72.9 मिलियन डॉलर जुटाए। प्रॉपटेक फर्म स्मार्टवर्क्स इस सूची में सबसे आगे रही, जिसने प्री-आईपीओ राउंड में 20 मिलियन डॉलर जुटाए। शिक्षा-केंद्रित एनबीएफसी वर्थना ने डेट फाइनेंसिंग के माध्यम से 159 करोड़ रुपए (लगभग 18.5 मिलियन डॉलर) जुटाए। क्लीन-लेबल फूड ब्रांड केह्तिका ने नरोत्तम सेखसरिया फैमिली ऑफिस और अनिकट कैपिटल के नेतृत्व में सीरीज बी राउंड में 18 मिलियन डॉलर जुटाए। फिनटेक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी क्रेडिट वाइज कैपिटल और एविस हॉस्पिटल भी सप्ताह फंडिंग सूची में शामिल थे। शुरुआती चरण की श्रेणी में 10 स्टार्टअप्स ने कुल 22.11 मिलियन डॉलर जुटाए। तकनीक-सक्षम एनबीएफसी इनप्राइम फिनसर्व ने प्रवेगा वेंचर्स से सीरीज ए राउंड में 6 मिलियन डॉलर जुटाकर इस सेगमेंट का नेतृत्व किया। फंड जुटाने वाले दूसरे स्टार्टअप्स में एनआरआई-केंद्रित फिनटेक प्लेटफॉर्म बिलॉन्ग, ओटीटी माइक्रोड्रामा ऐप चाय बिस्केट, होम सर्विसेज स्टार्टअप क्लीन फैनेटिक्स और डीपटेक फर्म ग्रीन एयरो शामिल हैं। रणनीतिक विकास में, वर्कस्पेस सॉल्यूशन प्रोवाइडर इनक्यूस्पेज ने वीएसओयूटी का अधिग्रहण किया, जो एक बीटूबी एसएएएस प्लेटफॉर्म है और कमर्शियल रियल एस्टेट के लिए क्यूरेटेड डेटा एनालिटिक्स प्रदान करता है। इसके अलावा, एक गैर-बैंक ऋणदाता, इन्फिनिटी फिनकॉर्प सॉल्यूशन ने ग्लोबल इंवेस्टमेंट फर्म पार्टनर्स ग्रुप के साथ एक शेयर खरीद और सदस्यता समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो कंपनी में महत्वपूर्ण बहुमत हिस्सेदारी हासिल करेगा।

आईटीआर-2 फाइल करने वालों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के बाद भारत में निवेश की दिशा में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। खासतौर पर मध्यम वर्ग अब शेयर बाजार, रियल एस्टेट और विदेशी संपत्तियों जैसे विकल्पों में अधिक रुचि दिखा रहा है। इसका सीधा असर आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने वालों के पैटर्न पर भी दिखाई दे रहा है। 2024-25 के असेसमेंट वर्ष में आईटीआर-2 फॉर्म भरने वालों की संख्या रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई है। आयकर विभाग के आंकड़ों के अनुसार आईटीआर-2 भरने वालों की संख्या 2020-21 में 47.5 लाख थी, जो 2024-25 में बढ़कर 1.217 करोड़ हो गई है। यानी बीते चार वर्षों में इसमें लगभग 2.5 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। आईटीआर-2 फॉर्म उन व्यक्तियों के लिए होता है जिनकी सालाना आय 50 लाख रुपए से अधिक है और जिनकी आय में शेयर बाजार या प्रॉपर्टी से पूंजीगत लाभ, एक से अधिक संपत्तियों से किराया, या विदेशी आय शामिल होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव सिर्फ आय के बढ़ने का संकेत नहीं है, बल्कि यह दिखाता है कि भारतीय निवेशक अब अधिक जागरूक और सक्रिय हो गए हैं। ईवाय इंडिया की एक टैक्स सलाहकार के अनुसार आईटीआर-2 फाइलिंग में बढ़ोतरी इस बात का प्रमाण है कि निवेशकों की प्रोफाइल बदल रही है। रिटेल निवेशक अब केवल सेविंग पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि वे विविध निवेश साधनों को अपना रहे हैं। एक और बड़ी वजह यह भी है कि सरकार ने बीते कुछ वर्षों में वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कई सख्त कदम उठाए हैं। थर्ड-पार्टी रिपोर्टिंग, टीडीएस के जरिए ट्रैकिंग, और पूर्व-भरे हुए आईटीआर फॉर्म ने टैक्स फाइलिंग को आसान और पारदर्शी बना दिया है। इससे टैक्स नेटवर्क में नए करदाताओं की भागीदारी बढ़ी है। वहीं जिन लोगों की आय केवल वेतन पर आधारित है और 50 लाख रुपए से कम है, उनकी संख्या में उतनी तेज़ी नहीं देखी गई है। 2020-21 में इस श्रेणी के रिटर्न 3.165 करोड़ थे, जो 2024-25 में बढ़कर 3.597 करोड़ हुए। हालांकि कुल टैक्स रिटर्न में इनकी हिस्सेदारी घटकर 49 फीसदी से 43 फीसदी रह गई है।

रेलवे का किराया बढ़ने से राजस्व 1,500 करोड़ आने की उम्मीद

नई दिल्ली। करीब पांच साल बाद भारतीय रेलवे ने 1 जुलाई से यात्री किराए में मामूली बढ़ोतरी की है। यह बढ़ोतरी सीमित है ताकि यात्रियों पर भारी बोझ न पड़े, लेकिन रेलवे को इससे करीब 1,500 करोड़ की अतिरिक्त आमदनी होने की उम्मी है। नई दरों के अनुसार एसी कोच में अब प्रति किलोमीटर 2 पैसे अधिक देने होंगे। उदाहरण के लिए, दिल्ली से मुंबई के बीच सफर करने वाले यात्रियों को करीब 30 ज्यादा चुकाने होंगे। वंदे भारत ट्रेन के छोटे रूट्स पर टिकट 10 से 14 तक महंगे हुए हैं। वहीं, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के नॉन-एसी डिब्बों में एक पैसा प्रति किलोमीटर की वृद्धि की गई है। रेलवे अधिकारियों और पूर्व जीएम के अनुसार, यह वृद्धि आवश्यक थी क्योंकि रेलवे को यात्री सेवाओं में लंबे समय से घाटा उठाना पड़ हो रहा था, जिसे मालभाड़े से संतुलित किया जाता है। यह किराया संशोधन एक संतुलित सुधार माना जा रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में रेलवे को यात्री सेवाओं से 92,800 करोड़ की कमाई की उम्मीद है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11 फीसदी अधिक है। अकेले एसी थ्री-टियर कोच से 37,115 करोड़ मिलने की संभावना है। विशेषज्ञों के का कहना है कि राजस्व बढ़ाने के लिए केवल किराया बढ़ाना काफी नहीं है। रेलवे को फ्रेट सेक्टर में अपनी हिस्सेदारी भी बढ़ानी होगी। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के कारण माल परिवहन में सुधार हुआ है और 030 तक रेलवे देश के 45 फीसदी माल ढोने का लक्ष्य रखता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। करियर में आपको अच्छा उछाल देखने को मिलेगा और आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आपको बड़े बुजुर्गों का भी पूरा साथ मिलेगा। आप परिवार में सदस्यों की जरूरत की आवश्यकताओं की पूर्ति आसानी से कर सकेंगे। आपका डूबा हुआ धन आपको मिल सकता है। आप किसी बड़े लक्ष्य को पाने की कोशिश में लगे रहेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। सामाजिक कार्यक्रमों से आपको जुड़ने का मौका मिलेगा और आपका कोई कानूनी मामला भी सुलझता दिख रहा है। किसी धार्मिक आयोजन में आप सम्मिलित हो सकते हैं। आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे थे, तो उसमें आप अपने कीमती सामानों के सुरक्षा आवश्यक करें। जीवनसाथी आपके कामों में आपका पूरा साथ देंगे और आपको अपने पिताजी की सेहत को लेकर भी एहतियात बरतनी होगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होंगे। आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करेंगे। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको अपने कामकाज पर पूरा फोकस बनाए रखना होगा। धर्म-कर्म के कार्यो में आपकी काफी रुचि रहेगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप अपने मन में किसी के प्रति आज ईर्ष्या की भावना ना रखें।

कर्क- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आपको जल्दबाजी में कोई काम करने से बचना होगा। आपका महत्वपूर्ण काम पूरा हो सकता है, जिसके लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे। संतान ने यदि किसी परीक्षा को दिया था, तो उसके परिणाम आ सकते हैं। परिवार के सदस्यों के लिए आप कोई सरप्राइस पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। माताजी आपको को काम सौंपे, तो आप उसको लेकर लापरवाही ना करें।

सिंह- आज का दिन आपके लिए अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलने के लिए रहेगा। आपका मनोबल भी ऊंचा रहेगा। मित्रों के साथ घनिष्ठता बढ़ेगी और आपकी काम को लेकर वाहवाही होगी। आप अपनी शारीरिक समस्या को नजरअंदाज ना करें। आप लेनदेन से संबंधित मामलों में अपनी आंखों और कान खुले रखें, क्योंकि आपको आज धोखा मिलने की संभावना है। आवश्यक कामों पर आप पूरा ध्यान देंगे।

कन्या- आज का दिन आपके लिए करियर के मामले में अच्छा रहने वाला है। आप अपना कामों को समय से निपटाएंगे और आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। आप अपने कामकाज पर पूरा फोकस बनाएंगे। किसी नए काम की शुरुआत करना आपके लिए अच्छा रहेगा। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आप कहीं घूमने-फिरने जा सकते हैं, लेकिन आप अपनी सेहत पर भी पूरा ध्यान दें।

तुला- आज का दिन आपके लिए किसी बड़े लक्ष्य की पूर्ति के लिए रहेगा। आपकी प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देंगे। आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आध्यात्म के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी और रक्त संबंधी रिश्तों में भी आपको तालमेल बनकर चलना होगा। आप घर के साथ-साथ बाहर के कामों को भी समय से निपटाने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को करने के लिए रहेगा। आपको अपने घरेलू कामों को समय से निपटाने की आवश्यकता है। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी और आपको किसी अजनबी से कोई पार्टनरशिप करने से बचना होगा। आप अपने बिजनेस को लेकर किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह ले सकते हैं। राजनीति में कार्यरत लोगों को किसी बड़े पद की प्राप्ति हो सकती हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक रिश्तों में एकता बनी रहेगी और आपने यदि किसी से कुछ कर्ज लिया था, तो उसे भी उतारने की पूरे कोशिश करेंगे। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए किसी नए घर आदि की खरीदारी के लिए अच्छा रहेगा। बिजनेस में भी आपको अच्छा मुनाफा मिलने से खुशी होगी। आप किसी सरकारी योजना में धन का इन्वेस्टमेंट भी कर सकते हैं। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को एक्सपर्ट की सलाह से इन्वेस्टमेंट करना बेहतर रहेगा। आप अपने संतान की पढ़ाई-लिखाई में चल रही समस्याओं को दूर करने की कोशिश करेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपके कुछ नए प्रयास रंग लाएंगे। आपकी महत्वपूर्ण कामों के प्रति रुचि बढ़ेगी। आप अपनी वाणी और व्यवहार में मधुरता बनाए रखें, नहीं तो आपके बेवजह के लड़ाई झगड़ें बढ़ सकते हैं। आपको किसी काम को धैर्य और संयम से निपटाने की आवश्यकता है।

मीन- आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है, लेकिन आप अपने खर्चो को नियंत्रण में कोशिश करने की कोशिश करें, जिनके लिए आपको बजट बनाकर चलने की आवश्यकता है। आप किसी को धन उधार देने से बचें। घर आदि की कोई डील यदि अटकी हुई थी, तो उसके भी आपको मिलने की संभावना है।

शब्दजाल - 7960

शब्दजाल में 'हेमा मालिनी' की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

क्रांति, ड्रीमगर्ल, बगावत, रजिया सुल्तान, शोले, सीता और गीता, सत्ते पे सत्ता, राजपूत, द बर्निंग ट्रेन, कयामत

र	क	ल	ड्री	म	ग	र्ल	धी	सी	ल	ज
र	जि	ल	दे	क्रां	ति	ड	इं	ता	ट	वा
त	स	या	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	ख	द
ब	ज	ज	सु	पु	र	रा	प	र	ली	ब
म	गा	दो	ग	ल्ता	लं	ज	तू	गी	झ	र्निं
स	क	व	प	ह	न	पू	ना	ता	घ	ग
त्ते	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	शो	ले	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	क	या	म	त

शब्दजाल - 7959 का हल

आ	ल	र	सं	दा	प	र	तू	ग	झ	आ
ज	म	ल	त	आ	मो	ना	श	प	ति	अ
अं	इ	नु	रा	ल	दा	ल	अ	र	ला	सी
ज	त	र	बू	ज	ला	क	न्ना	रि	श	ता
स	ति	अं	गू	र	र	क	ना	ग	वी	फ
से	रं	ल	चु	व	लि	र्त	स	ती	प	ल
ब	गा	ल	के	गा	प	म	त	कौ	या	ले
श	बा	अ	ना	र	क	छ	क	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	स	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	प	पी	ता	र	हो	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6904

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमृता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6903

बं	दि	नी		पु		गैं	ब	ल	र
ध		ल	ल	का	र		हा		वी
न	सी	म		र		प	र	वा	ना
	मा		श		सु	र		सु	
आ		आ	शि	क		दे	वी		ह
ह	मे	शा		ह	व	स		स	त्या
	ला		आ	र	जू		खे	ल	
बे		ला	वा		द	स		मा	या
खु			ग	जू		फ	र्ज		ग
दी	वा	ने		ली	ड	र		टी	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8428

बाएँ से दाएँ

1. तरंग, हिलोर-3
3. झगड़ा, द्वेष, कहासुनी-3
5. पार्थिव देह-2
6. जरा, थोड़ा-2
8. रहस्य जानने वाला-4
10. दरवेश, औलिया, पीर-3
12. बहुतांश-3
13. राजनीतिक पार्टी-2
14. हिरासत-2
15. साजन, प्रेमी-3
17. देवर्षि-3
19. भगवान, रब, करतार -4
21. श्रवणेंद्रिय-2
23. प्राण, जीवन तत्व-2
24. द्रव पदार्थ-3
25. डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1. भगवान राम का एक पुत्र-2
2. दया, करुणा-3
3. शर्ट, बुशर्ट-3
4. अधिकार-2
5. भद्र, कुलीन-3
7. बड़ा भवन, कोठी-3
8. हमेशा, हर पल-4
9. यात्री, पथिक, राहगीर-2
12. कुख्यात-2,2
15. तमीज, तहजीब-3
16. रात्रि, रजनी-2
18. शोषण करना, दबाना-3
19. आसान, सीधा-3
20. नाव चलाने वाला-3
22. झुका हुआ-2
23. मर्तबान, रुस का राजा-2

शब्द पहेली -8427 का हल

म	न		श	री	र		ज	ला
त		ह	र	म		न	हा	ना
	आ	रा	म		रा	ज	न	
क	स	म		ल	ह	र		त
र	न		ग	ल	त		भ	ला
म		स	ब	क		का	र	क
	आ	ब	रु		ह	र	ना	
म	ह	ल		का	र	ण		त
न	ट		क	ल	म		शा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

15 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.34 बजे से
चंद्र	कुंभ में	सिंह	07.50 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.02 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.12 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.27 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.43 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.48 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.35 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.08 बजे से
राहुकाल		मेष	23.38 बजे से
3.00 से 4.30		वृष	01.18 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.16 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 196 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** पंचमी 22.40 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 06.27 बजे को समाप्त। **योग** सौभाग्य 14.12 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 11.22 बजे तदनन्तर तैतिल 22.40 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 31' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872406 **जूलियन दिन** 2460871.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 19 **विशेष** मंगला गौरी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः कल की चिंता

एक शहर में धर्मदत्त नामक सेठ रहता था। अपार संपत्ति का स्वामी होने के बावजूद वह हमेशा उदास रहा करता था। उसे अपनी भावी पीढ़ी की चिंता सताती रहती थी। एक बार भगवान महावीर उस शहर में आए। गंगा के तट पर उनका प्रवचन हो रहा था। धर्मदत्त भी वहां पहुंचा। वह पहली कतार में बैठ कर प्रवचन सुन रहा था, लेकिन उसका मन कहीं और था। प्रवचन के बाद भगवान महावीर ने उसकी उदासी का कारण पूछा तो सेठ ने कहा, 'प्रभु, मुझे किसी चीज की कमी नहीं है। मेरे पास इतनी दौलत है कि मेरी सात पीढ़ियां आराम से खा-पी सकें। लेकिन मुझे चिंता है कि मेरी आठवीं पीढ़ी का गुजर-बसर कैसे होगा?' भगवान महावीर ने कहा, 'तुम्हारी चिंता मैं दूर कर देता हूं। तुम्हें इतनी दौलत दे दूंगा कि तुम्हारी आठवीं पीढ़ी सुख से रहेगी। इसके लिए तुम्हें एक काम करना होगा। यहां एक आश्रम के पीछे झोपड़ी में एक मजदूर का परिवार रहता है। तुम उससे कहो कि वह अपनी आवश्यकता का आटा अपने पास रख कर बाकी तुम्हें दे दे।' सेठ वहां गया और उसने वैसा ही कहा। मजदूर की पत्नी घर के अंदर से एक हंडिया ले आई और उसे देते हुए बोली, 'ले जाओ भाई। मेरे पास इतना ही आटा है।' सेठ ने कहा, 'नहीं, नहीं, तुम अपनी जरूरत का आटा रख लो, जो बचे उसे दो।' मजदूर की पत्नी बोली, 'अगर मैंने अपनी जरूरत का आटा रख लिया तो तुम्हें क्या दूंगी। मुझे जिसने आज दिया है वह कल भी देगा।' सेठ खाली हाथ लौट आया और उसने भगवान महावीर को सारी बात बताई। भगवान महावीर बोले, 'सेठ, एक वह मजदूर स्त्री है, जिसे कल की भी चिंता नहीं है और एक तुम हो कि अपनी आठवीं पीढ़ी की चिंता में अपने को गला रहे हो। क्या तुम्हारी आगामी पीढ़ी अपाहिज, काहिल और निकम्मी होगी कि जिसके लिए तुम चिंतित हो।' उस दिन से सेठ ने चिंता छोड़ दी।

सूडोकु नवताल- 7213

★★★★☆ मध्यम

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7212 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से बाजार में ये गिरावट आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 247.01 अंक नीचे आकर 82,253.46 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 67.55 अंकों की गिरावट के साथ ही 25,082.30 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान आईटी और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही जिससे भी बाजार नीचे आया। सोमवार को सेंसेक्स की 30 में से केवल 10 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ऊपर आकर बंद हुए। वहीं शेष सभी 20 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही बंद हुए। इसी तरह, निफ्टी की 50 में से 22 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए और 27 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए, जबकि एक कंपनी का शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे ज्यादा 3.11 फीसदी बढ़कर बंद हुए जबकि टेक महिंद्रा के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.82 फीसदी नीचे आकर बंद हुए। सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज टाइटन के शेयर 1.23फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.56 फीसदी, सनफार्मा 0.54 फीसदी, आईटीसी 0.42 फीसदी, टाटा स्टील 0.25 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.23 फीसदी, एसबीआई 0.10 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.03 फीसदी बढ़कर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर बजाज फाइनेंस 1.54 फीसदी,

, इंफोसिस 1.53 फीसदी, , एशियन पेंट्स 1.50 फीसदी, , एचसीएल टेक 1.41 फीसदी, , टीसीएस 1.29 फीसदी, , एलएंडटी 1.25 फीसदी, , टाटा मोटर्स 1.04फीसदी, , बजाज फिनसर्व 0.77 फीसदी, , कोटक महिंद्रा बैंक 0.76 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.69 फीसदी, , ट्रेंट 0.68 फीसदी, , बीईएल 0.39 फीसदी, , मारुति सुजुकी 0.36फीसदी, , हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.20 फीसदी, , एनटीपीसी 0.19 फीसदी, , पावरग्रिड 0.13 फीसदी, , अल्ट्राटेक सीमेंट 0.04 फीसदी नीचे आकर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत रही। आईटी स्टॉक्स में गिरावट और यूएस-इंडिया में ट्रेड डील को लेकर संशय के बीच ही बाजार पर दबाव आया। सेंसेक्स 150 से ज्यादा अंक गिरकर 82,537.87 पर खुला। खुलते ही इसमें गिरावट गहरा गई। सुबह यह 255.95 अंक की गिरावट लेकर 82,244.52 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी गिरावट के साथ 25,149 पर खुला। आईटी स्टॉक्स में बिकवाली से इंडेक्स में गिरावट और ज्यादा बढ़ गई।

भारत ने निकाला चीन का तोड़! सऊदी अरब देगा डीएपी उर्वरक की लंबी सप्लाई

नई दिल्ली। भारत ने चीन की आपूर्ति नीति में आ रही बाधाओं का जवाब दिया है। हाल के दिनों में चीन ने रेयर अर्थ, ऑटो कंपोनेंट्स और डीएपी जैसे जरूरी उर्वरकों की आपूर्ति में जानबूझकर देरी की, जिससे भारतीय कृषि और औद्योगिक क्षेत्र प्रभावित होने लगे। इस स्थिति से निपटने के लिए भारत ने रणनीतिक कदम उठाते हुए सऊदी अरब के साथ एक बड़ा समझौता किया है। सऊदी अरब की प्रमुख खनन कंपनी माअदेन और भारत की सरकारी कंपनियों के बीच डीएपी उर्वरक की आपूर्ति को लेकर एक दीर्घकालिक समझौता हुआ है। इस समझौते के अंतर्गत सऊदी अरब हर साल 31 लाख मीट्रिक टन डीएपी की आपूर्ति करेगा। यह करार पांच साल के लिए है, जिसे आगे पांच साल तक बढ़ाया जा सकता है। यह समझौता केंद्रीय उर्वरक और रसायन मंत्री जेपी नड्डा की सऊदी यात्रा के दौरान संपन्न हुआ। अधिकारियों के अनुसार यह भारत की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और चीन पर निर्भरता घटाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हालांकि चीन का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया गया, लेकिन सूत्रों का कहना है कि जब कुछ देश आपूर्ति में बाधा डालते हैं, तब भारत के साझेदार जैसे सऊदी अरब मजबूती से साथ खड़े हैं। यह सहयोग दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करता है। इसके अलावा दोनों पक्षों ने यूरिया जैसे अन्य प्रमुख उर्वरकों की आपूर्ति बढ़ाने और आपसी निवेश को सुविधाजनक बनाने पर भी सहमति जताई है। इसमें भारतीय कंपनियों द्वारा सऊदी अरब में निवेश और सऊदी निवेशकों को भारत में आकर्षित करने की संभावनाएं शामिल हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था बड़ी लेकिन नवाचार में पीछे- रघुराम राजन

नई दिल्ली। भारत भले ही जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा हो, लेकिन पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन ने एक अंग्रेजी अखबार में अपने कॉलम के माध्यम से देश की नवाचार क्षमता पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि भारत के पास वैश्विक स्तर पर पहचाने जाने वाले किसी भी उत्पाद या कंपनी का अभाव है। राजन ने उदाहरण देते हुए कहा कि जापान की निन्टेंडो, सोनी और टोयोटा जैसी कंपनियां या जर्मनी की मर्सिडीज, पोर्श और एसएपी जैसी फर्में विश्वभर में जानी जाती हैं, लेकिन भारत की कोई भी कंपनी ऐसा वैश्विक प्रभाव नहीं बना पाई है। इसके बावजूद कि भारत में बड़ी घरेलू मांग है और सरकारी संरक्षण भी मौजूद है, भारतीय कंपनियां वैश्विक बाजार में अपनी पकड़ बनाने में असफल रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय ऑटो उद्योग विदेशी बाजारों में सीमित और विशिष्ट क्षेत्रों तक ही सिमटा हुआ है, जबकि दवा उद्योग जेनेरिक दवाओं से आगे बढ़कर मूल फॉर्मूलेशन बनाने में विफल रहा है। सॉफ्टवेयर क्षेत्र में भी, हालांकि वाय2के के दौरान विस्तार हुआ, लेकिन कोई वैश्विक उत्पाद नहीं बना है। राजन ने यह चेतावनी दी कि घरेलू बाजार की बड़ी मात्रा और संरक्षण नीति नवाचार को कम करती है। वे कहते हैं कि जब घरेलू उपभोक्ताओं को संतुष्ट रखने के लिए केवल नकल ही पर्याप्त हो जाती है, तो कंपनियों का वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ना मुश्किल हो जाता है। उनका निष्कर्ष है कि भारत को केवल अर्थव्यवस्था की रैंकिंग से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि नवाचार के क्षेत्र में भी विश्व के शीर्ष देशों में आना होगा, तभी भारतीय कंपनियां वैश्विक पहचान बना पाएंगी।

सावन के प्रथम सोमवार हजारों भक्तों ने कतारबद्ध होकर दादा कोटेश्वर के दर्शन कर किया जलाभिषेक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। श्रावण मास प्रारंभ होते ही लांजी के कोटेश्वर महादेव मंदिर में जो कि 108 उपलिंगो में से एक है यंहा श्रावण मास के प्रथम सोमवार को बोल बम सेवा समिति द्वारा आयोजित कावड यात्रा के प्रथम दिन लांजी से 42 कि.मी. दुर स्थित चहेली (सीतापाला) छोटी बाघ नदी के उद्गम से कावडिये कांवड़ लेकर नंगे पैर जंगल के कठिन रास्ते नदी नाले पार करते हुए सीतापाला जंगल, टिमकीटोला, रिसेवाड़ा, बम्हनवाड़ा वारी, लोहारा, कालीमाटी, नीमटोला, लांजी को पार करते हुए कोटेश्वर मंदिर पंहुचे। बतादे कि बोल बम सेवा समिति के द्वारा आयोजित कावंड़ यात्रा का यह 26 वाँ वर्ष है जहां 14 जुलाई को बोल बम सेवा समिति के कार्यालय से पहला जत्था रवाना हुआ था जो कि शाम 7 बजे बाबा कोटेश्वर नाथ के दरबार में पंहुचकर महादेव का जलाभिषेक किया लगभग 51 कावंड़ियो ने किया। इसी क्रम में सिहारी के करीब 40 कावंडियों के द्वारा नरमदे जल स्त्रोत सिहारी से जल लाकर कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया गया।

प्रथम सोमवार को भारी संख्या में शिवभक्त पंहुचे कोटेश्वर धाम

श्रावण मास के प्रथम सोमवार को कोटेश्वर धाम में भारी संख्या में भक्तों की भीड़ देखी गई। सुबह से ही कोटेश्वर महादेव के दर्शनो के लिये कतारे देखी गई। भोलेनाथ के जयकारों के साथ भक्त गण महादेव का अभिषेक पूजन कर पूण्य लाभ अर्जित किया गया। इसी क्रम में नगर परिषद लांजी के द्वारा माँ नर्मदा के पवित्र जल की व्यवस्था भक्तों के लिये की गई थी। जहां कोटेश्वर धाम में जल से भरा टैंकर लाकर खड़ा किया गया। धाम में पधान भक्त गणों के द्वारा माँ नर्मदा के पवित्र जल से कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया गया।

पुलिस ने संभाली चाक चौबंद व्यवस्था

लांजी पुलिस के द्वारा कोटेश्वर धाम में चाक चौबंद पुलिस व्यवस्था की गई, वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देशन में एसडीओपी ओमप्रकाश एवं थाना प्रभारी व्यंकट टांडिया के नेतृत्व में संपूर्ण व्यवस्था की गई, लांजी अनुभाग एवं रक्षित केन्द्र बालाघाट से जिला पुलिस बल के अधिकारी कर्मचारी, महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियो की तैनाती की गई थी ताकि दर्शनार्थियो को किसी भी प्रकार की अव्यवस्था ना हो। इसी क्रम में लांजी एसडीएम अन्य अधिकारियो द्वारा समय समय व्यवस्थाओ का जायजा लिया गया।

शिव भक्तों ने किया महाप्रसादी का वितरण

श्रावण मास के पावन अवसर पर प्रत्येक सोमवार को कोटेश्वर धाम में भक्तों का मेला लगा रहता है दुसरी ओर अनेको ऐसे शिवभक्त गण एवं समिति है जो कि प्रत्येक सोमवार को कोटेश्वर धाम परिसर के समीप महाप्रसादी का आयोजन किया जाता है। कोटेश्वर महादेव को भोग लगाने के पश्चात महाप्रसादी वितरण प्रारंभ किया जाता है। भक्त गणो के लिये कोई पुलाव की तो कोई फलाहार की व्यवस्था करता है। कोटेश्वर महादेव के दर्शन के पश्चात समस्त भक्त गण एवं कांवड़िये महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित करते है।

खरोले पॉली क्लिनिक ने श्रावण मास के सोमवार को किया नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। धर्म नगरी लांजी में श्रावण मास के पावन अवसर पर अनेको धार्मिक एवं सामाजिक कार्य किये जाते है। जिसके तहत लांजी भिलाई मार्ग पर स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र के सामने खरोले पॉली क्लिनिक में श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को निश्शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। क्लिनिक के संचालक डॉ अकित खरोले बाल एवं नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ एस आर खरोले जनरल फिजीशियन, डॉ श्रुति बिसेन पटेल प्रसुति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ उत्कर्ष घोरमारे एम एस जनरल सर्जन इन चिकित्सकों के द्वारा शिविर में आये हुये मरीजो का उपचार किया जायेगा। इसी कड़ी में 14 जुलाई को प्रथम श्रावण सोमवार को खरोले पॉली क्लिनिक उपरोक्त चिकित्सको के द्वारा शिविर में आये मरीजो का उपचार किया गया। साथ ही क्लिनिक में चहेली से आये कांवडियों का भी स्वास्थ्य परीक्षण कर स्वल्पाहार भी कराया गया।

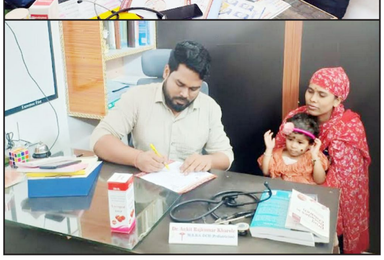

एकल अभियान संच द्वारा जारी 30 दिवसीय अखण्ड रामचरित मानस पाठ में शामिल हुई सांसद भारती पारधी

दादा कोटेश्वर महादेव का किया जलाभिषेक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। धर्मनगरी लांजी में श्रावण मास के शुभअवसर पर भव्य 30 दिवसीय अखण्ड रामचरित मानस पाठ का आयोजन एकल अभियान संच लांजी अंचल बालाघाट महाकौशल मध्यप्रदेश के द्वारा 11 जुलाई से आयोजित किया गया है। जिसका समापन 10 अगस्त को कोटेश्वर धाम में महाआरती एवं महाप्रसाद के साथ किया जायेगा। रामचरित मानस पाठ के शुभारंभ अवसर पर मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल समेत कई बड़े नेता और धार्मिक लोग उपस्थित हुए थे। तो वहीं चौथे दिन भी अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ का संगीतमय गायन अलग-अलग मंडली द्वारा किया गया। श्रावण मास के पहले सोमवार को बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी लांजी पहुंची। श्रीमती भारती पारधी ने सुबह लगभग 10 बजे दादा कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर संसदीय क्षेत्र की जनता के लिए मंगल कामना की। जलाभिषेक करने के

उपरांत एकल अभियान संच द्वारा आयोजित 30 दिवसीय अखंड श्री रामचरित मानस पाठ के कार्यक्रम में पहुंचकर भगवान श्रीराम का स्मरण की। जहां पर सामाजिक कार्यकर्ता लता झनकार किरनापुरे और सामाजिक कार्यकर्ता दुर्गा दिनेश रामटेक्कर ने सांसद भारती पारधी का सम्मान कर रामायण भेंट किया। जिसके बाद सांसद भारती पारधी बालाघाट के लिए रवाना हो गई। श्रावण सोमवार होने के चलते दादा कोटेश्वर नाथ मंदिर में सुबह से लेकर शाम तक भक्तों का दर्शन के लिए आना-जाना लगा रहा। कई धार्मिक संगठनों द्वारा महाप्रसादी का भी वितरण किया गया।

टर्निंग पर मोटरसाइकिल फिसलने से दो लोग गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल रेफर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के ग्राम सतीटोला और पीपलगांव के बीच एक तीव्र मोड़ पर तेज रफ्तार मोटरसाइकिल के फिसलने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा सोमवार, 14 जुलाई 2025 की सुबह लगभग 7 बजे हुआ। घायलों की पहचान धनराज उमरे पिता नोहर उमरे, निवासी पालडोंगरी और भगवानदास उमरे निवासी लाड़सा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, धनराज उमरे 13 जुलाई को अपने दोस्त भगवानदास के साथ अपनी मोटरसाइकिल (हीरो एचएफ डिलक्स) से अपने ससुराल ग्राम सिर्री गए थे। अगले दिन, 14 जुलाई को सुबह वे अपने गांव पालडोंगरी लौट रहे थे। सतीटोला और पीपलगांव के बीच एक तीव्र टर्निंग पर मोटरसाइकिल का नियंत्रण बिगड़ गया, जिसके कारण वह फिसल गई और दोनों सवार नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना स्थानीय राहगीरों ने तत्काल 100 डायल और स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत एम्बुलेंस के माध्यम से सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया गया। सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, सतीटोला-पीपलगांव मार्ग पर यह टर्निंग पहले भी कई हादसों का कारण बन चुकी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मोड़ पर सड़क सुरक्षा उपाय, जैसे स्पीड ब्रेकर या चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। पुलिस ने घटना का मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। घायलों की स्थिति अभी भी गंभीर बताई जा रही है, और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की जा रही है।

शासकीय कन्या हाईस्कूल हिर्री में जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला सोलंकी के मार्गदर्शन में वन स्टॉप सेंटर बालाघाट द्वारा मिशन शक्ति एवं बाल भिक्षावृति की रोकथाम के लिए 20 दिवसीय जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

जिसके अंतर्गत 14 जुलाई 2025 को किरनापुर विकासखंड के शासकीय कन्या हाईस्कुल हिर्री में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में शिक्षा को बढ़ावा देना, शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने, बाल भिक्षावृति रोकथाम, बाल संरक्षण से जुडी योजनाओं, पोक्सो अधिनियम, वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। भिक्षावृति में लिप्त परिवारों के द्वारा नवजात शिशुओं एवं छोटे बच्चो के जरिये भीख मांगने/मंगाने का कार्य किया जाता है जो बच्चो के हित में नही होने के साथ-साथ उनके लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण एवं विकास में बाधक है, किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 76 अंतर्गत यदि कोई व्यक्ति 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे को भीख मांगने के लिए नियोजित करता है या करवाता है, तो उसे 5 वर्ष तक के कारावास तथा 01 लाख रुपये तक के जुर्माने के दंड का प्रावधान है एवं देखरेख एवं संरक्षण की आवश्कताओ वाले बच्चों की पहचान कर बच्चो के पुनर्वास के लिए उन्हें बाल कल्याण समिति की जानकारी दी गई । इस दौरान प्रभारी प्राचार्य पी के बिसेन, शैलेन्द्र बोपचे, तेजलाल देवे, ज्योति चित्रीव, अनिता बढ़ई, निधि पारथी, सीमा गेडाम, प्रभा सोनी सहित विद्यालय परिवार के समस्त सदस्यगण मौजूद रहे।

प्रगतिशील कुनबी समाज ने स्थापना दिवस पर किया प्रतिभाओं का सम्मान

170 प्रतिभाएं हुई सम्मानित, समाज अध्यक्ष ने कहा समाज प्रगति के लिए मिलकर काम करना समय की आवश्यकता

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रगतिशील कुनबी समाज ने 14 जुलाई को अपना 34 वां स्थापना दिवस, समाज के छत्रपति शिवाजी सांस्कृतिक भवन में मनाया गया। दोपहर एक बजे से प्रारंभ हुआ यह सामाजिक कार्यक्रम देरशाम 5.30 बजे तक चलते रहे।इस दौरान अतिथियों का स्वागत, सरस्वती वंदना और प्रतिभाओं का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रतिभा सम्मान समारोह में समाज के प्रतिभावान 170 प्रतिभाओं का सम्मानित किया गया। जिसमें दसवीं और बारहवीं के सर्वाधिक अंक हासिल करने वाले 03 प्रतिभाओं को मोमेंटो, प्रमाण पत्र और नगद राशि से सम्मानित किया गया।इस दौरान कक्षा 12वी में कुम्हारीकला निवासी नयन अशोक कुमार ढोंगे को प्रथम, लिंगा निवासी दिपांशु अशोक मेंढे को द्वितीय, तो किन्ही कोदोबर्रा निवासी धनंजय कोदुराम ठाकरे को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी तरह कक्षा 10वी में सिवनीकला निवासी सलोनी संजय चांदेवार को प्रथम, लालबर्रा के मानपुर निवासी धैर्या शैलेष आश्वले को द्वितीय और लांजी के टेमनी निवासी आंचल राजकुमार बुराडे को तृतीय पुरस्कार के रूप में नगद राशि सौंपी गई।कार्यक्रम की शुरूआत समाज के आराध्य क्षत्रपति शिवाजी महाराज, संत तुकाराम, तुकड़ोजी महाराज के छायाचित्र पर माल्यार्पण और समक्ष दीप प्रज्जलवन कर किया गया। इस अवसर पर गुरूदेव सेवा मंडल लिंगा, माधुरी बेदरे, लावण्या बेदरे, ट्विंकल दानी ने स्वागत गीत, नृत्य कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।स्थापना दिवस और प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक इंजी. दिवाकरसिंह, अध्यक्ष सुनील खोटेले, महासचिव श्रीराम दानी, कार्यकारी अध्यक्ष शिवशंकर शिवणकर, उपाध्यक्ष रवि दोनाड़कर, कोषाध्यक्ष मोहन थेरकर, संरक्षक भागवत कुथे, बेनीराम खोटेले, नीलकंठराव बहेकार, नलिनी थेरकर और प्रभु एस. बुद्धेकर मंचासीन रहे।

समाज की उन्नति और प्रगति के लिए मिलकर काम करे- खोटेले

समाज के स्थापना दिवस कार्यक्रम और प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज के जिलाध्यक्ष सुनील खोटेले ने बताया कि समाज की उन्नति और प्रगति के लिए मिलकर काम करें, यह समय की आवश्यकता है। आज जिनका, हम सम्मान कर रहे है, वे आने वाले समय में समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझे और समाज के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए समाज को आगे बढ़ाने में योगदान करें। उन्होंने समाज के लोगों से भी कहा कि समाज के कार्यक्रमो में सामाजिक सहभागिता दर्ज कराए ताकि अथक परिश्रम से खड़ा किया गया हमारा समाज और प्रगति करें। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक लोग मौजूद थे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कर्मचारियों की पदोन्नति के नए नियमों पर सुनवाई आज

हाईकोर्ट में तुलनात्मक चार्ट पेश करेगी सरकार

भोपाल । मप्र के लाखों कर्मचारियों को 9 साल बाद मिली पदोन्नति की सौगात पर फिलहाल रोक लग गया है। अब 15 जुलाई को इस मामले में सुनवाई होनी है। हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट का आदेश आते ही पदोन्नति प्रक्रिया की फाइलें बंद कर अधिकारी पदोन्नति नियम के पक्ष में जवाब पेश करने में जुट गई है। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों से पदोन्नति के नए और पुराने नियमों की विस्तार से जानकारी लेने के बाद महाधिवक्ता कार्यालय (एजी ऑफिस) दोनों नियमों में अंतर के संबंध में तुलनात्मक चार्ट तैयार किया है। दोनों नियमों में अंतर संबंधी तुलनात्मक चार्ट को 15 जुलाई को होने वाली सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट में पेश किया जाएगा। जानकारी के अनुसार हाईकोर्ट के आदेश पर मप्र सरकार ने कर्मचारियों की पदोन्नति के पुराने नियम (वर्ष 2002) और नए नियम (वर्ष 2025) में अंतर संबंधी तुलनात्मक चार्ट तैयार कर लिया है, जिसे 15 जुलाई को हाईकोर्ट में पेश किया जाएगा। तुलनात्मक चार्ट के साथ वर्ष 2016 के बाद पदोन्नति के संबंध में सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी आदेशों को भी संलग्न कर हाईकोर्ट में पेश किया जाएगा, ताकि सरकार का पक्ष और मजबूत हो सके। प्रदेश के 5 लाख कर्मचारियों की निगाहे मंगलवार को हाईकोर्ट में होने वाली सुनवाई पर रहेंगी।

पदोन्नति के नियमों में करीब 20 अंतर

सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वर्ष 2002 और वर्ष 2025 के पदोन्नति के नियमों में करीब 20 अंतर है, जिनके आधार पर तुलनात्मक चार्ट तैयार किया गया है। इनके संबंध में विस्तृत जानकारी महाधिवक्ता कार्यालय (एजी ऑफिस) को दे दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि पूर्व में भी एजी ऑफिस को इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई थी, पर वह 7 जुलाई को सुनवाई के दौरान कोर्ट में अपनी बात ठीक से नहीं रख पाया। बता दें कि नए पदोन्नति नियमों के विरोध में कुछ कर्मचारी हाईकोर्ट चले गए थे। गत 7 जुलाई को कर्मचारियों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया पर अगली सुनवाई (15 जुलाई) तक रोक लगा दी थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकार को अगली सुनवाई में वर्ष 2002 और 2025 के पदोन्नति नियमों में अंतर संबंधी तुलनात्मक चार्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। कोर्ट के आदेश पर सभी विभागों ने विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें रोक दी हैं।

इन नियमों के विरोध में हाईकोर्ट गए

मप्र सरकार ने कर्मचारियों की पदोन्नति पर नौ साल से लगी रोक हटाने के लिए जून में मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 को मंजूरी दी है। सपाक्स के नेतृत्व में अनारक्षित वर्ग के कर्मचारी पदोन्नति के नए नियमों में एससी-एसटी वर्ग के लिए क्रीमीलेयर का सिद्धांत लागू नहीं करने, एससी-एसटी वर्ग को 36 प्रतिशत आरक्षण देने के बाद उन्हें अनारक्षित वर्ग के लिए बची सीटों पर मेरिट के आधार पर पदोन्नत करने पदोन्नति में एफिशिएंसी टेस्ट का प्रावधान नहीं किए जाने जैसे नियमों के विरोध में हाईकोर्ट गए है। पदोन्नति के नए नियमों में जो प्रमुख प्रावधान किए गए हैं उनमें पदोन्नति के लिए रिक्त पदों को एससी 16 प्रतिशत), एसटी (20 प्रतिशत) और अनारक्षित में बांटा जाएगा। पहले एससी-एसटी के हिस्से वाले पद भरे जाएंगे। फिर अनारक्षित पदों पर एससी-एसटी से लेकर सभी दावेदार पात्र होंगे। क्लास अधिकारी के लिए लिस्ट मेरिट कम सीनियोरिटी के आधार पर, जबकि क्लास-2 और नीचे के पदों के लिए सीनियोरिटी कम मेरिट के आधार पर दावेदारों की सूची बनेगी। पूर्व में प्रमोशन पा चुके कर्मचारियों को रिवर्ट नहीं किया जाएगा, न रिटायर्स कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। पदोन्नति से भरे जाने वाले हर संवर्ग के पद अलग से तय होंगे। डीपीसी में एससी-एसटी वर्ग का एक-एक अधिकारी शामिल होगा।

अत्यंत दुर्लभ घड़ियाल के 30 बच्चे और 36 बटागुर कछुए किये जप्त

स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की बड़ी कार्रवाई

भोपाल। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव के निर्देश पर स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश द्वारा सूचना तंत्र विकसित कर क्षेत्रीय इकाई भोपाल, शिवपुरी के साथ संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए सबलगढ़-मुरैना मार्ग पर घेराबंदी कर जौरा शहर थाने के पास 12 जुलाई को 3 व्यक्तियों से अत्यंत दुर्लभ प्रजाति के घड़ियाल के 30 बच्चे और 36 बटागुर कछुए जप्त करने में सफलता प्राप्त की है। विवरण में बताया गया कि फोर्स द्वारा वाहन रोककर तलाशी ली गयी, जिसमें सवार 3 व्यक्ति विजय पिता शाशिकांत गोंड निवासी थाटीपुर ग्वालियर, राजू आदिवासी पिता जगदीश निवासी मउरानीपुर जिला झांसी और रामवीर सिंह पिता शिव सिंह निवासी सूर्य बिहार कॉलोनी ग्वालियर के पास से अत्यंत दुर्लभ 30 घड़ियाल के बच्चे और 14 बटागुर कछुए की जप्ती की गयी।

स्टेट टाइगर फोर्स द्वारा आरोपियों से पूछताछ के बाद आरोपी विजय गोंड के ग्वालियर स्थित निवास से 22 बटागुर कछुए जप्त किये गये। इन आरोपियों पर वन एक्ट के तहत कार्रवाई कर प्रकरण दर्ज किया है इसमें स्थानीय पुलिस एवं वन मण्डल मुरैना द्वारा भी सहयोग किया गया। इन तीनों आरोपियों को शिवपुरी न्यायालय में प्रस्तुत कर फारेस्ट रिमाण्ड पर लेकर पूछताछ की जायेगी। इन आरोपियों पर पूर्व में भी इस प्रकार के प्रकरण दर्ज हैं, जिस पर इन्हें सजा भी हो चुकी है। पूछताछ के दौरान बताया गया कि यह जलीय जीव कोलकाता के रास्ते बांग्लादेश भेजे जा रहे थे।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव ने बताया किजलीय जीव ग्वालियर की चंबल नदी में मुख्यत॰ पाये जाते हैं, जो अत्यंत दुर्लभ प्रजाति के हैं। केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा इन्हें बचाने के प्रयास किये जा रहे हैं। इन संकटप्रद प्रजातियों का जलीय पारिस्थितिकी में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। अन्य देशों के अलावा मुख्यत॰ पश्चिमी यूरोपीय देश में इनकी भारी डिमाण्ड होने के कारण इनकी तस्करी की जाती है।

दलित पिछड़ा समाज संगठन करेगा विधानसभा घेराव

भोपाल। दलित पिछड़ा समाज संगठन ने ओबीसी को 52 प्रतिशत आरक्षण और छात्र संघ चुनाव की बहाली की मांग को लेकर 30 जुलाई को मध्यप्रदेश विधानसभा का घेराव करने का ऐलान किया है। यह फैसला भोपाल के नाइन मसाला रेस्टोरेंट में हुई एक बैठक में लिया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर सिंह यादव ने कहा कि अब आरक्षण के मुद्दे पर आधे-अधूरे समझौते नहीं होंगे, सरकार अगर 52 प्रतिशत आरक्षण नहीं देती है तो बड़ा जन आंदोलन छेड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि आज भी ओबीसी वर्ग को केवल 14 प्रतिशत आरक्षण मिल रहा है, जबकि सुप्रीम कोर्ट की सीमा 27 प्रतिशत है और सामाजिक जनगणना के हिसाब से यह हिस्सा 52 प्रतिशत बनता है।

इंदौर-भोपाल एयरपोर्ट पर लगेंगे मॉडर्न थर्मल स्कैनर

भोपाल। साल 2020 के बाद से संक्रामक घातक बीमारियों का खतरा बढ़ा है। फिर चाहे वो कोरोना हो या मंकी पॉक्स महामारी, इस तरह के वायरस भारत में विदेश से लौटे यात्रियों के साथ आए। अकेला साल 2025 में कोरोना के 28 हजार 426 केस और 157 मौत दर्ज की गईं। वहीं, मध्यप्रदेश में 323 केस और 9 मौत हुईं। ऐसे स्थिति भविष्य में ना बनें इसके लिए भोपाल और इंदौर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर थर्मल स्कैनर लगाए जाएंगे।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज ने एयरपोर्ट, सी-पोर्ट और लैंड क्रॉसिंग जैसे अंतरराष्ट्रीय प्रवेश पॉइंट्स पर थर्मल स्कैनर लगाने के लिए इच्छुक कंपनियों से ईओआई (एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट) मंगा था। इसमें साफ किया गया कि इसका उद्देश्य हेल्थ इमरजेंसी परिस्थितियों जैसे संक्रमणों के दौरान संभावित संक्रमित व्यक्तियों की पहचान करना है।

इंफ्रारेड तकनीक आधारित हो स्कैनर

केंद्रीय मंत्रालय ने साफ किया है कि यह स्कैन इंफ्रारेड तकनीक पर आधारित होने चाहिए। जो बिना किसी संपर्क में आए व्यक्ति के शरीर का तापमान माप सकें। जिससे इन इंटरनेशनल एंट्री पॉइंट्स पर भीड़भाड़ के दौरान बिना किसी रुकावट के लोगों की जांच हो सके।

संक्रमित की पहचान भी करेगा स्कैनर

इन स्कैनर में फेस रिकग्निशन तकनीक, अलर्ट सिस्टम, डेटा स्टोरेज और एक्सपोर्ट की सुविधा होना अनिवार्य किया गया है। जिससे संक्रमित व्यक्ति की पहचान हो, उसकी डिटेल के साथ अलर्ट आए, मरीज के डेटा को डिवाइस स्टोर करे और संबंधित अधिकारी तक पहुंचाए।

अब प्रस्तावों पर होगा मंथन

केंद्रीय मंत्रालय में इससे जुड़े ईओआई पहुंच चुके हैं। कुछ कंपनियों ने ईमेल तो कुछ ने पोस्ट से आवेदन भेजें हैं। आवेदन के साथ कंपनियों का प्रोफाइल, थर्मल स्कैनर की तकनीकी जानकारी, शर्तों के अनुसार फीचर की पुष्टि, सर्विस सपोर्ट और ऑप्शनल रूप से कीमत की जानकारी भी आई है। अब इन प्रस्तावों पर मंथन चल रहा है। गांधी मेडिकल कॉलेज के पल्मोनोलोजिस्ट डॉ. पराग शर्मा ने कहा, यह कदम भविष्य में महामारी जैसी स्थिति से निपटने में अहम भूमिका निभाएगा।

कांग्रेस के जिला-शहर अध्यक्षों के चयन के लिए आज दिल्ली में बैठक

भोपाल। कांग्रेस द्वारा लागू किए गए नवसृजन अभियान के तहत जिला और शहर अध्यक्षों के चयन के लिए मंगलवार को दिल्ली में महत्वपूर्ण बैठक रखी गई है। इस बैठक में सभी शहर-जिला के पर्यवेक्षक के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष को बुलाया गया है।

कांग्रेस द्वारा मध्यप्रदेश में नवसृजन अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत पार्टी अपने सभी शहर और जिला अध्यक्ष बदलने की कोशिश में है। इस कोशिश में हर शहर और जिला अध्यक्ष के चयन के लिए दूसरे प्रदेश के बड़े पदों पर आसीन व्यक्तियों को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा गया। सभी पर्यवेक्षकों का दौरा हो गया और उनके द्वारा अपनी रिपोर्ट अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को सौंप दी गई है। यह रिपोर्ट आने के बाद अब आगे की कार्रवाई शुरू हो रही है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा 15 जुलाई को सभी पर्यवेक्षकों की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार को भी बुलाया गया है। मंगलवार से कांग्रेस के नए अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। ऐसा समझा जाता है कि अगस्त माह में कांग्रेस के नए अध्यक्ष सामने आ जाएंगे। कांग्रेस द्वारा नीतिगत रूप से तय किया गया है कि 50 फीसदी से ज्यादा अध्यक्ष 45 वर्ष से कम उम्र के होना चाहिए। इसके साथ ही जातिगत समीकरण का भी ध्यान रखा जाएगा। पर्याप्त संख्या में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग को अध्यक्ष पद पर प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की जाएगी।

मप्र में बनेंगे चार परमाणु बिजली संयंत्र

भोपाल। प्रदेश के साथ-साथ देश की ऊर्जा जरुरतों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार जल्द ही मप्र के चार जिलों में परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने जा रही है. ये चार जिले हैं- नीमच, देवास, सिवनी और शिवपुरी। इसके लिए कुछ जगहों पर तो बकायदा सर्वे भी पूरा कर लिया गया है। ये संभवत॰ पहली बार होगा कि राज्य में बिजली उत्पादन के लिए इतने बड़े पैमाने पर परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे। दरअसल, प्रदेश में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में अब न्यूक्लियर पॉवर प्रोजेक्ट से बिजली की मांग की पूर्ति की जाएगी।

गौरतलब है कि मप्र में बिजली उत्पादन के लिए सरकार विभिन्न स्रोतों का उपयोग कर रही है। अब प्रदेश की बिजली की जरूरत को पूरा करने के लिए सोलर के अलावा चार शहरों में न्यूक्लियर पॉवर प्रोजेक्ट लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश के नीमच, देवास, सिवनी और शिवपुरी में एनटीपीसी द्वारा ये प्रोजेक्ट स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए जहां एनटीपीसी सक्रिय हो चुकी है, वहीं राज्य शासन ने परमाणु परियोजनाओं की स्थापना में सहयोग के लिए समिति का गठन पहले ही कर दिया है। समिति भूमि अधिग्रहण और जमीन खरीदने, जल उपलब्धता व आवंटन के लिए समन्वय का काम देख रही है।

पर्यावरण विभाग में हाई वोल्टेज ड्रामा...

सुबह चेयरमैन का दफ्तर सील, दोपहर में फिर खोला

भोपाल। राजधानी भोपाल में सिया (स्टेट एनवायरनमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी) के चेयरमैन शिवनारायण सिंह चौहान का दफ्तर सील कर दिया गया है। पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी के निर्देश पर सोमवार को यह कार्रवाई होना बताई जा रही है। खास बात यह है कि सुबह दफ्तर सील किया गया, दोपहर करीब 3.30 बजे खोल भी दिया गया। इसके बाद सिया के चेयरमैन शिवनारायण सिंह चौहान अपने चेंबर में बैठने पहुंचे। दफ्तर सील किए जाने को लेकर सिया के चेयरमैन शिवनारायण सिंह चौहान ने कहा कि मैंने परमिशन जारी करने में हुए भ्रष्टाचार को उजागर किया था, इसलिए यह कार्रवाई की गई है। इधर, कोठारी ने अब तक इस मामले में कोई बात नहीं की है।

सिया के चेयरमैन शिवनारायण सिंह चौहान ने बताया कि पिछले लगभग 65 दिनों से सिया की कोई बैठक नहीं हुई है। जबकि नियमानुसार सिया के खातों का निराकरण 65 दिनों के भीतर करना अनिवार्य है। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो संबंधित अधिकारियों का अप्रेजल नहीं हो सकेगा। चेयरमैन ने कहा, जब मैं पत्र तैयार कराने के लिए सिया कार्यालय गया, तो कार्यालय बंद मिला। मैंने प्रशासनिक अधिकारी को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रमुख सचिव नवनीत कोठारी ने निर्देश दिए कि सिया के अध्यक्ष को कार्यालय के कक्ष में नहीं बैठने दिया जाए। कहा गया कि जिस दिन बैठक होगी, उस दिन केवल मीटिंग हॉल में ही बैठेंगे। कार्यालय तब तक बंद ही रहेगा। उन्होंने आगे बताया कि वरिष्ठ

अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद ही कार्यालय खोला गया। जब मैंने स्थिति की जानकारी ली, तो पता चला कि नवनीत कोठारी और आर. उमा माहेश्वरी ने गंभीर अनियमितताएं की हैं। भ्रष्टाचार हुआ है, जिसकी जानकारी मुझे मिली। उससे घबराकर कार्यालय बंद कर दिया होगा। लेकिन सभी बातें वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में आई तो फिर उन्होंने यह कक्ष खुलवाया।

पर्यावरण क्लीयरेंस में गड़बड़ी का आरोप लगाया

शिवनारायण सिंह चौहान ने बताया कि एनवायरनमेंट क्लीयरेंस जारी करने की अधिकृत एजेंसियां केवल दो हैं- भारत सरकार और स्टेट एनवायरनमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी, इनके अलावा कोई भी संस्था इनवायरनमेंट क्लीयरेंस जारी नहीं कर सकती। लेकिन नवनीत कोठारी, जो पर्यावरण विभाग में सचिव हैं, उन्होंने अपने स्तर पर 450 केसों में से चुन-चुन कर 237 मामलों में इनवायरनमेंट क्लीयरेंस जारी कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह गंभीर अनियमितता है, जिसमें 5 साल तक की सजा का प्रावधान है। इसे शासन के संज्ञान में लाना मेरा कर्तव्य था और मैंने यह बात संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाई है। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते सिया के चेयरमैन शिवनारायण सिंह चौहान ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर प्रमुख सचिव पर्यावरण डॉ. कोठारी और एप्को डायरेक्टर उमा आर माहेश्वरी पर आपराधिक केस दर्ज कराने के लिए कहा था। यह पूरा मामला 450 प्रकरणों में पर्यावरणीय अनुमति दिए जाने से जुड़ा है। सिया चेयरमैन का कहना है कि परमिशन देने का अधिकार डायरेक्टर या प्रमुख सचिव को है ही नहीं, इसके बाद भी ऐसा करना अपराध की श्रेणी में आता है।

परमिशन देने वाले को 5 साल सजा का प्रावधान

सिया के नियमों में साफ लिखा है कि सिया की कमेटी के अलावा कोई परमिशन जारी नहीं कर सकता है। अगर कोई ऐसा करता है तो उसे 5 साल की सजा का प्रावधान है। इसी आधार पर सिया के चेयरमैन ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर आपराधिक मामला दर्ज कराने की मांग की है। सरकार के नियमों में प्रावधान है कि 250 हेक्टेयर से अधिक की भूमि के मामले में पर्यावरणीय अनुमति केंद्र सरकार देगी और इससे कम 250 हेक्टेयर तक या इससे कम के मामलों में सिया ही अनुमति देगी। अगर सिया कमेटी नहीं है तो इस पर केंद्र सरकार ही परमिशन देगी।

237 मामलों में आदेश जारी, बाकी के नहीं किए

मुख्य सचिव को लिखे पत्र में कहा गया है कि खनिज के 200 समेत 450 केस में पर्यावरणीय मंजूरी के मामले में स्टेट एनवायरमेंट इंपैक्ट एसेसमेंट अथॉरिटी (सिया) की अनदेखी की गई है। प्रमुख सचिव और एप्को डायरेक्टर ने 700 से अधिक लंबित प्रकरणों में से 237 पर्यावरणीय मंजूरियां गैर कानूनी तरीके से पिक एंड चूज पैटर्न पर जारी कर दी है जबकि सिंहस्थ से जुड़े कई अहम प्रोजेक्ट को लटकाकर रखा है।

23 मई को सामने आया था मंजूरी देने का मामला

प्रदेश में खनिज, उद्योग और बड़े निर्माण प्रोजेक्ट को पर्यावरणीय मंजूरी जारी करने का यह मामला 23 मई को तब सामने आया, जब स्टेट एनवायरनमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी की मंजूरी के बिना एप्को के प्रभारी सदस्य सचिव श्रीमन शुक्ला ने प्रमुख सचिव के अनुमोदन से 450 मामलों में डीम्ड पर्यावरणीय मंजूरी जारी कर दी है। 23 मई को यह ईसी जारी की गई थी, जिसमें 200 से अधिक मामले खनिज विभाग से संबंधित रहे। चौहान ने डीम्ड परमिशन जारी किए जाने को गैर कानूनी बताते हुए पूरे मामले की शिकायत केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से कर दी है।

सात राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों की बैठक में तोमर बोले

समितियों की अनुशंसाओं का पालन गंभीरता से होना चाहिए

भोपाल। मप्र विधानसभा में सात राज्यों की समिति की पहली बैठक हुई। इस बैठक में मप्र के विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, यूपी के स्पीकर सतीश महाना, राजस्थान के स्पीकर वासुदेव देवनानी, हिमाचल प्रदेश के स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया, पश्चिम बंगाल के स्पीकर विमान बनर्जी, उड़ीसा की स्पीकर सुरमा पाढ़ी, सिक्किम विधानसभा के स्पीकर मिंगमा नोरबू शेरपा और इन राज्यों की विधानसभाओं के सचिव मौजूद थे। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा-एक बात चलती है समितियों को और काम करने की स्वायत्तता मिलनी चाहिए। कामकाज सबके सामने आना चाहिए। समितियों की अनुशंसाओं का समय सीमा में पालन होना चाहिए। ऐसे कई प्रकार के विषय आते हैं तो समिति काम करती है तो अनुशंसा का पालन भी उतनी गंभीरता से होना चाहिए। इसमें कहीं न कोई कमी होती है तो हमारी कोशिश होनी चाहिए कि इन बैठकों के माध्यम से हम राज्य और केन्द्र सरकार के ध्यान में ये बातें लाएं। आज की प्रारंभिक बैठक के बाद ये बैठकें निरंतर होती रहेंगी।

बैठक में नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि हमारे देश की लोकतांत्रिक प्रणाली में संसद और विधानसभाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। संसद का सत्र हो या विधानसभाओं के सत्र हों उन सत्रों में जितनी सूक्ष्म निगरानी की जरूरत होती है वह करना संभव नहीं होता। इसलिए हमारे पूर्वजों ने समितियों के गठन की प्रणाली को शुरु किया। लोकसभा की समितियों में तो बजट पर भी विचार-विमर्श होता है। जब बजट सत्र होता है तो बीच में छुट्टी करके सारा बजट समितियों के पास जाता है समितियां ही उस पर अध्ययन कर सुझाव देती हैं। उसके बाद वह बजट परिमार्जित होकर लोकसभा में आता है और फिर पारित किया जाता है। ठीक इसी प्रकार से विधानसभाओं में भी समितियों की प्रणाली है।

समितियां निरीक्षण और भ्रमण करतीं हैं

नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि हमारे मप्र में चार वित्तीय समितियां हैं जिनका निर्वाचन होता है। इसके अलावा अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग के लिए दो समितियां हैं जिनका निर्वाचन होता है। बाकी 15-16 समितियां हैं जिनमें पक्ष-विपक्ष मिलकर अध्यक्ष की ओर से नाम निर्देशित किए जाते हैं। वो समितियां भ्रमण करतीं हैं अध्ययन, निरीक्षण करतीं हैं जरूरत पडने पर शासन को बुलाकर विमर्श करतीं हैं। जिसमें और काम करने की जरूरत है या विधानसभा के निर्देश या सदन में दिए गए आश्वासन, अपूर्ण उत्तर, या मंत्रालयों के जनोपयोगी विषयों पर काम करती हैं।

तकनीक के उपयोग के साथ काम भी बढ़ रहा

तोमर ने कहा- समय समय पर जैसे-जैसे देश की आबादी बढ़ रही है टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ रहा है उसी प्रकार संसद और विधानसभाओं में काम भी बढ़ रहा है। उस काम की समीक्षा हो सके, काम में दक्षता आ सके इसलिए समिति प्रणाली को और ज्यादा दक्ष और प्रभावी बनाने के लिए पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश में हुई पीठासीन अधिकारियों की बैठक में छोटे ग्रुप बनाने की बात आई थी।

नई भर्ती में 50 फीसदी आरक्षण की मांग

50 हजार आउटसोर्स बिजली कर्मचारी मुखर...

भोपाल। सरकारी विभागों में ज्यादातर कार्य आउटसोर्स कर्मचारी के जिम्मे चल रहा है। बिजली जैसे महत्वपूर्ण विभाग में प्रदेश में 55 से 60 हजार आउटसोर्स कर्मचारी व्यवस्थाओं का सुचारू संचालन वर्षों कर रहे हैं। अब ऊर्जा विभाग की ओर से 49 हजार पदों पर नई भर्ती की घोषणा के साथ ही आउटसोर्स कर्मचारियों ने एकजुटता दिखाते हुए गुहार लगाई है कि वह वर्षों से पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहे हैं, उन्हें 50 फीसदी आरक्षण दिया जावे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बिजली कंपनियों में नई भर्ती के लिए कैबिनेट बैठक में निर्णय ले लिया है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्नसिंह तोमर बिजली कर्मचारियों की भर्ती को लेकर लगातार प्रयास कर रहे थे। इधर बिजली कंपनियों में लगातार कर्मचारी सेवानिवृत्ति हो रहे हैं और काम का बोझ सीधा आउटसोर्स कर्मचारी पर होने से नई समस्याओं का सृजन हो रहा है। मध्यप्रदेश में 6 बिजली कंपनियां हैं। यहां पर तकरीबन 55 से 60 हजार आउटसोर्स कर्मचारी अलग-अलग पदों पर सेवाएं दे रहे हैं। इनमें 60 फीसदी पद तो ऐसे हैं, जो लाइन स्टाफ और लाइनमैन जैसे महत्वपूर्ण कड़ी का हिस्सा है। मध्यप्रदेश बाह्य स्त्रोत विद्युत कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शिवसिंह राजपूत ने बताया कि हजारों की संख्या में ऐसे आउटसोर्स कर्मचारी हैं, जो 5, 10 और 15 साल से बिजली कंपनी में सेवाएं दे रहे हैं। दिन-रात उपभोक्ताओं की समस्याओं को हल करने में तत्पर रहते हैं। अब नई भर्ती में हमको अनदेखा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री, ऊर्जामंत्री से कर्मचारियों ने गुहार लगाई है कि उन्हें नई भर्ती में 50 फीसदी आरक्षण दिया जाए। इसके लिए मध्यप्रदेश बाह्य स्त्रोत विद्युत कर्मचारी संगठन को भारतीय मजदूर संघ का साथ मिल गया है। संगठन के कुलदीप सिंह ने आश्वासन दिया कि आउटसोर्स कर्मचारी के साथ उनकी आवाज को बुलंद करेंगे।

नीरज सहित कई एथलीट विश्व चैंपियनशिप से पहले यूरोप और अमेरिका में अभ्यास करेंगे

नई दिल्ली। विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए विदेश में प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। इसका खर्च खेल मंत्रालय उठाएगा। इसी के तहत ही भारतीय खिलाड़ी सितंबर में होने वाले विश्व चैंपियनशिप से पहले यूरोप और अमेरिका में अभ्यास करेंगे। एथलेटिक्स के सबसे अधिक खिलाड़ियों को विदेश में प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। एक बैठक में एथलेटिक्स के लिए 86 लाख रुपये के प्रशिक्षण और प्रतियोगिता प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी है। इस राशि का एक बड़ा हिस्सा उन खिलाड़ियों के लिए निर्धारित किया गया है जिन्होंने 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के नाम विश्व चैंपियनशिप के दो पदक है और 27 साल का यह खिलाड़ी एक बार फिर से भारत के लिए पदक

की सबसे बड़ी उम्मीद होगा। वह 57 दिनों के लिए प्राग और चेक गणराज्य के निम्बार्क में प्रशिक्षण लेंगे। चोपड़ा ने 2022 में रजत और 2023 में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं स्टीपलचेज खिलाड़ी अविनाश साबले, पारुल चौधरी और लंबी दूरी के धावक गुलबीर सिंह 15 जुलाई से तीन सितंबर तक कोलोराडो स्प्रिंग्स, लॉस एंजिल्स में प्रशिक्षण लेंगे। सरकार ने तीनों के प्रशिक्षण खर्च के लिए 41.29 लाख रुपये मंजूर किए हैं।

ये तीनों राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं और उन्होंने मई में एशियाई चैंपियनशिप के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया था। इसमें साबले ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि चौधरी ने महिलाओं की स्टीपलचेज और 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक हासिल किया था। गुलवीर ने पुरुषों की 10,000 मीटर के साथ-साथ 5,000 मीटर स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक हासिल किया था।

वहीं मध्यम दूरी के धावक अजय कुमार सरोज को शीर्ष खिलाड़ियों के साथ अभ्यास के लिए 10.32 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। उन्होंने 2023 में हांगझोऊ एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। पिछले साल का अधिकांश समय सरोज टखने की चोट से जूझते रहे थे। लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर 19 जुलाई से 14 अगस्त तक यूरोप और मध्य एशिया (पुर्तगाल, स्पेन और कजाकिस्तान) में प्रतियोगिताओं के लिए जाएंगे, जिसके लिए सरकार ने 5.58 लाख रुपये मंजूर किए हैं।महिला लंबी कूद की खिलाड़ी एंसी सोजन और शैली सिंह भी लंदन, बर्लिन और लॉजेन में होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए यूरोप में रहेंगी, जिस पर 9.21 लाख रुपये का खर्च आएगा। पैरा बैडमिंटन में 11 खिलाड़ी 22 से 26 जुलाई तक कार्डिफ में ब्रिटिश और आयरिश पैरा-बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

सिराज पर 15 फीसदी जुर्माना लगा

लॉर्ड्स। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यहां तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर आचार संहिता उल्लंघन के लिए 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज किया गया है। सिराज पर ये जुर्माना आक्रामक रुख दिखाने के लिए लगाया गया है। आईसीसी के अनुसार सिराज ने इंग्लैंड के बेन डकेट को आउट करने के बाद जिस प्रकार से आक्रामक प्रतिक्रिया जतायी वह सही नहीं थी। उन्होंने डकेट से कंधे से कंधा मिला दिया, जिसके बाद अंपायरों ने इस मामले में हस्तक्षेप किया। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक के अनुसार सिराज ने अपने इस व्यवहार से गलत उदाहरण पेश किया है। कुक के अनुसार सिराज को ऐसा व्यवहार करने की कोई जरूरत नहीं थी। इसके बाद कुक ने कहा, यह स्वीकार नहीं है। आपको किसी के सामने पर इस तरह चिल्लाना नहीं चाहिए। मैं पूरी तरह से कहता हूं कि यह गलत था। किसी से टकराना नहीं चाहिये। विकेट का जश्न ऐसे मनाएं जैसे आप चाहते हैं। आपने उसे आउट

कर दिया है; आपको उसे देखने और उसके चेहरे पर चिल्लाने की जरूरत नहीं है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि इसके परिणाम होंगे, और परिणाम होने चाहिए। यह मेरी राय है। मुझे लगा कि इसने सीमा पार कर दी। कुक ने एक दिन पहले भारतीय कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों डकेट और जैक क्राउली के बीच हुई तीखी बहस को लेकर कहा कि उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है। शुभमन तब भड़क गए थे जब क्रॉली समय बर्बाद कर रहे थे और ये प्रयास कर रहे थे कि भारतीय टीम केवल एक ओवर ही फेंक सके, जबकि वे आसानी से दो ओवर फेंक सकते थे। कहा कि इस तरह के नाटक से टेस्ट क्रिकेट में ड्रामा और मसाला ही जुड़ता है।

हम भारत को 250 रनों का लक्ष्य देना चाहिते थे - ट्रेस्कोथिक

लॉर्ड्स। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक ने कहा है कि उनकी टीम का लक्ष्य 250 से अधिक रनों का लक्ष्य भारत को देना था हालांकि वह इसमें सफल नहीं रहे। भारतीय टीम ने इसका पीछा करते 58 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये हैं और उसे अभी जीत के लिए 135 रनों की जरुरत है जबकि इंग्लैंड को जीत के लिए छह विकेट चाहिये। इससे पहले चौथे दिन इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में 192 रनों पर ही सिमट गयी थी। ट्रेस्कोथिक ने कहा, हम 250 से अधिक रन बनाना चाहते थे पर पहली पारी में यह अंदाजा लगाना कठिन हो रहा था कि एक अच्छा स्कोर क्या होगा। ट्रेस्कोथिक ने कहा कि उनकी टीम को अंतिम 30 मिनट में प्रशंसकों के हौंसला बढ़ाने से सहायता मिली। साथ ही कहा कि दोनों टीमें जीत हासिल करने के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। साथ ही कहा कि अंतिम दिन पहले घंटे का खेल बहुत अहम होगा। भारतीय बल्लेबाजों को पहले चार दिनों को देखते हुए तेज गेंदबाजों से सतर्क रहना होगा।

डब्यूपीएल से महिला क्रिकेट को मिली कई प्रतिभाएं - कोच मजूमदार

बर्मिंघम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि महिला प्रीमियर लीग (डब्यूपीएल) के अनुभवों के कारण ही इस बार भारतीय टीम इंग्लैंड में टी20 सीरीज जीतने में सफल रही है। उन्होंने कहा, 'डब्यूपीएल से टीम को कई प्रतिभाएं मिली हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है पर भारत में और भी टूर्नामेंट हैं जिन पर हमारी नजरें है। बहुत सारे घरेलू खिलाड़ी भी इनमें खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'डब्यूपीएल बीसीसीआई की पहल का एक हिस्सा मात्र है। इसलिए मुझे लगता है कि डब्ल्यूपीएल हमारे लिए एक सुखद अनुभव रहा है। लेकिन साथ ही ऐसे अन्य टूर्नामेंट भी हैं जो महत्वपूर्ण हैं। भारत की पदार्पण करने वाली बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 10 विकेट लेकर श्रृंखला जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वह भी डब्ल्यूपीएल से ही निकलकर भारतीय टीम में पहुंची हैं। अमोल ने कहा, 'मुझे लगता है, आप जानते हैं, डब्ल्यूपीएल से हमने उन्हें पहचाना और फिर मुझे लगता है कि उनकी प्रगति शानदार रही है। हम एक बाएं हाथ की स्पिनर की तलाश में थे और वह इस काम के लिए बिल्कुल सही रही हैं। मजूमदार ने कहा कि इस सीरीज में सबसे विशेष बात भारत की सटीक गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण रहा जिसने पहले से ही मजबूत बल्लेबाजी क्रम का अच्छा साथ निभाया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि सबसे अहम बात हमारी गेंदबाजी थी। इसमें कोई संदे नहीं है। भारत से रवाना होने से पहले हमारे पास एक रणनीति थी। हमारा शिविर अच्छा था और हमने अपनी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण पर काफी ध्यान दिया जिसका प्रभाव इस सीरीज में दिखा। मुझे लगता है कि सबसे बड़ी उपलब्धि हमारी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण रहे। राधा यादव की गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण ने भी श्रृंखला के दौरान ध्यान आकर्षित किया और मजूमदार ने कहा कि यह सुधार इस बाएं हाथ की स्पिनर द्वारा घरेलू स्तर पर किए गए प्रयासों का परिणाम है।

सिनर ने अल्काराज को हराकर विंबलडन खिताब जीता

लंदन। इटली के शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी यानिक सिनर नये विम्बलडन टेनिस चैम्पियन बनकर उभरे हैं। सिनर ने रविवार को यहां पुरुष एकल के फाइनल में स्पेन के कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर अपना चौथा ग्रैंडस्लैल खिताब जीता। सिनर का ये पहला विम्बलडन खिताब है। इस जीत के साथ ही सिनर ने अल्काराज के लगातार खिताब जीतने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। अल्काराज ने सिनर के खिलाफ पिछले पांच मुकाबले जीते थे। इसमें फ्रैंच आपन की जीत भी शामिल है। सिनर ने इस बार फाइन में कोई गलती नहीं की। दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। अल्काराज सेंटर कोर्ट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 24 मैच की जीत के साथ उतरे थे। उन्होंने ऑल इंग्लैंड क्लब में चौथे सेट में 4-3, 15-40 के स्कोर पर सर्विस करते हुए उन्हें दो ब्रेक अंक का सामना करना पड़ा।

बोलैंड ने बनाया रिकॉर्ड

जमैका। जमैका में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में युवा ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत का रिकॉर्ड बनाया है। बोलैंड साल 1915 के बाद से ही टेस्ट क्रिकेट में 2000 गेंदें फेंकने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत वाले टेस्ट गेंदबाज बन गए हैं। बोलैंड का वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट में 3-34 का गेंदबाजी औसत आया। रहा टेस्ट गेंदबाजी औसत अब 17.33 हो गया है। ये टेस्ट क्रिकेट के पिछले 110 वर्षों में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ औसत है। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 1900 के बाद से ही बोलैंड से इस सूची में केवल इंग्लैंड के सिड बार्न्स ही आगे रह हैं, जबकि बोलैंड से ऊपर के अन्य छह गेंदबाज 1800 के दशक के हैं और टेस्ट क्रिकेट के शुरुआती दौर में हैं। बोलैंड की गेंदबाजी से इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने मेजबान टीम को केवल 143 रनों पर ही आउट कर

दिया। बोलैंड ने वेस्टइंडीज के जॉन कैंपबेल को 36 जबकि शाई होप को 23 रन पर पेवेलियन भेज दिया। उन्होंने शमर जोसेफ को आउट कर अपनी टीम को 82 रनों दिला दी। वेस्टइंडीज ने हालांकि ऑस्ट्रेलिया के दूसरी पारी में 99 रनों पर ही छह विकेट गिरावट 181 रनों की बढ़त बना ली। 1915 से सक्रिय क्रिकेटरों का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट गेंदबाजी औसत (न्यूनतम 2000 गेंदें)

स्कॉट बोलैंड (2021-वर्तमान) 17.33 पर 59 विकेट , बर्ट आयरनमॉन्गर (1928-1933) 17.97 पर 74 विकेट, फ्रैंक टायसन (1954-1959) 18.56 पर 76 विकेट, अक्षर पटेल (2021-वर्तमान) 19.34 पर 55 विकेट, जसप्रीत बुमराह (2018-वर्तमान) 19.48 पर 217 विकेट

शुभमन इंग्लैंड में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने

लॉर्ड्स। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट में भले ही अधिक रन नहीं ना पाये पर इस मैच में उन्होंने एक महत्वपूर्ण रिकार्ड अपने नाम किया है। शुभमन दूसरी पारी में 9 रन ही बना पाये पर इस दौरान वह भारत-इंग्लैंड सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये। इससे पहले ये रिकार्ड राहुल द्रविड़ के नाम था। शुभमनल ने शुरुआती दो टेस्ट मैच शतक और एक दोहरा शतक लगाकर दो दशक पुराना सबसे अधिक रनों का रिकार्ड तोड़ा। इस सीरीज में अब तक शुभमन ने 6 पारियों में सबसे अधिक 603 रन बनाये हैं। इसी के साथ ही वह इंग्लैंड में मेजबानों के खिलाफ किसी टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सबसे ऊपर हो गये हैं। इससे पहले द्रविड़ ने साल 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ उसकी की

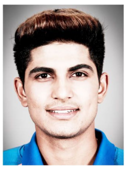

धरती पर एक टेस्ट सीरीज में 602 रन बनाए थे। वहीं इस सूची में विराट कोहली 593 रन के साथ तीसरे जबकि सुनील गावस्कर 542 रन के साथ चौथे नंबर पर हैं। कोहली ने साल 2018 में जबकि गावस्कर ने 1979 में ये उपलब्धि हासिल की थी।

इस मैच में भारतीय टीम ने 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 58 रन तक चार विकेट खो दिये। भारतीय टीम की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल शून्य पर ही आउट हो गये। इसके बाद करुण नायर 14 और कप्तान शुभमन 06 रनों पर पेवेलियन लौट गये। ऐसे में अब अंतिम दिन भारतीय टीम को 135 रन चाहिये जबकि उसे पास छह विकेट हैं। के एल राहुल 33 रन पर खेल रहे थे।

लिवरपूल ने प्रेस्टन को 3-1 से हराया, डिओगो की याद में काली पट्टी बांधकर उतरे खिलाड़ी

लंदन। लिवरपूल ने प्रेस्टन नॉर्थ एंड को 3-1 से हराकर 2025-26 प्री फुटबॉल सीजन की अच्छी शुरुआत की है। इस मैच से पहले लिवरपूल ने अपने दिवंगत खिलाड़ी डिओगो जोटा को श्रद्धांजलि दी। डिओगो और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की पिछले सप्ताह स्पेन में एक कार हादसे में मौत हो गई थी। मैच शुरू होने से पहले प्रेस्टन और लिवरपूल के खिलाड़ियों ने डिओगो और उनके भाई आंद्रे की याद में एक मिनट का मौन रखा और जोटा के लिए पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बांह पर काली पट्टी बांध रखी थी। 20वें मिनट में, जब दोनों भाइयों की तस्वीर दिखाई गई, तो पूरा स्टेडियम भावुक हो गया।

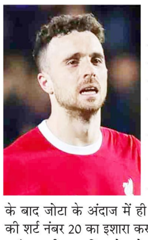

डिओगो और आंद्रे को दी जाने वाली श्रद्धांजलि यहीं नहीं रुकी। लिवरपूल के डार्विन नुनेज ने दूसरे हाफ में गोल करने के बाद जोटा के अंदाज में ही जश्न मनाया। वहीं कोडी गाकपो ने जोटा की शर्ट नंबर 20 का इशारा करते हुए अपने गोल का जश्न मनाया, जिससे प्रशंसक भी उत्साहित हो गये। कॉनर ब्रैडली ने पहले हाफ के अंत में गाले किया। ब्रेक केबाद नुनेज ने एक गोल कर अपनी टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। वहीं गैकपो ने अंतिम मिनटों में एक गोल किया। वहीं प्रेस्टन की ओर से एकमात्र गोल लियाम लिंडसे ने किया।

अब भी रहाणे को टेस्ट टीम में वापसी की उम्मीद

लंदन। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अब भी उम्मीद नहीं छोड़ी है और वह एक बार फिर भरतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं। रहाणे की उम्र 37 साल हो गयी है पर वह अभी अपनी फिटनेस बनाये हुए हैं। उनका प्रयास अगले महीने से शुरू हो रहे घरेलू क्रिकेट सत्र में बेहतर प्रदर्शन एक अपनी दावेदारी मजबूत करना है। रहाणे घरेलू क्रिके के अलावा आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान भी हैं जिसकी ओर से 2025 सत्र में उन्होंने काफी रन बनाये थे।

इस बल्लेबाज ने 85 टेस्ट मैचों में 12 शतक की सहायता से 5077 रन बनाये हैं। रहाणे ने अंतिम बार 2023 में वेस्टइंडीज दौरे में खेला था। उसके बाद से ही चयन समिति ने रहाणे के साथ-साथ चेतेश्वर पुजारा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को भी टीम से बाहर रखा है। रहाणे ने हालांकि हिम्मत नहीं हारी है। इंग्लैंड के पूर्व

कप्तान नासिर हुसैन से बातचीत के दौरान रहाणे ने कहा, यहां आकर अच्छा लग रहा है। मैं अब भी टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मुझे टेस्ट क्रिकेट के लिए बहुत जुनून है और फिलहाल मैं अपने क्रिकेट का आनंद ले रहा हूं। मैं यहां कुछ दिनों के लिए ट्रेनिंग के लिए आया जिससे अपने को फिट बनाये रख सकूं। हमारा घरेलू सत्र शुरू होने वाला है, इसलिए तैयारी भी शुरू हो गई है।

रहाणे ने यह भी कहा कि उन्होंने अभी हार नहीं मानी है और टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए अपनी ओर से सभी प्रयास कर रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में अजिंक्य रहाणे एक बार फिर से मुंबई की रणजी टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। रहाणे का अनुभव और नेतृत्व क्षमता युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक मानी जाती है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि वह अपने बल्ले और नेतृत्व से चयनकर्ताओं का ध्यान फिर से खींच पाते हैं या नहीं. भले ही रहाणे फिलहाल टीम इंडिया का हिस्सा न हों, लेकिन उनका समर्पण और खेल के प्रति जुनून आज भी पहले की तरह ही है। अब देखना है कि वह किस हद तक सफल होते हैं।

रूट पर अंपायर रीफेल के फैसले से गावस्कर नाराज, ट्रॉट भी हैरान हुए

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावसकर ने अंपयरिंग स्तर की आलोचना की है। बचे हैं। मैच में कमेंटरी कर रहे गावस्कर अंपायर पॉल रीफेल के जो रूट को नाट आउट देने पर भड़क गये। गावस्कर ही नहीं इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट भी अंपायर के फैसले से हैरान नजर आये। जब ये हुआ तक रूट 36 रन बनाकर खेल रहे थे। मोहम्मद सिराज की एक गेंद टप्पा खाने के बाद सीधे उनके पैड से टकराई। गेंद लाइन में पिच हुई थी और पैड से नहीं टकराती तो सीधे लेग स्टंप उड़ जाता। सिराज और भारतीय टीम ने रुप के खिलाफ जोरदार अपील की पर अंपायर ने उसे खारिज कर दिया।

अंपायर के फैसले से कप्तान शुभमन गिल भी नाराज नजर आये। भारत ने रिव्यू लिया। रीप्ले में साफ दिखा कि गेंद लाइन में थी और लेग स्टंप से टकराती। फिर भी अंपायर ने रुट के पक्ष में फैसला दिया। इसपर गावस्कर ने कहा, मैं यह नहीं कर सकता कि गेंद इतनी ज्यादा मूव हुई है। आप कह रहे हैं कि यह लेग स्टंप से टकराने जा रही थी? बिल्कुल नहीं। यह लेग स्टंप उड़ाने जा रही थी। भारत के लिए राहत की बात केवल यह है कि उसे रिव्यू नहीं गंवाना पड़ा है।

वहहीं कॉमेंट्री पैनल में शामिल इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट भी अंपायर के फैसले से हैरान दिखे। उन्होंने कहा, 'मैं स्तब्ध हूं। रीप्ले देखने के बाद मुझे लगता है कि गेंद लेग स्टंप के अंदरूनी हिस्से से टकराने वाली थी। रियल टाइम में देखने पर मैं यह भरोसा नहीं कर सकता कि गेंद स्टंप से बाहर थी।।' भारत के लिए अच्छी बात यह रही कि जो रूट जीवनदान का फायदा नहीं उठा पाए। वह एक रन और बनाकर 40 रन पर पेवेलियन लौट गये।

बशीर के चौथी पारी में गेंदबाजी को लेकर इंग्लैंड चिंतित

लॉर्ड्स । इंग्लैंड टीम प्रबंधन चोटिल हुए ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की फिटनेस को लेकर परेशान हैं। शोएब भारतीय टीम के खिलाफ अभ्यास सत्र के दौरान चौथी और पाँचवीं उंगली पर पट्टियां बंधे हुए थे, इससे यह स्पष्ट नहीं है कि वह बल्लेबाजी के लिए फिट होंगे या नहीं। चौथे दिन सुबह इंग्लैंड की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'अपनी बाईं उंगली की चोट के बाद, शोएब पर नजर रखी जा रही है और उम्मीद है कि वह इस टेस्ट की चौथी पारी में गेंदबाजी कर पायेंगे। तीसरी पारी में वह बल्लेबाजी करेंगे या नहीं, इस पर अभी फैसला नहीं हुआ है। एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफ़ड में होने वाले चौथे टेस्ट में उनके शामिल होने का फैसला मैच के अंत में किया जाएगा। बशीर को यह चोट रवींद्र जडेजा को गेंदबाजी करते समय उस समय लगी जडेजा के ड्राइव को रोकने में लगी।

डब्लयू डब्यलू डब्ययू में ऑर्टन ने मैकइंटायर को हराया

अटलांटा । जॉर्जिया के स्टेट फार्म एरिना में हुए डब्लयू डब्यलू डब्ययू मुकाबले में रेसलर रैंडी ऑर्टन ने आसानी से जीत हासिल की है। ऑर्टन ने इसमें मैकइंटायर को एक रोमांचक मुकाबले में हराया। इस मुकाबले में रिंग के अंदर काफी उथल-पुथल हरी। वहीं रिंग के बाहर भी लोगन और जेली के बीच झगड़े से लोग उत्सहित दिखे।

ऑर्टन और मैकइंटायर के बीच हुए इस मुकाबले से पहले ऑर्टन और कोडी रोड्स के बीच भिड़ंत हुई थी। जिसके बाद ऑर्टन ने गुस्से में आकर मैकइंटायर को आकेओ दे दिया था। इसके बाद 11 जुलाई को स्मैकडाउन में मैकइंटायर ने भी

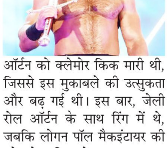

ऑर्टन को क्लेमोर किक मारी थी, जिससे इस मुकाबले की उत्सुकता और बढ़ गई थी। इस बार, जेली रोल ऑर्टन के साथ रिंग में थे, जबकि लोगन पॉल मैकइंटायर की ओर से शामिल थे।

मुकाबले के दौरान, मैकइंटायर ने ऑर्टन पर लगातार वार किए और उनसे पूछा कि उन्हें क्या हुआ है। ऑर्टन ने भी मैकइंटायर के हमलों का पूरी ताकत से जवाब दिया। तीसरी बार जब ऑर्टन ने मैकइंटायर को पटकने की कोशिश की, तो उनका सामना लोगन पॉल से हुआ। मैकइंटायर ने इस मौके का फायदा उठाने की कोशिश की और ऑर्टन के गले पर वार किया। लेकिन, ऑर्टन ने तुरंत डीडीटी दिया।

मैच के निर्णायक क्षणों में, लोगन पॉल और जेली रोल के बीच रिंग के बाहर भिड़त हो गई। पॉल ने जेली रोल को कई बार धक्का दिया, जिसके बाद जेली रोल ने पॉल को गिरा दिया। इस झड़प ने मैकइंटायर का ध्यान भटका दिया, जिसका फायदा उठाते हुए ऑर्टन ने आरकेओर देकर मैच जीत लिया। ऑर्टन को इस जीत से राहत मिली होगी।

इंग्लैंड अंडर-19 टीम ने 239 रनों पर ही पांच विकेट खोये

लंदन। भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम ने कपतान आयुष म्हात्र के शतक से यहां मेजबान इंग्लैंड अंडर 19 टीम के खिलाफ पहले यूथ टेस्ट मैच में 540 रन बनाये हैं। जिसका पीछा करते हुए इंग्लैंड की अंडर-19 टीम रॉकी फ्लिंटॉफ के 93 रनों की सहायता से दिन का खेल समाप्त होने के समय तक 5 विकेट पर 239 रन ही बना पायी। मेजबान टीम अभी इस मैच में भारतीय जूनियर टीम ने 310 रन पीछे हैं। दिन का खेल समाप्त होने के समय थॉमस रेव तीन रन पर खेल रहे थे। एकनाथ सिंह ने खाता नहीं खोला था। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के बेटे आर्ची वॉन और इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज जो के भतीजे जेडन डेनली के शुरुआत में ही आउट होने के बाद रॉकी और कप्तान हमजा शेख ने 84 रन बनाये। इस जोड़ी ने उन्होंने तीसरे विकेट के लिए 154 रन बनाकर इंग्लैंड को दो विकेट पर 191 रन तक पहुंचाया।

भारतीय अंडर-19 टीम के वैभव सूर्यवंशी ने स्पिन गेंदबाजी से शेख को पेवेलियन भेजा। वहीं इससे पहले भारतीय टीम ने सुबह सात विकेट पर 450 रन से आगे खेलते हुए आरएस अंबरीश के 70 रनों की सहायता से कुल स्कोर में 90 रन और बनाये।

जडेजा भरोसेमंद बने हुए हैं - कुंबले

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व कोच रहे अनिल कुंबले ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अब तक भरोसेमंद बने हुए हैं। कुंबले ने जडेजा की बल्लेबाजी में निरंतरता और बढ़ती परिपक्वता की जमकर प्रशंसा की है। कुंबले के अनुसार जिस प्रकार से लॉर्ड्स टेस्ट मैच की पहली पारी में जडेजा ने बल्लेबाजी कर धैर्य और संयम से 72 रन बनाये उसे उनकी परिपक्वता का अंदाजा होता है। इसी कारण भारतीय टीम 387 रनों तक पहुंच पायी। , कुंबले ने कहा, उनमें हमेशा से ही कौशल रहा है, यह बात हम सभी लंबे समय से जानते हैं पर बल्लेबाजी में लगातार निरंतरता बनाने रखना आसान नहीं होता। जडेजा न केवल गेंद से बल्कि बल्लेबाजी के अलावा क्षेत्ररक्षण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इस प्रकार का योगदान अहम है। उन्होंने आगे कहा, उनके पास तकनीक है, घरेलू क्रिकेट में उसने दो तिहरे शतक लगाये हैं। जिस तरह से वह अपनी पारी को बढ़ाते हैं वह देखने में शानदार रहा है बिल्कुल एक आम बल्लेबाज की तरह। इससे जडेजा मध्यक्रम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक बन गए हैं। कुंबले ने कहा, उन्हें बल्लेबाजी क्रम में छठे नंबर पर भेजा गया है और उन्होंने निश्चित रूप से अपने पर बनाये भरोसो को बरकरार रखा है। पिछले मैच में उन्होंने उपयोगी योगदान दिया था और इस बार भी उन्होंने वाशिंगटन सुंदर के साथ शानदार साझेदारी की। जडेजा अब 266 रनों सहित सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में छठे स्थान पर हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव में वोटर लिस्ट में 35 लाख मतदाओं के नाम नहीं होंगे

पटना। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव 2025 से पहले चुनाव आयोग की ओर से चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के तहत करीब 35.5 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस कार्रवाई ने राज्य की राजनीति में भूचाल ला दिया है। विपक्ष ने इसे चुनावी गणित से छेड़छाड़ बताया है। उधर, इस मामले में चल रही सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में भी बेंच ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मंशा पर सवाल उठाते हुए जवाब मांगा है।

चुनाव आयोग ने जानकारी दी कि अब तक 6.6 करोड़ मतदाता (88.18त्न कुल मतदाता) ने पुनरीक्षण फॉर्म जमा किया है। अंतिम तिथि 25 जुलाई है, इसके बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट प्रकाशित की जाएगी।

मृत पाए गए मतदाता- 1.59 प्रतिशत = 12.5 लाख
स्थायी रूप से बिहार छोड़ने वाले- 2.2 प्रतिशत = 17.5 लाख
डुप्लीकेट पंजीकरण- 0.73प्रतिशत = 5.5 लाख
कुल मिलाकर 4.52प्रतिशत मतदाता यानी 35.5 लाख लोग, वोटर लिस्ट से हटेंगे।

चुनाव आयोग के अनुसार, फील्ड वेरिफिकेशन में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के नागरिकों के नाम भी वोटर लिस्ट में पाए गए हैं। ऐसे नामों को सत्यापन के बाद हटाया जाएगा। उधर राजद नेता तेजस्वी यादव ने चेतावनी दी है कि अगर हर सीट से 1त्न वोटर हटे तो भी 3200 नाम प्रति विधानसभा प्रभावित होंगे। अब जब यह संख्या 5त्न से ऊपर जा चुकी है तो चिंता और गहरा गई है। सुप्रीम कोर्ट में इस मुद्दे पर सुनवाई जारी है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने चुनाव आयोग को कहा था कि आधार, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसे दस्तावेजों के आधार पर सत्यापन किया जाए। अगली सुनवाई 28 जुलाई को होनी है।

चुनाव आयोग का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ की जा रही है। मकसद यह है कि मृत, पलायन कर चुके और फर्जी नामों को हटाकर यथार्थपरक वोटर लिस्ट तैयार की जा सके। 25 जुलाई तक फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख है। इसके बाद ड्राफ्ट रोल प्रकाशित होगा। इसी सूची के आधार पर 2025 के चुनावों की मतदाता सूची तय होगी।

सहारा समूह का कार्यकारी निदेशक और ब्रोकर, मनी लॉन्ड्रिंग में गिरफ्तार

- गुप्त तरीके से बेच रहे थे जप्त संपत्तियां

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ने सहारा समूह और उससे जुड़ी हुई अन्य कंपनियों द्वारा मनी लांड्रिंग के मामले में जांच की जा रही है।ईड़ी के अधिकारियों ने कंपनी के प्रबंधन टीम के कार्यकारी निदेशक वेळापरमिम्प्ल अब्राहम और ब्रोकर जितेंद्र प्रसाद वर्मा को गिरफ्तार किया है। सहारा समूह की प्रबंधन टीम में शामिल अब्राहम और ब्रोकर वर्मा ने मिलकर सहारा समूह की संपत्तियों को बेचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संपत्ति की बिक्री से मिलने वाली राशि को गैर कानूनी तरीके से ठिकाने लगाया गया है। संपत्ति बेचने से जो राशि मिली उसको छुपाने का काम दोनों आरोपियों ने किया है।

ईड़ी ने जब इस मामले की जांच की। तलाशी के दौरान कई सबूत ईड़ी अधिकारियों के हाथ लगे। सहारा की संपत्तियों को गुप्त तरीके से बेचा जा रहा था।ईड़ी को जो सबूत मिले हैं। उसके अनुसार संपत्ति बेचने से जो रकम हासिल हुई है। उसमें भारी हेरा फेरी की गई है।

दोनों गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया था। जहां से 14 जुलाई तक के लिए ईड़ी की हिरासत में दोनों आरोपियों को न्यायालय द्वारा दिया गया है। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला विभिन्न राज्यों की पुलिस में मुकदमों के रूप में दर्ज है। उड़ीसा बिहार राजस्थान मध्य प्रदेश इत्यादि राज्यों की पुलिस ने सहारा इंडिया क्रेडिट को ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के खिलाफ 500 से अधिक मामले दर्ज हैं। अब इस मामले की जांच ईड़ी के अधिकारी कर रहे हैं।

इंदौर के कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आएसएस) पर बनाए गए विवादित कार्टून के मामले में इंदौर के कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को सुप्रीम कोर्ट से भी तत्काल राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अरविंद कुमार की डबल बेंच ने सोमवार को उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए तत्काल जमानत देने से इनकार कर दिया। हालांकि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मालवीय को माफी मांगने के लिए मंगलवार तक का समय दिया है। इसके बाद मामले में दोबारा सुनवाई होगी। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट जस्टिस धूलिया ने टिप्पणी की, कि उनमें अभी भी कोई परिपक्वता नहीं है। यह वास्तव में भड़काऊ है। कोर्ट ने कहा कि मालवीय द्वारा बनाया गया कार्टून अशोभनीय और उकसाने वाला है, और इससे लोक व्यवस्था पर असर पड़ सकता है।

बचाव पक्ष की दलील

मालवीय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर ने कहा कि संबंधित पोस्ट हटा दी गई है, और यह मामला व्यक्तिगत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा है। उन्होंने तर्क दिया कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करना अपने आप में कोई आपराधिक कृत्य नहीं है।

सरकारी पक्ष की प्रतिक्रिया

भारत सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने तर्क दिया कि अगर यह पोस्ट आपत्तिजनक है, तो कार्रवाई जरूरी है। ऐसे मामले लगातार सामने आ रहे हैं।

हाईकोर्ट खारिज कर चुका है याचिका

मालवीय की अग्रिम जमानत याचिका मध्यप्रदेश हाईकोर्ट से पहले ही खारिज हो चुकी है, जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। यह मामला राजनीतिक अभिव्यक्ति की सीमाओं और सोशल मीडिया पर जिम्मेदार व्यवहार को लेकर एक बार फिर चर्चा में आ गया है। अब इस प्रकरण की अगली सुनवाई मंगलवार को होगी, जिसमें कोर्ट माफी और अन्य तथ्यों पर विचार कर सकता है।

डीजीसीए ने बड़ी एविएशन कंपनियों को बोइंग एयरक्राफ्ट के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच करने का आदेश दिया

नई दिल्ली । नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सोमवार को भारत की बड़ी एविएशन कंपनियों को बोइंग एयरक्राफ्ट जिनमें बी787 ड्रीमलाइनर और कुछ बी737 एयरक्राफ्ट शामिल हैं, के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच करने का आदेश दिया है। इन एयरक्राफ्ट का प्रयोग इस्तेमाल एयर इंडिया समूह, इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी कंपनियां कर रही हैं। 12 जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि फ्यूल कंट्रोल स्प?लाई स्विच की स्थिति रन से कटऑफ और फिर वापस रन में बदल जाने के कारण इंजनों को फ्यूल की स्प?लाई बंद हो गई थी। एतिहाद सहित कुछ विदेशी एयरलाइनों ने अपने ड्रीमलाइनरों की यह जांच शुरू कर दी है।

सोमवार को जारी डीजीसीए ने अपने आदेश में कहा है, अमेरिका के संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने 17 दिसंबर, 2018 को बोइंग कंपनी मॉडल 717-200 हवाई जहाजों पर फ्यूल कंट्रोल स्विच लॉकिंग सुविधा के विघटन की संभावना के संबंध में एक विशेष एयरवर्थनेस सूचना बुलेटिन (एसएआईबी) जारी किया है।

आदेश के अनुसार डीजीसीए के संज्ञान में आया है कि कई ऑपरेटर्स, अंतरराष?ट्रीय और घरेलू दोनों ने (17 दिसंबर, 2018) एसएआईबी के अनुसार अपने विमान बेड़े का निरीक्षण शुरू कर दिया है। प्रभावित विमान के सभी एयरलाइन ऑपरेटर्स को सलाह दी जाती है कि वे 21 जुलाई, 2025 तक निरीक्षण पूरा कर लें। निरीक्षण पूरा होने के बाद निरीक्षण योजना और रिपोर्ट संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय को सूचित करते हुए इस कार्यालय को प्रस्तुत की जाएगी।

इन विमानों की होगी जांच

मॉडल 737-700, -700 सी, -800, और -900 ईआर श्रृंखला हवाई जहाज; मॉडल 737-8 और -9 हवाई जहाज; मॉडल 747-400, -400 डी, -400 एफ, -8, और -8 एफ श्रृंखला हवाई जहाज; मॉडल 757-200, -200 सीबी, -200 पीएफ, और -300 श्रृंखला हवाई जहाज; मॉडल 767-200, -300,300 एफ, -400 ईआर, और -2 सी श्रृंखला हवाई जहाज और एमडी-11एफ विमान; और मॉडल एमडी-90-30 विमान।

अहमदबाद विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट से पायलट एसोसिएशन नाराज...जांच में शामिल होने की बात कही

-जांच पूरी हुए बिना पायलट पर इल्जाम लगाना सही नहीं

नई दिल्ली। अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर आई विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरुवाती रिपोर्ट चर्चा में है। रिपोर्ट में विमान हादसे के पीछे फ्यूट कटऑफ का अंदेशा जाहिर किया गया है, इसपर पायलट यूनियन का गुस्सा भड़क गया है। एअरलाइन पायलट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एलएपीए) ने प्लेन क्रैश की जांच में शामिल करने की मांग की है। भारतीय वाणिज्यिक पायलट संघ (आईसीपीए) ने पायलट के द्वारा विमान का फ्यूल कटऑफ करने वाली थ्यौरी की कड़ी निंदा की है। आईसीपीए का कहना है कि जांच पूरी हुए बिना पायलट पर इस तरह से इल्जाम लगाना सही नहीं है। पायलट की आत्महत्या का आरोप पूरी तरह से निराधार है। आईसीपीए के अनुसार, विमान हादसे के बाद मीडिया और लोगों के बीच जिस तरह की बातें चल रही हैं, उससे हम बेहद दुखी हैं। पायलट के द्वारा आत्महत्या का यह आरोप बकवास और निराधार है। इस तरह के दावों का कोई आधार नहीं है। प्रारंभिक जांच और अधूरे आंकड़ों के आधार पर इसतरह के इल्जाम लगाना न सिर्फ गैर-जिम्मेदाराना हरकत है बल्कि उनके परिवार के प्रति भी असंवेदनशीलता को दिखाते हैं। वहीं एअरलाइन पायलट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एलएपीए) ने प्लेन क्रैश जांच में शामिल होने की मांग की है। एलएपीए 800 एअरलाइंस और हेलीकॉप्टर कंपनियों का प्रतिनिधित्व करती है। साथ ही संस्था इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एअरलाइन पायलट्स एसोसिएशन (आईएफएएलपीए) से जुड़ी है। वहीं, दुनिया के 100 देशों के 1 लाख पायलट आईएफएएलपीए के सदस्य हैं। एलएपीए-इंडिया के अध्यक्ष सैम थॉमस ने बताया कि एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट वेबसाइट पर डाल दी गई। उस पर किसी के हस्ताक्षर नहीं थे। हम पारदर्शिता चाहते हैं। हम चाहते हैं कि जांच टीम में हमारे प्रतिनिधि को भी शामिल किया जाए। थॉमन के अनुसार, जांच की गोपनीयता से हम हैरान हैं। हमें लगता है कि जांच में पायलट्स को प्लेन क्रैश के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। हम इसके सख्त खिलाफ हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर तेज रफ्तार वाहन ने विमान को मारी टक्कर, मचा हड़कंप

मुंबई,। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को एक बड़ा हादसा टल गया। दरअसल अकासा एयरलाइंस का एक विमान जब उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था, तभी एक मालवाहक कंटेनर वाहन विमान के प्रोपेलर से टकरा गया। इस घटना में विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद, विमान में सवार यात्रियों के लिए तुरंत एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई। यह घटना एयरपोर्ट पर सुबह 4.54 बजे की बताई जा रही है। अकासा एयरलाइंस का विमान क्यूपी 1736 बेंगलुरु से मुंबई पहुंचने के बाद पार्क किया गया था। इसके बाद, वही विमान क्यूपी 1410 मुंबई से दिल्ली के लिए रवाना होने वाला था। यात्रियों के विमान में चढ़ने से पहले माल उतारा जा रहा था। उसी दौरान एक कंटेनर वाहन विमान के दाहिने प्रोपेलर से टकरा गया। इस दुर्घटना में विमान और कंटेनर वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। अकासा एयर के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि एक कार्गो ट्रक चलाते समय, एक थर्ड-पार्टी ग्राउंड हैंडलर मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खड़े अकासा एयर के एक विमान से टकरा गया।

छुट्टी के बाद सुप्रीम कोर्ट मे सामान्य कामकाज

नई दिल्ली । 26 मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश पर सुप्रीम कोर्ट के जज छुट्टियों पर चले गए थे। केवल वेकेशन जज ही कार्यरत थे। सावन के प्रथम सोमवार से सुप्रीम कोर्ट के सभी 34 जजों ने अपना काम विधिवत संभाल लिया है।अब सुप्रीम कोर्ट का सामान्य दिनों की तरह कामकाज होगा। 29 मई को सुप्रीम कोर्ट में तीन नए जजों की नियुक्ति हुई थी। सुप्रीम कोर्ट में सभी 34 जज रोजाना मामलों की सुनवाई करेंगे। सावन माह के प्रथम सोमवार से सुप्रीम कोर्ट का कामकाज शुरू हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद वक्फ कानून पर फैसला सुरक्षित कर लिया था।

अब ट्रेनों में लगाए जाएंगे कैमरे, चोर और बदमाशों पर रखी जाएगी नजर

नई दिल्ली। अब इंडियन रेलवे सिक्योरिटी को और पुख्ता करने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रहा है। इससे यात्रियों की सुरक्षा को और चुस्त-दुरुस्त किया जाएगा। ट्रायल के पॉजिटिव रिजल्ट आने के बाद अब रेलवे ने सभी यात्री कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला लिया है। इस पहल से ट्रेनों में होने वाले अपराधों पर अंकुश लगेगा और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

हर कोच में चार डोम-टाइप सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, दो-दो कैमरे दोनों दरवाजों के पास। वहीं, प्रत्येक इंजन में कुल छह कैमरे होंगे, आगे, पीछे और दोनों ओर एक-एक। इसके अलावा फ्रंट और रियर कैब में एक-एक डोम कैमरा और दो डेस्क माउंटेड माइक्रोफोन भी लगाए जाएंगे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सभी कैमरे नवीनतम तकनीक से लैस होंगे और एसटीक्यूसी प्रमाणित होंगे। रेल मंत्री ने निर्देश दिए कि ऐसे कैमरे लगाए जाएं, जो 100 किमी प्रति घंटे या उससे अधिक की रफ्तार से चल रही ट्रेनों में भी स्पष्ट रिकॉर्डिंग कर सकें। साथ ही कम रोशनी में भी बेहतर प्रदर्शन करें। रेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कैमरे यात्रियों की प्राइवेसी को ध्यान में रखते हुए कोच के सामान्य आवागमन क्षेत्र, जैसे दरवाजों के पास लगाए जाएंगे। यह कदम उन असामाजिक तत्वों और संगठित गिरोहों पर लगाम कसने में मददगार होगा, जो भोले-भाले यात्रियों को निशाना बनाते हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने एक उच्चस्तरीय बैठक में इस योजना की समीक्षा की। बैठक में रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इसमें बताया गया कि उत्तरी रेलवे में किए गए सफल परीक्षणों के बाद अब देशभर के सभी कोचों और इंजनों में कैमरे लगाए जाएंगे। रेल मंत्री अधिकारियों को इंडिया एआई मिशन के सहयोग से इन कैमरों द्वारा कैप्चर किए गए डेटा पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग की संभावनाएं तलाशने को भी कहा। रेलवे मंत्रालय ने यह सुनिश्चित किया है कि यात्रियों की निजता से कोई समझौता न हो। कैमरे केवल सार्वजनिक आवागमन वाले क्षेत्रों में लगाए जाएंगे, जिससे सुरक्षा तो सुनिश्चित होगी ही। साथ ही किसी की गोपनीयता भी प्रभावित नहीं होगी। यह पहल भारतीय रेलवे की यात्रियों को सुरक्षित, आधुनिक और सुविधाजनक यात्रा अनुभव देने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। आने वाले समय में यह तकनीक रेल यात्रा को पहले से ज्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद बनाएगी।

पहलगाम हमला सुरक्षा में हुई चूक की जिम्मेदारी एलजी मनोज सिन्हा ने ली

कांग्रेस बोली- इस्तीफा कब देंगे ?

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर स्पष्ट रूप से इसे सुरक्षा में चूक करार देते हुए पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली है। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि हमला पर्यटकों पर नहीं, भारत की आत्मा पर था। इस पर कांग्रेस ने एलजी से सवाल करते हुए कहा है, कि अब इस्तीफा कब देंगे ?

एलजी सिन्हा ने पहलगाम हमले को लेकर अपने एक इंटरव्यू में कहा कि मैं इस घटना की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं, क्योंकि यह वास्तव में सुरक्षा में चूक थी। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जिस जगह हमला हुआ वह खुला मैदान था, जहां सुरक्षा बलों के लिए तैनाती की सुविधा नहीं थी। उन्होंने माना कि राज्य में पर्यटकों की बढ़ती संख्या से अर्थव्यवस्था सशक्त हो रही थी और आतंकी हमले का उद्देश्य इस समृद्धि पर चोट करना था। एलजी सिन्हा ने कहा कि इस हमले में एनआईए की जांच में कुछ स्थानीय लोगों की संलिप्तता सामने आई है, लेकिन यह मानना गलत होगा कि पूरा राज्य या सुरक्षा व्यवस्था खराब हो गई है। इसी बीच उन्होंने एक तरह से तुलना करते हुए कहा कि इस बार एक व्यक्ति की संलिप्तता मिली है, जबकि पिछले साल 6-7 और पहले 100 से अधिक लोग संलिप्त थे।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र, पाकिस्तान को चेतावनी

एलजी सिन्हा ने भारतीय सेना के ऑपरेशन 'सिंदूर' का हवाला देते हुए कहा कि पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि भारत किसी भी आतंकी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तानी एयरबेस तक को निशाना बनाया है, लेकिन पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि अमरनाथ यात्रा इस नुकसान की भरपाई कर सकती है। उन्होंने बताया कि यात्रियों के लिए सुरक्षा और सुविधाएं बढ़ाई गई हैं।

कांग्रेस बोली- जिम्मेदारी ली, अब इस्तीफा दें

एलजी सिन्हा के बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सरकार पर हमला बोला। खेड़ा ने कहा, कि हमले के 82 दिन बाद जिम्मेदारी ली गई, अब सवाल यह है कि क्या इस्तीफा देंगे या बर्खास्त होंगे ? उन्होंने पूछा कि इतने दिन क्यों लगे ? क्या यह बयान सिर्फ दिल्ली में किसी की सुरक्षा करने के लिए दिया गया है ?

चीन-पाक बना रहे स्वार्म ड्रोन जो भारत के एयर डिफेंस को कर सकते हैं कमजोर

इनका मुकाबला करने सतह से हवा में मारने वाली मिसाइलों का करना होगा इस्तेमाल

नई दिल्ली। भारत ने बीते महीने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला किया तो चीन ने उसकी मदद की थी। भारत के सैन्य अफसर कह चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर के चीन से पाकिस्तान को मदद मिली। इस लड़ाई में ड्रोन के इस्तेमाल पर काफी जोर दिया गया था। ऐसे में चीन-पाक ने ड्रोन के क्षेत्र में भारत के खिलाफ बड़ा जाल बिछाने की तैयारी की है। भारतीय विशेषज्ञों ने कहा कि चीन और पाकिस्तान ऐसे स्वार्म ड्रोन बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं, जो भारत के एयर डिफेंस को कमजोर कर सकें।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय रक्षा विश्लेषक ने कहा है कि चीन और पाकिस्तान मिलकर भारत के एयर डिफेंस को मात देने के लिए हाई अल्टीट्यूड वाले ड्रोन विकसित कर रहे हैं। ये ड्रोन पारंपरिक एंटी-एयरक्राफ्ट गन की पहुंच से बाहर उड़ते हैं। ऐसे में यह भारत की लंबी दूरी की एयर डिफेंस मिसाइल को मार गिराने का काम करेंगे। इन ड्रोन के बाद क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया गया तो भारत के सामने हवाई खतरों को रोकना मुश्किल होगा। उन्होंने चीन-पाक धुरी से एक संभावित नए खतरे के बारे में चेतावनी देते हुए कहा कि ये पाकिस्तान और चीन ऐसे स्वार्म ड्रोन बना रहे हैं, जो एल70 जैसी पारंपरिक विमान-रोधी तोपों की पहुंच से परे उड़ान भरेंगे। इसका उद्देश्य क्रूज मिसाइलों और बैलिस्टिक मिसाइलों को लॉन्च करने से पहले भारत के वायु रक्षा मिसाइल भंडार को खत्म करना होगा। चीन-पाक के ये ड्रोन 5-10 हजार फीट से ऊपर उड़ेंगे तो भारतीय सेना की एल70 हवाई लक्ष्यों के खिलाफ 3,500 मीटर की प्रभावी रेंज के साथ जैसी पारंपरिक वायु रक्षा उनको नहीं रोक पाएगी। ऐसे में इन ड्रोन को मारने के लिए मुकाबला करने के लिए सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का इस्तेमाल करना होगा। इसके बाद क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों का हमला किया जाएगा।

विश्लेषक ने बताया कि स्वार्म ड्रोन, छोटी समन्वित मानव रहित हवाई प्रणालियां हैं, जो अपनी कम लागत और पारंपरिक सुरक्षा को तोड़ने की क्षमता के चलते आधुनिक युद्ध में एक ताकत बनकर उभरे हैं। हालिया रिपोर्टों से पता चलता है कि चीन से पाकिस्तान को झुंड ड्रोन तकनीक मिल रही है। यह निश्चित तौर पर उच्च ऊंचाई वाले अभियानों के लिए हैं। इस तरह के ड्रोन टोही, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध या कामिकेज शैली के हमलों के लिए हल्के पेलोड से लैस हो सकते हैं। इन्हें भारतीय वायु रक्षा को तोड़ने के लिए डिजाइन किया गया है।

निमिषा प्रिया को बचाने की उम्मीद लगभग खत्म, केंद्र ने कहा, हम सारे प्रयास कर चुके

अब एक ही रास्ता जबकि पीड़ित परिवार ब्लड मनी स्वीकारे

नई दिल्ली। भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में बचाने की एक और उम्मीद खत्म होती दिख रही है। सोमवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि वे इस मामले में ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। निमिषा को यमन में 16 जुलाई को सजा-ए-मौत दी जा सकती है। वह तलाल अब्दो महदी नाम के यमनी नागरिक की हत्या के मामले में दोषी साबित हुई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, केंद्र सरकार ने कहा, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है...लेकिन एक सीमा है जहां तक हम जा सकते हैं। अब एक ही रास्ता है कि (यमनी नागरिक का) परिवार ब्लड मनी को स्वीकार करने को तैयार हो जाए। दरअसल, इस व्यवस्था के तहत पीड़ित परिवार को एक धनराशि दी जाती है। हालांकि, यह रकम कितनी होगी, यह दोनों पक्ष मिलकर तय करते हैं। एटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि भारत इस मामले में इतना आगे ही जा सकता था और सरकार अपने तमाम प्रयास कर चुकी है। उन्होंने कहा, सरकार ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। यमन की संवेदनशीलता को देखकर यह कूटनीतिक रूप से मान्य नहीं है। ब्लड मनी एक निजी समझौता है। केरल के पल्लकड़ जिले की निमिषा प्रिया महदी की हत्या की दोषी साबित हुई हैं। उन्होंने एक अन्य नर्स के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। खबर है कि दोनों ने कथित तौर पर यमनी नागरिक के शव को काट कर अंडरग्राउंड टैंक में डाल दिया था।

बालाघाट पुलिस ने कोतवाली और ग्रामीण थाने क्षेत्र की दो बड़ी चोरी का किया खुलासा

दोनों चोरी के आठ आरोपी के 8 आरोपी गिरफ्तार, दोनों चोरी के नगदी जेवराज सहित 25 लाख रुपए के मशरूका जप्त, ग्रामीण पुलिस ने दो आरोपी की ली 7 दिन की पुलिस रिमांड

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पुलिस ने थाना ग्रामीण एवं थाना कोतवाली क्षेत्र में हुई दो बड़ी चोरी का खुलासा करते हुए दोनों चोरी के आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया और दोनों चोरी के 25 लाख रुपये के नगदी , सोने चांदी के जेवरात जप्त करने में सफलता हासिल की। ग्रामीण थाने के ग्राम कोसमी बालाजी नगर में हुई चोरी के दो आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार किया गया। इस चोरी मैं गिरफ्तार एक आरोपी पूर्व से ही जिला जेल में है। ग्रामीण पुलिस ने हाल ही में मुंबई से गिरफ्तार दो आरोपी राजेश उर्फ छोटू साहू एवं नीली उर्फ नीलेश पटेल को यहां की विद्वान अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें 7 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। कोतवाली पुलिस ने भी गिरफ्तार 5 आरोपी को यहां की विद्वान अदालत में पेश कर दिये। जहां से सभी को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

कोसमी बालाजी नगर में पंकज शर्मा के घर हुई थी चोरी- तीन चोर गिरफ्तार

ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कोसमी के बालाजी नगर में 5 जुलाई की रात्रि चोरों ने पंकज शर्मा के मकान में घुसकर लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर और नगदी चोरी कर ली गई। 6 जुलाई को पंकज शर्मा द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 101/ 2025 में धारा 331(4) 305 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया था। इस चोरी की जांच पड़ताल के लिए 6 विशेष टीमों का गठन कर तत्काल जांच प्रारंभ की गई। पुलिस टीम ने 200 से अधिक ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों की फुटेज का विश्लेषण, तकनीकी विश्लेषण एवं संदेहियों से पूछताछ कर ठोस सुराग प्राप्त किए गए और सबसे पहले राहुल उर्फ गेंडा को गिरफ्तार किये। जिसकी निशानदेही पर अन्य। दो आरोपी राजेश उर्फ छोटू साहू एवं नीली उर्फ नीलेश पटले को गिरफ्तार तीनों आरोपी बालाजी नगर से चोरी के बाद रेलवे स्टेशन के पास मिले थे और वहीं आपस मे माल का आपसी किये थे। दो आरोपी राजेश और छोटू साहू और नीली उर्फ नीलेश पटेल घटना के बाद मुंबई फरार हो गए थे। एक विशेष टीम को मुंबई भेजा गया, जहाँ टीम ने लगातार 5 दिन व 5 रातों तक सघन प्रयास कर दोनो की तलाश की। टीम को गहन छानबीन के उपरांत आरोपी राजेश उर्फ छोटू साहू एवं नीली उर्फ नीलेश पटले को मुंबई गिरफ्तार किये। गिरफ्तार आरोपी नीली उर्फ निलेश पिता भोजलाल पटले 25 वर्ष गर्रा राजेश उर्फ छोटू पिता रघुवीर साहू जाति साहू उम्र 36 वर्ष ग्राम पटेल पारा, बिलासपुर (छ.ग.) राहुल उर्फ गेंडा पिता नैतलाल नागेश्वर उम्र 23 वर्ष ग्राम कोसमी थाना ग्रामीण नवेगांव निवासी है । 14 जुलाई को ग्रामीण पुलिस ने हाल ही में गिरफ्तार दो आरोपी राजेश और छोटू साहू और नीली उर्फ निलेश पटले बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिए जहां से 7 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। दोनों को जांच पड़ताल हेतु मुंबई पुलिस टीम द्वारा ले जाया जाएगा।

ग्राम भटेरा में गायत्री पटेल के घर हुई थी चोरी- पांच आरोपी गिरफ्तार

कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम भटेरा में 25 एवं 26 जून की दरमियानी रात गायत्री पटेल के घर की अलमारी तोड़कर अज्ञात चोरों ने नगद एवं सोने-चांदी के जेवरात की चोरी कर लिए थे। 26 जून को गायत्री पटेल द्वारा की गई रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने अपराध क्रमांक 296 / 2025 में धारा 305 331(4) भारतीय न्याय संहिता के तहत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की गई थी इस चोरी की जांच हेतु 4 टीमों का गठन किया गया था।।300 से अधिक ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज का परीक्षण, संदिग्धों से पूछताछ एवं विभिन्न तकनीकी पहलुओं के माध्यम से पुलिस ने घटनास्थल और उससे जुड़े सुरागों को जोड़कर इस मामले में संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर पंकज पिता सुनील पटले 26 वर्ष न समत्ता भवन के पीछे बूढी बालाघाट निवासी,सुदत्त उर्फ सौरभ पिता जितेन्द्र बंसोड 21 वर्ष भटेरा चौकी निवासी, पप्पू उर्फ पलाश पिता राजेश 27 वर्ष इंदिरा नगर बालाघाट निवासी, रेहान पिता आबिद खान 19 वर्ष नि.वार्ड न. 10 रजा नगर बालाघाट निवासी और आमिर पिता मेहबूब खान जाति 27 वर्ष वार्ड नं. 3 गौस नगर बालाघाट निवासी को गिरफ्तार किया । कोतवाली पुलिस ने सभी गिरफ्तार पांच आरोपी को बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिए जहां से सभी को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

10 पुलिस टीम ने 1हजार कि.मी. का सफर कर 7 रात में किया चोरी का खुलासा

इस चोरी का खुलासा करने में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन गठित की गई कुल 10 पुलिस टीम ने एक हजार किलोमीटर का सफर कर 7 राते और 500 से अधिक सीसीटीव्ही कैमरा चेक किये। टीम वर्क और लगातार कठिन मेहनत से आखिरकार ये यह शातिर चोर पुलिस के शिकंजे में आये। पुलिस टीम के द्वारा मुंबई सहित विभिन्न स्थानों पर लगातार दबिश दी गई और सतत प्रयास करते हुए दोनों ही चोरी मामलों में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीम ने इन मामलों में शत- प्रतिशत सफलता प्राप्त करते हुए सोने चांदी के जेवरात नगदी सहित लगभग 25 लाख रुपये का मशरूका बरामद कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस चोरी का पर्दाफाश करने में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक विजय राजपूत, सउनि, दिनेश पंचेश्वर, प्रआर. राहुल गौतम, प्रआर, गजेन्द्र माटे, प्रआर. किशोर बिसेन, आर. अवधेश बघेल, आर. शेख शहजाद, आर. कमल यदुवंशी, आर. अर्जुन गुर्जर, आर. मुकेश पंडा, मआर. सुष्मिता, मआर सोनम एवं थाना प्रभारी ग्रामीण से उप निरीक्षक छत्रपाल सिंह बैस, उनि, धर्मेन्द्र जौनवार, उनि, अमित अग्रवाल, उनि, दीपसिंह परमार, सउनि, प्रभुदयाल कानतोड़े, सउनि. विनोज ठाकुर, सउनि, जगदीश सैय्याम, प्रआर, विद्यासागर पटले, प्रआर. भैय्यालाल तेलासे, प्रआर. कृष्णा की भूमिका सराहनीय रही।

ट्रैक्टर की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार तीन व्यक्ति घायल

वारासिवनी से कटंगी रोड बुदबुदा के पास हुई दुर्घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत कटंगी रोड ग्राम बुदबुदा और कोचेवाही के बीच ट्रैक्टर मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया ट्रैक्टर की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार तीन लोग घायल हो गए तीनों घायल निरपत पिता पूरनलाल आंचरे 58 वर्ष,, शांतिलाल पिता मेहतर मानेश्वर 70 वर्ष और उसका बड़ा भाई बाबूलाल पिता मेहतर मानेश्वर 72 वर्ष तीनों ग्राम बुदबुदा वारासिवनी निवासी है। जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बुदबुदा निवासी बाबूलाल मानेश्वर, शांतिलाल मानेश्वर और निरपत आंचरे खेती किसानी करते हैं 13 जुलाई को 3ः00 बजे तीनों व्यक्ति मोटरसाइकिल में ग्राम खोजेवाही 13वीं के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे। शाम 6ः00 बजे करीब बाबूलाल मानेश्वर शांतिलाल मानेश्वर और निरपत आंचरे तीनों मोटरसाइकिल में कोचेवाही से अपने घर बुदबुदा लौट रहे थे। मोटरसाइकिल निरपत आंचरे चला रहा था। तभी ग्राम कोचेवाही और बुदबुदा के बीच सामने से तेज रफ्तार आ रहे ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। ट्रैक्टर की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार बाबूलाल मानेश्वर शांतिलाल मानेश्वर और निरपत आंचरे तीनों मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। खबर मिलने पर परिवार के लोग पहुंचे और तीनों घायल को प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने निरपत आंचरे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना वारासिवनी भिजवा दी है।

सड़क दुर्घटना में 15 वर्षीय बालक सहित दो लोग घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लामता रोड समनापुर के पास सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार एक 15 वर्षीय बालक सहित दो लोग घायल हो गए। दोनों घायल अमरतलाल पिता गेंदुलाल बिरनवार 58 वर्ष और उसके नाती आदर्श पिता ओमप्रकाश दमाहे 15 वर्ष दोनों ग्राम बोदा थाना भरवेली निवासी है ।13 जुलाई की शाम 6ः00 बजे करीब यह दुर्घटना घटना उस समय वही जब दोनों मोटरसाइकिल में ग्राम जाम से अपने घर बोदा लौट रहे थे।दोनों को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी का अनुसार अमरत लाल बिरनवार खेती किसानी करते हैं। 13 जुलाई को 11:00 बजे अमरत लाल बिरनवार अपने नाती आदर्श दमाहे के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम जाम गमी में शामिल होने के लिए गए थे। शाम 6ः00 बजे करीब अमरतलाल बिरनवार अपने नाती आदर्श दमाहे के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम जाम से अपने घर बोदा लौट रहे थे। तभी समनापुर के पास दो व्यक्ति शराब के नशे में रोड पर चल रहे थे ।इस समय पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे मोटरसाइकिल सवार ने अमरतलाल बिरनवार की मोटरसाइकिल को पीछे से ठोस मार दी। जिससे अमरतलाल बिरनवार और उसका नाती आदर्श दमाहे मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गये। बताया गया कि इस दौरान तीन लोगों ने अमरतलाल बिरनवार को लाठी से मारपीट कर दिए । घायल अमृतलाल बिरनवार और उसके नाती आदर्श दमाहे को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने अमरतलाल बिरनवार का बयान लेकर अस्पताल तहरीर घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना ग्रामीण थाना भिजवा दी है।

ग्रेसियस कॉलेज ऑफ फार्मेसी
आर.टी.ओ. आफिस के सामने, बरबसपुर रोड, कायदी, जिला - बालाघाट (म.प्र.)
73820-53000, 73820-54000
बी.फार्मा 4 Years Eligibility - 12th(Bio/Maths)
Enroll Now
PCI APPROVED
डी.फार्मा 2 Years Eligibility - 12th(Bio/Maths)
मान्यता एवं संबद्धता
● फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई, नई दिल्ली)
● राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल
● तकनीकी शिक्षा विभाग म.प्र. शासन
SC, ST, OBC वर्ग के विद्यार्थियों को म.प्र. शासन के नियमानुसार छात्रवृत्ति

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▶ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▶ MINING ENGINEERING
▶ CIVIL ENGINEERING
▶ MECHANICAL ENGINEERING
▶ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.७, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट